

प्राधिकार सं प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 3 2]

मई बिल्ली, शनिवार, अगस्त 6, 1977 ( श्रावण 15, 1899)

No. 321

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 6, 1977 (SRAVANA 15, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या बी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रस्ना जा सके। (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग 111--खण्ड 1

### PART III-SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा धायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 जून 1977

मं० पी०/ 18-प्रणा०-I — संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी ग्रेड-I श्रधिकारी तथा स्थानापन्न उप मचिव श्री बी० के० लाल को, राष्ट्रपति द्वारा 30-6-1977 के श्रपराह्म से निवर्तन श्रायु प्राप्त होने के पश्चात् सरकारी सेवा से सेवा निवृत होने की अनुमति सहषे प्रदान की जाती है।

प्र० ना० मुखर्जी, ग्रवर सचिव

गृह मंत्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासितक सुधार विभाग)

केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली-1, दिनांक 5 जुलाई 1977

सं ० एम० 19/65-प्रशा०-5 — श्री पूरत चन्द, स्रपराध सहायक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को श्री एम० एल० गुलाटी जो छुट्टी पर चले गए हैं, के स्थान पर श्रवकाश रिक्ति के सम्मुख दिनांक 6-6-77 से दिनांक 8-7-77 तक स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, चिल्ली शाखा के रूप में प्रोन्नत किया जाता है।

मं० ए० 19036/4/77-प्रशासन-5— निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्बारा, श्री आई० एन० कृष्णा पिल्ले, पुलिस निरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 1-7-77 के पूर्वाह्न से अगले आदेश नक के निए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में स्थानापन पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में प्रोन्नत करने हैं।

पी० एस० निग, प्रशासन घधिकारी (स्था०) केन्दीय अस्वेषण ब्यूरो

gd. No. D-(D) ---73

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिम दल नई दिल्ली-110001, विनांक 15 जुलाई 1977

सं O. II-1045/76 स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजार्व पुलिस दल ने डाक्टर बी० दलीप मूर्ति को, 16-6-1977 के पूर्वाह्म से केवल 3 माह के लिये, अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजार्व पुलिस दल में कनिष्ट चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

(3417)

1-186GI/77

सं०  $O_1$ II- 1066/77-स्थापना — राष्ट्रपति, डाक्टर कपिल भल्ला को ग्रस्थायी रूप में ग्रागामी ग्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस दल में जी० डी० ग्रो० ग्रेड-II (डी०एस०पी०/कम्पनी कमांड२) के पद पर उनकी 7-7-1977 पूर्वाह्म से नियुक्ति करते हैं।

सं० O. II-1066/77-स्थापना — राष्ट्रपति, डाक्टर जागादेण बाबू जम्पाला को अस्थायी रूप में आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में जी० डी० स्रो० ग्रेड II (डी० एम० पी०/कम्पनी कमांडर) के पद पर उनकी 5-7-1977 पूर्वाह्न से नियुक्ति करते हैं।

# दिनांक 16 जुलाई 1977

सं० भ्रो० II-81/77-स्था० — राष्ट्रपति ले० कर्नल बाइ० जी० माथुर ( श्रवकाण प्राप्त ) को केन्द्रीय रिजर्य पुलिस फोर्स में कमाण्डेन्ट के पद पर श्रागामी आदेण जारी होने प्रति नियुवित पर नियुक्त करते हैं।

2. ले॰ कर्नल माथुर ने केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस फोर्स के सी॰ डब्ल्यू॰ एस॰ रामपुर में दिनांक 24-6-77 के पूर्वाह्न से कमाण्डेन्ट के पद का कार्यभार संम्भाला।

# दिनांक 18 जुलाई 1977

सं० क्रो०-दो-1001/72-स्थापना — श्री श्रीधरन नायर, उप-पुलिस क्रधीक्षक, ग्रुप सेंटर (पल्लीपुरम) के० रि० पु० दल, 86 दिन की सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी 6-5-77 से 30-7-77 तक की समाप्ति पर 30-7-77 (श्रपराह्म) से इस दल से सेवा निवृत्त समझे जाएंगे।

ए० के० बन्धोपाध्याय सहायक निदेणक (प्रणासन)

# महानिरोक्षक का कार्यालय केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-24, दिनांक 18 जुलाई 1977

सं० ई० 16013(1) /5/74-कार्मिक —श्वी पी० पी० मिह, ब्राई०पी० एम० (बिहार 1956), उप महानिरीक्षक/के० ब्रौ० मु०ब० दुर्गापुर इस्पात संयंत्र, दुर्गापुर को 2 जून, 1977 के श्रपराह्म से राज्य संवर्ग में प्रत्यावितित किया गया है।

सं० ई० 38013 (3)/17/76-कार्मिक —-माजीपुर में स्थानान्तरित होने पर, श्री चन्दगी राम ने 13 जून, 1977 के पूर्वीह्न से के० श्री० मु०व० यूनिट, सरकारी श्रफीम श्रीर क्षारोद कारखाना, गाजीपुर के महायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया ।

मं० ई० 28013/1/77-कार्मिक — वाद्र्धक्य-वय हीने पर, श्री हंस राज, सहायक कमांडेंट, के० श्री ० सु० ब० मुख्यालय नई दिल्ली, ने 30-6-77 के अपराह्न से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

ली० सिं० बिष्ट, महानिरीक्षक

# भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 जुलाई 1977

सं० 11/5/77-प्रणा०-I — राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेपक, श्री आर० के० भाटिया को तारीख 5 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्म से 6 महीने की श्रवधि के लिए या जब तक कोई नियमित श्रधिकारी उपलब्ध हो, जो भी समय इनमें पहले हो, उत्तर प्रदेश में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में पूर्णतः श्रस्थायी श्रीर तदर्थ श्राधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहपं नियुक्त करते हैं।

श्री श्रार० के० भाटिया का मुख्यालय लखनऊ में होगा।

रा० भ० चारी, भारत के महापंजीकार और पदेन संयुक्त सचिव

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 जुलाई 1977

सं० पी०/ बी०-23/प्रशा०-I — श्री एस० एन० बनर्जी, ने तारीख 8 जुलाई, 1977 के श्रपराह्न से उत्तर प्रदेश में जन-गणना कार्य निदेशक के कार्यालय में उप-मिदेशक, जनगणना कार्य के पद का कार्य-भार छोड़ा। उसी तारीख से उनकी सेवाएं उत्तर प्रदेश सरकार के मुपूर्व की गई।

बद्री नाथ भारत के उन महापंजीकार और **पक्षेत्र** उप सचिव

वित्त मंत्रालय

भ्रार्थिक कार्ये विभाग वैक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 15 जुलाई 1977

फा० सं० बी० एन० पी० / सी० / 23/77—कार्यालय महा-लेखाकार, प्रथम, मध्य प्रदेश ग्वालयर में लेखा श्रिधकारी श्री एन० जी० किबे को दिनांक 30-6-77 से 31-1-78 तक महाप्रबन्धक, बैंक नोट मुद्रणालय, देवास म० प्र० के कार्यालय में लेखा श्रिधकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानापक रूप में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया जाता है

# दिनांक 17 जुलाई 1977

पत्नावली कि बीठ एनठ पीठ | ई० | 8 | एम० | 8 — श्री एस० के माथुर स्थामी निरीक्षक नियंत्रण जो कि बैक नोट मुद्रणालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न उप-नियंत्रण अधिकारी के पद पर कार्यरत थे, उन्हें दिनाँक 10-7-77 के अपराह्म से निरीक्षण नियंत्रण के पद पर प्रत्यावितित किया जाता है।

पी० एस० शिवराम महा प्रबन्धक,

### कार्यालय महालेखाकार

#### केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई 1977

क्रमांक प्रणासन-I / का० थ्रा० / 286/ 5-8 / 77-78/ 822 — श्रीमान् महालेखाकार ने इस कार्यालय के श्री भ्रार० के० गर्मा एक स्थाई श्रनुभाग प्रधिकारी की पदोन्नति एक० श्रार० 30 (1) के ब्रितीय विधान के श्रन्तगंत प्रपन्न पदोन्नति लेखा श्रिधकारी के वेतनक्रम ६० 840-1200 में 1 श्रप्रैल, 1977 (पूर्वाह्म) के पूर्वव्यापी प्रभाव से ग्रागे श्रादेण आने तक करने का श्रादेण दिया है।

अपठनीय वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्र०)

# महालेखाकार का कार्यालय, आँध्र प्रदेश हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1977

सं० ई० वी० - 1  $\left| 8-132 \right|$  77-78 $\left| 134-% \right|$  बी० वी० नरिमम्हाचारी, लेखा श्रिधकारी महालेखाकार का कार्यालय, श्रांध्य प्रदेश-I में सेवा से निवृत्त हुए—दि० 30-6-1977 प्रपराह्न I

# दिनांक 16 जुलाई 1977

सं० ई० बी० 1 / 8-312/77-78/142----महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री मां० ए० मुक्तस्वामी को महालेखाकार आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद ढारा वेतनमान ६० 840-40-1000--ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 8-7-77 के अपराह्न से जब तक आगे आदेण न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालेने वाली नहीं है।

सं० ई० बी०-I / 8-312/77-78/ 144—महालेखाकार, आन्ध्र प्रवेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एस० एच० श्रीनिवासन को महालेखाकार आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतन-मान रु० 840-40-1000—ई०बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 8-7-77 के अपराह्न से जब तक आगे आदेश

न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता जाता है। यह पदोन्नति उनसे विष्टि सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

> एस० म्रार० मुखर्जी, प्रवर उप-महालेखाकार (प्रशासन)

मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय पूर्वी रेलवे अलकत्ता, दिनांक 19 जुलाई 1977

सं० एल० | 8 | 76—इस कार्यालय के स्थानापन्न सहायक मुख्य लेखा परीक्षक श्री एम० एन० भट्टाचार्य सेवा निवृत्ति श्रायु प्राप्त कर लेने पर पर 31 मई, 1977 के श्रपराह्न से सेवा निवृत्त हो गर्ये।

> एस० सी० सुकर्जी, मुख्य लेखा परीक्षक, पूर्वी रेलवे

#### रक्षा मंत्रालय

ङी० जी० ओ० एफ० सुख्यालय, सिबिल सर्विस, महानिदेशालय, ब्राइंनैन्स, फैक्टरियां

कलकत्ता-700069, दिनांक 12 जुलाई 1977

सं० 30/77/ जी० — वार्धक्य निवृत्ति ग्रायु प्राप्त कर, श्री नालिनी मोहन चटर्ची, भौतिक एवं स्थायी ए० एस० ग्रो० दिनांक 30 जून, 1977 (ग्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

> ग्रो० पी० घोष, ए० डी० जी० प्रशासन-I इत्ते महानिदेशक आर्डनैस फैक्टरियां

भारतीय श्रार्टनैन्स, फैक्टरियां सेवा कलकत्ता, दिनांक 14 जुलाई 1977

सं० 31/77/जी० ---वार्धक्य निवृत्ति श्रायु प्राप्त कर श्री ए० पी०, वागची, स्थानापन्न उप प्रवन्धक (मौलिक एवं स्थायी महायक प्रवन्ध) दिनांक 31 जुलाई, 1976 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 32 | 77 | जी० — वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर श्री ग्रार० एस० साहनी स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी सहायक प्रबन्धक) दिनांक 30 जून, 1976 से सेवा निवृत्त हुए :--

# दिनांक 18 जुलाई 1977

सं० 33/77 / जी० —श्री के० रमानाथन्, स्थानापन्न महायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन ) श्रपनी स्वेच्छा से दिनोक 3 मई, 1977 (ग्रपराह्न ) से सेवा निवृत्त हुए ।

> एम० पी० म्रार० पिल्लाय सहाय⊕ महानिदेशक

#### वाणिज्यं मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1977 ग्रायात ग्रीर निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं०  $\theta/155/54$ -प्रशा० (रा०) / 5105---राष्ट्रपति, श्री ग्रो० एन० ग्रानन्द, उप-मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात (केन्द्रीय मिचवालय सेवा से भिन्न) को 1-2-77 से 31-5 77 की श्रवधि के लिए संयुक्त मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात, (केन्द्रीय लाइसेंम क्षेत्र), नई दिल्ली में श्रीर 1-6-77 से 30-6-77 तक इस कार्यालय में संयुक्त मूख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात के म्प में बिल्कुल तदर्थ एवं ग्रस्थायी ग्राधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० 6/479/57- प्रणासन (राज०) 5117 — सेवा निवृत्ति की श्रायु होने पर केन्द्रोय सचिवालय सेवा के स्थायी श्रनुभाग श्रधिकारी, श्री बी० जे० हांडा ने दिनांक 30 जून, 1977 के दोपहर बाद से इस कार्यालय में नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> ए० एस० गिल मुख्य नियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई, 1977

सं० 6/941/71-प्रशासन (राज०) / 5173—सरकारी सेवा से स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति पर, श्री पी०वी० सोलंकी ने संयुक्त मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात, बम्बई के कार्यालय में 31 मई, 1977 के दोपहर बाद से नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> ए० टी० मुखर्जी उप-मुख्य नियंत्रक

### वस्त्र प्रायुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 22 जुलाई, 1977

सं ० ई ० एस ० टी ० - 2 (500) - श्री कल्याणरामन मृत्तू-स्वामी, निदेशक (नान-टेक्नीकल) को 16 मई, 1977 के पूर्वाह्म से सरकारी मेवा से स्वैच्छिक रूप से निवृत्त होने की अनुमति दी गई है।

> एम० सी० सुवर्णा ग्रपर वस्त्र श्रायुक्त

उद्योग मंत्रालय

श्रौद्योगिक विकास विभाग विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग ) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 26 श्रप्रैल 1977

सं० 12/505/65-प्रशा० (राज०) — श्री एन० एन० पुरी ने 2 सितम्बर, 1976 ( ग्रपराह्न ) से विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय में निदेशक (ग्रेड-II) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

श्री एन० एन० पुरी, निदेशक (ग्रेड-II) को 31 दिसम्बर, 1976 (श्रपराह्म) से उनकी अधिवार्षिकी श्रायु पूरी हो जाने पर राष्ट्रपति सरकारी नौकरी से सेवा-निवृत्त करते हैं।

सं० 12 (694) / 71-प्रणा० (राज०) —श्री जे०बी० राममूर्ति को 29 जनवरी, 1977 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (ग्रो० प्र०प्र०) के पद पर राष्ट्रपति नियुक्त करते हैं।

सहायक निदेशक, ग्रेड-I (श्रो० प्र०प्र०) के पद पर नियुक्त हो जाने पर श्री जे० बी० राममूर्ति ने 29 जनवरी, 1977 (पूर्वाह्म) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, हैदराबाद में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० 12 (711)/72-(प्रमा०) (राज०) —श्री ए० पी० बोस को 4 मार्च, 1977 (पूर्वाह्म) से लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) के पद पर राष्ट्रपति सहर्प नियुक्त करते हैं।

सहायक निदेशक (ग्रेंड-I) के पद पर नियुक्त हो जाने पर श्री ए० पी० बोस ने 4 मार्च, 1977 (पूर्वाह्म ) से लघु उद्योग संवा संगठन, कलकत्ता में सहायक निदेशक (ग्रेंड-I) के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

# दिनांक 15 जून 1977

सं० 12 | 517 | 66-प्रकासन (सामान्य)—राष्ट्रपति सहर्ष श्री जी० रामजन्द्रन्, उप निदेशक (सांख्यिकी) को 31 मई 1977 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि तक यापद के भारतीय सांख्यिकी सेवा के ग्रेड-2 में संवर्गबद्ध हो जाने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर निदेशक (ग्रेड-2) (उत्पादन सूचकांक) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. निदेणक' (ग्रेड-2) (उत्पादन सूचकांक) की नियुक्त के फलस्वरूप श्री जीठ रामचन्द्रन् ने दिनांक 31 मई, 1977 के पूर्वाह्न से विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय के उप निदेणक (सांख्यिकी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया और उसी कार्यालय में उसी निधि से निदेशक (ग्रेड-2) (उत्पादन सूचकांक) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 12/555/67-प्रशासन (सामान्य)—म्प्रिधवार्षिक की आयु प्राप्त करने पर श्री पी० एन० गुप्ता, उप निदेशक को 31 मार्च, 1977 के श्रपराह्म से शासकीय सेवा से संवा निवृत होने की अनुमति राष्ट्रपति सहर्ष प्रदान करते हैं।

2. तदानुसार श्री पी० एन० गुप्ता ने 31 मार्च, 1977 के श्रपराह्म में लघु उद्योग सेवा संस्थान, जयपुर के उप निदेशक पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

सं० 12/578/68-प्रणासन (सामान्य)—राष्ट्रपति, श्री ए० मुखर्जी को लघु उद्योग विकास संगठन में, 4 अप्रैल 1977 (पूर्वाह्न)से 30 जून, 1977 तक या जब तक पद नियमित ब्राधार पर भरा जाए, जो भी शी घ्रहो, तदर्थ ब्राधार पर सहायक निदेणक (ग्रेड-1) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. सहायक निदेशक (ग्रेड-1) के रूप में नियुक्ति के फल-स्वस्प श्री ए० मुखर्जी ने लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता, के सहायक निदेशक (ग्रेड- $\Pi$ ) पद का कार्यभार दिनांक 4 श्रप्रैल, 1977 के पूर्वीतृन से छोड़ दिया ग्रीर उसी संस्थान में उसी तिथि से सहायक निदेशक (ग्रेड-1) का कार्यभार संभाल लिया ।

सं० क-19018(279) / 77-प्रशासन (सामान्य) — विकास **अ।युक्त, लघु उद्योग, नई दिल्ली, श्री एन० पी० भटनागर, लघु** उद्योग संबर्द्धन ग्रधकारी (श्रार्थिक ग्रन्वेषण), को दिनांक 7-5-77 से 31-12-77 तक की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा न जाए, जो भी शीघ्र हो, कार्यालय, विकास म्रायुक्त, लघु उद्योग, नई दिल्ली, में तदर्थ म्राधार पर, सहायक निदेशक (ग्रेड-II) (ग्राधिक ग्रन्वेषण) के पद पर तदर्थ रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त करते हैं। सहायक निदेणक  $(\bar{y} = -11)$  (ब्रार्थिक ग्रन्वेषण) के पद पर पदोन्नति के फलस्वरूप श्री एन० पी० भटनागर ने दिनांक 7 मई, 1977 (पूर्वाह्न) का इसी कार्यालय में सहायक निवेशक (ग्रेड- $\Pi$ ) (श्राधिक श्रम्बेपण के पर का कार्यभार संभाल लिया ।

> वी वेंकटरायुलू उप निदेशक (प्रशासन)

# इस्पात और खान मंत्रालय खान विभाग भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 12 जून 1977

सं० ए० 1901/2/87/77-स्था० ए-श्री डी० के० कुन्द्र, स्थायी वरिष्ठ तकनीकी सहायक भूवैज्ञानिक को दिनांक 28-5-1977 के पूर्वीह न से आगामी आदेश तक भारतीय खान ब्युरो में बर्ग "ब" के पद में नियमित क्राधार पर स्थानापन्न सहायक खान भूवैज्ञानिक के रूप में पदोन्नित प्रदान की जाती है।

> स्रेश चन्द कार्यालय ग्रध्यक्ष भारतीय खान निगम

# भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय देहरादून, दिनांक 11 जुलाई 1977

**ई 1-5246/913-एच --- इस कार्यालय** अधिस्चना यं० ई-5147/913-एच दिनांक 20-10-1976 के प्रनुक्रम में महासर्वेक्षक कार्यालय के श्री ग्रार० के० घमोली, हिन्दी अधिकारी के नदर्थ नियुक्ति की अवधि दिनांक 30-9-1977 तक या जब तक कि पद नियमित श्राधार पर भरा जाता है, जो भी पहले हो, बढ़ा दी जाती है।

#### दिनांक 16 जुलाई 1977

सं० गो० 5248/594----निम्नलिखित तकमीकी सहायकां, मानचित्र प्रतिकृति (सेलेक्शन ग्रेड) को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में सहायक प्रबंधक, मानचित्र प्रतिकृति (सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप ''बी') के पद पर 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द० रो०- 40-1200 रु० के वेतनमान में उनके नाम के सामने दी गई तारीखों के ग्रगले श्रादेण दिए जाने तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है :-

नाम तथा पद	तारीख	कार्यालय, जिसमें नियुक्त किया गया है ।
1. श्री जेड० डॅन्निस	1 3- 6- 7 7 (पूर्वाह् ्न)	सं० 101 (हा० लि० का०) मुद्रण वर्ग मानचित्र प्रकाशन निदे- शालय देहरादून
2. श्री सारापद सिन्हा	9-6-77 (पूर्वाह्न)	मं० 102, (फो० लि० ऋा०) मुद्रण वर्ग (पूर्वी मकिल) कलकत्ता।
3. श्री श्रत्तर सिह	4-6-77 (पूर्वाह्न)	सं० 103 (फो० ज० का०) मुद्रण वर्गे, मानचित्र प्रका- णन निदेणालय, देहरादूम ।

सं० गो० 5249/718-ए ---श्री यू० एस० श्रीवास्तवा, स्थानापन्न प्रधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय, जिन्हें इस कार्या-लय की ग्रधिसूचना सं० गो० 5197/71ए दिनांक 29-3-1977 के प्रधीन दिनांक 7-3-77 (पूर्वाह्न) से मानचित्र प्रकाशन निदेशालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग में स्थापना एवं लेखा म्राधिकारी (सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप 'वी') के पद पर स्था-नापभ रूप में तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया गया था, वे ग्रब श्री एस० डी० करारिया, स्थापना एवं लेखा अधिकारी के दिनांक 20-6-1977 (पूर्वाह्म ) मे श्रवकाश पर चले जाने के कारण उनके स्थान पर उसी निदेशालय में तदर्थ भाधार पर स्थामा-पन्न करते रहेंगे ।

# दिनांक 18 जुलाई, 1977

गो० 5252/707---निम्नलिखित डिबीजन 1 सेलेक्शन ग्रेड, भारतीय मर्बेक्षण विभाग में ऋधिकारी सर्वेक्षक (सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप बी०') केपद पर 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 हु० के वेतनमान में दिनांक 9 जून, 1977 से तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किए जाते हैं:-

नाम	कार्यालय जिसमे नियुक्त किया गया है।
1. श्री पी० सी० मिल्रा	सं० 4 श्रारेखण कार्या- लय (द० स०) बैंगलूर
2. श्री एम० के० श्रनंथानारायनन	

एल० खोसला मेजर जनरल भारत के महासर्वेक्षक नियुक्ति प्राधिकारी

#### भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

कलकत्ता-12, दिनांक 18 नुलाई, 1977

सं० एफ० 92-131/77-स्थापना/17368--श्री स्रार० के० सिंह, वरिष्ठ प्राणि विज्ञान सहायक, मध्य-क्षेत्रीय केन्द्र, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण, जबलपुर, को भारतीय प्राणि सर्वेक्षण के कलकत्ता स्थित मुख्यालय में सहायक प्राणि वैज्ञानिक (ग्रुप 'बी') के पद पर 650-12-00, रु० के वेननमान में अस्थाई रूप से तदर्थ श्राधार पर 25 जून, 1977 (पूर्वाह्न) से स्रागामी श्रादेणों तक नियुक्त किया जा रहा है।

डा० टी० एन० अनन्तकृष्णन निदेशक, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

### श्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1977

सं० 4/45/77-एस-एक—महानिदेशका, श्राकाणवाणी, एतद्द्वारा श्री बुद्धदेव चक्रवर्ती को श्राकाणवाणी, लखनऊ मे 30 जून, 1977 से अगले श्रादेशों तक कार्य क्रम निष्पादक के पद पर श्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

नन्द किणोर भारद्वाज, प्रशासन उपनिदेशक, कृते महानिदेशक

# स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई, 1977

सं० 20/1(6)/75-के० स० स्वा० यो०-1 (भाग-ा)—
एस० एम० ई० संगठन, बम्बई से ग्रपना तबादला हो जाने के फलस्वरूप डा० सुरेश प्रकाश, रेडियोलाजिस्ट ने 16 जून, 1977 को
केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के ग्रन्तर्गत जनरल
ड्यूटी प्रधिकारी ग्रेड-1 के पद का कार्यभार संभान लिया।

सं० ए० 38012/1/77-के० स० स्वा० यो०-I—सेवा निवृत्ति की श्रायु हो जाने पर, केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के श्रन्तर्गत कार्य कर रहे डा० हरभजन सिंह, जनरल ड्यूटी अधिकारी ने 31 मई, 1977 (श्रपराह्न) से श्रपने पद का कार्यभार छोड दिया।

> राजकुमार जिन्दल, उपनिदेशक प्रशासन

# नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1977

सं० ए० 12026/12/77-प्रशासन-I —स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० के० एल० कोहली को 2 मई, 1977 पूर्वाह्म से 23 जुलाई, 1977 तक 83 दिनों के लिये केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के श्रन्तर्गत दंत शत्य चिकित्सक के पद पर नियुक्त किया है ।

सं० ए० 32014/2/77(एस० जे०) प्रणासन-I—स्वास्थ्य नेवा महानिदेशक ने सफदरजग श्रस्पताल, नई दिल्ली की भौतिक चिकित्सा विद् श्रीमती एस० पास्सी को 25 फरवरी, 1977 पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेणों तक उसी श्रस्पनाल में वरिष्ठ भौतिक चिकित्साविद् के पद पर श्रस्थायी श्राधार पर नियुक्त किया है।

# दिनांक 16 जुलाई 1977

सं० 26-8/75-प्रणासन-I — राष्ट्रपति ने श्री शरणजीत सिंह को 31 मई, 1977 पूर्वाह्न से ग्रागार्मा ग्रादेशों तक प्लेग निगरानी एकक, राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, बंगलौर में ग्रनु-संधान ग्रधिकारी (माइक्रोबायोलाजी) (सूक्ष्मजीव विज्ञानी) के पद पर ग्रस्थायी ग्राधार पर नियुद्त किया है।

# दिनाँक 18 जुलाई 1977

सं० ए० 19019/52/77-(एन० टी० आई०)-प्रशासन-I— राष्ट्रपति ने परिवार कल्याण विभाग, नई दिल्ली के श्री हरदन सिंह, अन्वेषक को 30 मई, 1977 पूर्वाह्न से ग्रागामी श्रादेशों तक राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान, बंगलौर में सांख्यिकी विद् के पद पर तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया है।

> सूरज प्रकाश जिन्दल, उपनिदेशक, प्रशासन

# नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1977

सं० ए० 12026/8/77-डी०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक सहायक श्रौषधि नियंत्रक (भारत) के बम्बई स्थित कार्यालय में विरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक श्री सी० एस० चव्वाण को 13 जून, 1977 पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेशों तक केन्द्रीय श्रौषध मानक नियंत्रण संगठन, सान्ता-कुज हवाई पत्तन, बम्बई में तकनीकी श्रिधकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

> एस० एस० गोठोस्कर, श्रोपिध नियंत्रक (भारत), कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

कृषि श्रौर सिचाई मंत्रालय (ग्राम विकास विभाग) विपणन श्रौर निरीक्षणं निदेशालय (प्रधान शाखा कार्यालय)

नागपुर, दिनांक

1977

सं० फा० 3(13) 51/75-वि०-II—वित्त मंत्रालय (राजस्व मंडल), सीमाणुल्क श्रिधसूचना सं० 48 दिनांक 24 मई, 1954 ब्रारा प्रदत्त मक्तियों का उपयोग करते हुए मैं एतद्ब्रारा श्री एस० सुदाराव, विपणन ग्रिधिकारी को इस ग्रिधसूचना के जारी किए जाने की नारीख से दृढ़लोम, जिसका श्रेणीकरण दृढ़लोम श्रेणीकरण श्रीर चिह्नन (संशोधन) नियम, 1975 के श्रनुसार किया जा चुका है तथा जिसका निर्यात उपरोक्त श्रिधसूचनाओं के उपबन्धों के श्रधीन हैं, के सम्बन्ध में श्रेणीकरण प्रमाण-पत्न जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूं ।

## दिनाँक 18 जून 1977

सं० फार० 2/8/76-वि०-II—ग्रिधसूचना सं० 125, 126, 127 दि० 15 सितम्बर, 1962 मं० 1131, 1132 दिनांक 7 श्रगस्त, 1965 सं 2907, दिनांक 5 मार्च, 1971 सं , 3601-क, 3001-ख, 3601-ग, दिनांक 1 ग्राक्तूबर, 1971 सं० 3102, **बि०** 3 नवस्बर, 1973 सं० 1133, 1134, 1135 दि० 7 भ्रगस्त, 1965 मं० 448 दि० 14 मार्च, 1964 सं० 1130 दि० 7 ग्रगस्त, 1965 ग्रीर भारत के राजपत्न में प्रकाशित हर्या भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग), विदेश व्यापार मंत्रालय, वाणिज्य मंत्रालय की श्रधिसूचनाश्रों के लिए में एतद्-द्वारा निस्तलिखित श्रधिकारियों को इस श्रधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से काली मिर्च, मिर्च, इलायची, श्रदरक, हर्ल्दा, धनिया, सोंफ, मेथी, सेलरी बीज, जीरा, प्याज, लहसून, दाल, खाने के आलू और तेन्दू के पत्ते जिनका श्रेणीकरण कृषि उपज (श्रेणीकरण श्रीर चिह्नन) ग्रधिनियम, 1937 (1937 का I) केखण्ड 3 के श्रधीन सूत्रीकृत संबद्ध पण्यों के श्रेणीकरण श्रीर चिह्नन नियमों के उपबन्धों के ग्रन्सार किया जा चुका है, के सम्बन्ध में श्रेणीकरण प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूं।

- 1. श्री के० के० त्रिजयन, सह।यक विपणन श्रश्चिकारी ।
- 2. श्रीमती भ्रार० ललिता, वरिष्ठ निरीक्षक ।

जे० एस० उप्पल, कृषि विपणन सलाहकार

#### (प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद, दिनांक 13 जुलाई 1977

सं० फा० 4-6(123)/77-प्र०-III—श्री एस० एन० उपाध्याय, वरिष्ठ निरीक्षक को विषणन एवं निरीक्षण निदेणालय, कलकत्ता में दिनांक 20 जून, 1977 (पूर्वाह्न) मे ग्रगले श्रादेश होने तक स्थानापन्त रूप में सहायक विषणन श्रक्षिकारी (वर्ग II) नियुक्त किया गया है ।

> वीं० पीं० चावला, निदेशक, प्रशासन, कृ**ते** कृषि विपणन सलाहकार

# परमाणु ऊर्जा विभाग भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400 008, दिनांक 20 जुलाई 1977

संदर्भ : भाषाप/स्था/1/चि०-33/3974—भारी पानी परि-योजनायों के विणेष कार्य-प्रधिकारी, भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र के अस्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा भारी पानी परियोजना (कोटा) के स्थानापन्न सहायक लेखापाल श्री दत्तान्नेय श्रीराम चिने को उसी परियोजना में 2 मई, 1977 (पूर्वान्न) से 2 जुलाई, 1977 (श्रपरान्न) तक के लिए श्री सिदल्याली, सहायक लेखा अधिकारी, जो छुट्टी पर गए हैं, के स्थान पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से महायक लेखा श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

> टी० सी० सत्यकीर्ति, वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

### रिऐक्टर श्रनुसंधान केन्द्र

कलपक्कम-603102, दिनांक 1 जून 1977

सं० ए० 32013/3/76/प्रार०-9497—रिऐक्टर प्रनुमंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, इस केन्द्र के निम्नलिखित प्रस्थायी कर्मचारियों को 1 फरवरी, 1977 के पूर्वाह्म से अगले प्रादेश तक के लिए उसी केन्द्र में 650-30-740; 35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में प्रस्थायी रूप से बैज्ञानिक प्रधिकारी ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं:—

ा. श्री एस० कृष्णामूर्ी	र्ति .	नक्षानवी	स 'सी'	
2. श्री के० ग्वीन्द्रन .	•	वैज्ञानिक	महायक	'सी'
3. श्री वी० निर्मल गां	ांधी .	वैज्ञानिक	सहायक 'बी	i, ,

के० शंकरनार।यणन, वरिष्ठ प्रशासन ग्रधिकारी, कृते परियोजना, निदेशक, रिऐक्टर श्रनुसंधान केन्द्र

#### श्रन्तरिक्ष विभाग

#### विक्रम साराभाई ग्रन्तरिक्ष केन्द्र

विवेन्द्रम-695022, दिनांक 28 जुन 1977

सं० वि० सा० ग्र० के०/स्था०/01-37—विक्रम साराभाई ग्रन्तिरक्ष केन्द्र के निदेशक, निम्नलिखित ग्रिधिकारियों को ग्रन्तिरक्ष विभाग के विक्रम साराभाई ग्रन्तिरक्ष केन्द्र में वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० के० पद पर उनके नामों के सामने दी गई तारीखों के पूर्वाह्न से श्रागामी ग्रादेश तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं:

ऋम संख्या	नाम		 <u> </u>	वारीख
(1)	(2)		 (3)	(4)
ा. श्री ए० के ब	० चट्टोपाध्याय	,	. वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-1-1976
2. श्रीश्रालोक	<b>त्र बनर्जी</b>		. वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-1-1976
3. श्रीविष्णुरि	बेहारीलाल		यैज्ञानिक/इजीनियर एस० बी०	1-1-1976
			 	— .—_ <del>-</del>

1 2	3	4
4. श्री पी० सी० थोमस	यैज्ञानिक/इजीनियर एस० बी०	1-1-1976
<ol> <li>श्री टी० एन० त्रिजयगोपालन नायर</li> </ol>	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-1-1976
<ol> <li>श्री पी० ग्रार्० पार्थमारथी</li> </ol>	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-1-1976
<ol> <li>श्री सुभाष भगवत</li> </ol>	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-1-1976
8. श्री कें० सरेसन	<b>बै</b> ज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-1-1976
9. श्री एन० चोकलिंगम	वैज्ञानिक∕इंजीनियर एस० बी०	1-1-1976
10. श्री थोमस मैध्यू	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-1-1976
11. श्री एम० शशिधरण नायर	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-1-1976
12. श्री के० जी० रामचन् <b>द्र</b> न	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-1-1976
1 3. श्री श्रार० क्रष्णकुमार	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-1-1976
। 4. श्री एम० वाई० मत्यनारायण प्रसाद	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-1-1976
15. श्री एन० श्रजीत	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-1-1976
16. श्री रामकृष्ण कुमार	<b>वैज्ञा</b> निक/इंजीनियर एस० <b>बी०</b>	1-1-1976
17. श्री सईद महमूद	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-1-1976
18. श्री के० एन० बालासुब्रहमणयन	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-1-1976
19. श्री एस० बेलायुद्धन नायर	वैज्ञानिक इंजीनियर एस० बी०	1-1-1976
20. श्री एस० स्वामीनाथन	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-1-1976
2.1. श्रीश्रानन्द मल एम० गुलैचा	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-1-1976
2.2. श्री म्रार० राधाकृष्णा पिल्लै	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० <b>बी</b> ०	4-2-1976
2 3. श्री एन० गोपालकृष्णन	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-3-1976
2.4. श्री श्रार० राजाचन्द्रा	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	29-3-1976
25. श्री एम० पद्मकुमार	<b>वैज्ञा</b> निक इंजीनियर एस० बी०	1-7-1976
2.6. श्रीयू०पी० प्रकाश	वैज्ञानिक इंजीनियर एस० बी०	1-9-1976
27. श्री के० उन्नीकृष्णन	<b>वैज्ञा</b> निक/इंजीनियर एस० बी <b>०</b>	15-9-1976
28. श्री देव कुमार चौधरी	वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० बी०	1-1-1977

राजन वी० जार्ज प्रशासन ग्रधिकारी II (स्थापना) **कृते** निदेशक

# पर्यटन श्रौर नागर विमानन मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग नई दिल्ली-3, दिनांक 16 जुलाई 1977

सं० ई (1) 01008---वैधयालाभ्रों के महानिदेशक, निम्नलिखित व्यावसायिक सहायकों को स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर निम्नलिखित रूप में नियुक्त करते हैं :---

कम ————	श्रवधि			जिस कार्यालय में तैनात किए गए हैं	
संख्या	नाम	<del></del>	 तक		
1. श्री एन० वी	• परमेश्वरन	4-6-77	31-8-77		
2. श्री जी० एस	> प्रकाणराव	16-6-77	19-8-77	वेधशालाश्रों के उप-महानिदेशक का कार्यालय	
3. श्री फ्रार० बी	० केलकर	16-6-77	19-8-77		
4. श्री एस० के०	दास	6-5-77	2-8-77	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली ।	
5. श्रीए० के० मे	भेहरा	1-6-77	28-8-77	•	
6. श्रीबी० शंक <sup>ः</sup>	रैया	16-6-77	31-8-77	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नागपुर ।	
7. श्री के० नरसि	ा <b>ह</b> मृति	18-6-77	19-8-77	्रिनिदेणक, कृषि मौसम विज्ञान, पुणे ।	
8. श्री एस० वेंक		16-6-77	19-8-77	}	
9.श्रीए०एन०	राव	16-6-77	19-8-77	निदेशक (उपकरण) पुणे ।	

सं० ई० (1) 05859—विधणालाग्रों के महानिदेणक, निदेणक, (उपकरण) पुणे के कार्यालय, भारत मौसम विज्ञान विभाग में व्यावसायिक महायक श्री के० जयरामन को 9 मई, 1977 के पूर्वीह्न से श्रागामी श्रादेश तक भारत मौसम सेवा, ग्रुप-बी (केन्द्रीय सिविल सेवा, ग्रुप-बी) में सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर स्थान। पन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री जयरामन, निदेशक (उपकरण) पुणे के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे ।

# दिनांक 20 जुलाई 1977

सं० ई (1)06560---विधशालाग्रों के महानिदेशक, वेधशालाग्रों के महानिदेशक के नई दिल्ली के मुख्य कार्यालय के व्यावसायिक सहायक श्री एच० सी० मेहरा को 5-7-77 के पूर्वाह्न से 31-8-77 तक ग्रट्ठावन दिन की ग्रवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री मेहरा स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वेधणालाश्रों के महानिदेशक के नई दिल्ली के मुख्य कार्यालय में ही तैनात रहेंगे एस० श्रार० एन० मणियन मौसम विज्ञानी फूते वेधणालाश्रों के महानिदेशक

# महानिदेशक भ्रौर नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 4 जुलाई 1977

सं० ए० 32013/6/76-ई० ए.स० (i)—-राष्ट्रपित ने निम्निलिखित प्रधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से 28-2-1977 तक तदर्थ प्राधार पर विमान निरीक्षक के पद पर तैनात किया है।

<del></del>	( नाम	नियुक्ति की	तैनाती स्टेशन
संव		तारीख	
	सर्वश्री		
1.	म्रनुपम बाग्नची	23-12-76	क्षेत्रीय निदेणक का कार्यालय, दिल्ली ।
2.	म्रार० सी० गुप्ता	29-12-76	निरीक्षण कार्यालय, हैदराबाद
3.	एम० मजूमदार	28-12-76	क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय,
			कलकत्ता ।
4.	एच० एम० फूल	3-1-77	क्षेत्रीय निदेशक का कार्या-
			लय, कलकत्ता ।
5.	एल० ए० महालि	ग्म 30-12-76	6 निरीक्षण कार्यालय, <mark>बंगलोर</mark>
6.	ए० के० राय	31-1-77	क्षेत्रीय निदेशक का कार्या-
		(भ्रपराह्म)	लय, मद्रास ।
7.	एस० पी० सिंह्	28-12-76	क्षेस्रीय निदेशक का कार्या-
			लय, बम्बई ।
8.	डी० पी० घोष	23-12-76	क्षेत्रीय निदेशक का कार्या-
			लय, दिल्ली ।
9.	एम० मुह्तफा	29-12-76	क्षेद्गीय निदेशक का कार्या-
			लय, बम्बई ।

सं० ए० 32013/6/76-ई० एस० (ii)——राष्ट्रपति ने निम्नलिखित श्रिधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से 28-2-1977 तक तदर्थ श्राधार पर वरिष्ठ विमान निरीक्षक के पद पर तैनात किया है:——

ऋम नाम सं०	नियुक्ति की तारीख	तैनाती स्टेणन
सर्वश्री		

- एस० एल० श्री- 27-1-77 निरीक्षण कार्यालय, पटना वास्तव
- 2. फिलिपि में ध्यू 31-1-77 क्षेत्रीय निदेशक का कार्या-(ग्रपराह्म) लय, मद्रास।

### दिनांक 12 जुलाई 1977

सं० ए० 12025/6/77-ई० एस०---संघ लोक सेवा श्रायोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति ने श्री एच० एस० खोला को 29 अप्रैल, 1977 (पूर्वाह्न) से उपनिदेशक विमान सुरक्षा (इंजीनियरी)/ क्षेत्रीय नियंत्रक विमान सुरक्षा (इंजीनियरी) के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली के कार्यालय में क्षेत्रीय नियंत्रक विमान सुरक्षा (इंजीनियरी) के रूप में तैनात किया है।

## दिनांक 13 जुलाई 1977

सं० ए०-40012/3/76-ई० एस०---राष्ट्रपति ने मूल नियम 56 (जे) के ग्रधीन क्षेत्रीय निदेशक, बम्बई के कार्यालय के श्री ए० के० बैनर्जी, विमान निरीक्षक को 2 श्रप्रैल, 1977 ग्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत कर दिया है।

# दिनांक 16 जुलाई 1977

सं०ए० 12025/7/75-ई० एस०—राष्ट्रपति ने संघ लोक सेवा श्रायोग की सिफारिश पर निम्नलिखित श्रधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से श्रन्य श्रादेश होने तक नागर विमानन विभाग में स्थानापन्न रूप में विमान निरीक्षिक के पद पर नियुक्त किया है :—

क्रम नाम सं०	नियुक्ति की तारीख	तैनाती स्टेशन
सर्वश्री		
1. सुखवींद्र सिंह नात	17-6-77	क्षेस्रीय निदेशक का कार्या- लय, दिल्ली
<ol> <li>सूरज प्रकाश सेन गुप्ता</li> </ol>	28-6-77	क्षेत्रीय निदेशक का कार्या- लय, बम्बई।

वी० वी० जौहरी सहायक निदेशक प्रशासन

### नई दिल्ली, दिनांक 20 श्रप्रैल 1977

सं० ए०-32014/1/76-ई० सी०--महानिदेशक नागर विमानन से निम्नलिखित दो महायकों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से श्रन्य श्रादेश होने तक नियमित श्राधार पर सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है श्रीर उन्हें उनके नामों के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है:--

क्रम सं०	नाम	नियुक्ति की तारीख	नैनाती स्टेशन
	 ार्वश्री प्रदोक्यम	21-3-77 (पुर्वाह्न)	वैमानिक संघार स्टेशन, कलकत्ता !
2. ए दा	० एस० कट- रे	30-3-77 (पुर्वाह्म)	वैमानिक संचार स्टेणन, लखनऊ।

### दिगांक 7 जुलाई 1977

सं० ए० 32013/11/76-ई० सी०---राष्ट्रपति ने क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली क्षेत्र, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री एम० के० महेश्वरी, संचार श्रिश्वकारी को 21 जून, 1977 (पुर्वाह्म) से श्रन्य श्रादेश होने तक वरिष्ठ संचार ग्रिधकारी के ग्रेड में नियंक्ति श्राधार पर नियंमित किया है श्रीर उन्हें महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय, रामकुष्णपुरम, नई दिल्ली में तैनात किया है।

# दिनांक 15 जुलाई 1977

सं० ए० 32013/17/76-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री एस० के० दास, सहायक निदेशक संचार (मुख्यालय) नागर विमानन विभाग को 29-6-77 (पुर्वाल्ल) से 30 श्रप्रैल, 1978 तक या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, क्षेत्रीय नियंत्रक संचार के पद पर नदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है और उन्हें कलकत्ता एयरपोर्ट दमदम, कलकत्ता-52 में तैनात किया है।

पी० सी० जैन, सहायक निदेशक प्रशासन

#### विदेश संचार सेवा

# बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1977

सं० 1/359/77-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा स्विचिंग समूह, बम्बई के स्थानापन्न तकनीकी सहायक, श्री वी० एस० एने० मूनि को श्रत्पकालिक रिक्त स्थान पर 6-5-77 से 10-6-77 (दोनों दिन समेत) तक की श्रवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से महायक श्रीभयंता नियुक्त करते हैं।

पा० कि० गो० नायर, उपनिदेशक (प्रशासन) इस्ते महानिदेशक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, इलाहाबाद, दिनांक 4 जुलाई 1977

सं० 21 | 1977—केन्द्रीय उत्पादन मुल्क के स्थायी निरीक्षक (चयन ग्रष्ट) श्री आर०सी० मलहौता, जो साँख्यिकी और आसूचना माखा, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर तैनात हैं, इस कार्यालय के पृष्ठांकन पत्र संख्या-II (3) | 93-स्थापना | 77 | 6838, दिनांक 11-3-1977 के अन्तर्गत जारी किए गए स्थापना ग्रादेश संख्या 52 | 1977 दिनांक 11-3-1977 के प्रनुसार भौर इस कार्यालय के पृष्ठांकन पत्र संख्या-II (3) | 93-स्थापना | 77 | 8102 दिनांक 1-4-1977 के प्रन्तर्गत जारी किए गए समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क इलाहाबाद का बाद में संशोधित स्थापना ग्रादेश संख्या 81 | 1977 दिनांक 31-3-1977 के प्रनुसार ग्रगला भादेश होने तक रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-10-1200 के वेननमान में स्थानापन्न ग्राधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' के रूप में नियुक्त किए गए थे। श्री मलहोत्रा ने समेकित मण्डल कार्यालय, लखनऊ में ग्राधीक्षक वर्ग 'ख' के कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

के एम दलीप मिह जी, समाहर्ता

समाहर्तालय केन्दीय उत्पाद शुल्क, नागपुर,दिनांक 13 जुलाई, 1977

सं० 11:—नागपुर समाहतक्षित्र के सहायक समाहर्ता (छुट्टी अवकाण) श्री एम० एल० तिवारी ने, जो पिछले दिनों सहायक समाहर्ता नागपुर का कार्यभार संभाल रहे थे, सहायक समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद-णुल्क ग्वालियर प्रभाग का कार्यभार 25 अप्रैल, 1977 पूर्वाह्म से संभाल रहे हैं।

सं० 12:— श्री बी० एल० गाँजापुरे ने, उनका तैनात के कारण, सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद णुल्क प्रभाग 2 नागपुर का कार्यभार दिनांक 28 अप्रैल, 1977 की पूर्वाह्य से संभाल रहे हैं।

सं० 13:—श्री एच० एस० बांड जो पिछले दिनों सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग भोपाल का कार्याखय संभाल रहे थे, उनका स्थानांतरण होने पर सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पा-दन शुल्क ग्वालियर का कार्यभार दिनांक 6-5-77 की श्रपराह्म से संभाल रहे हैं।

सं० 14—श्री एस० एल० तिबारी, जो पिछले दिनों सहायक समाहर्ता (छुट्टी श्रवकाश) समाहर्तालय नागपुर में तैनात थे, उनका स्थानान्तरण होने पर सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क भोपाल का कार्यभार दिनांक 9-5-77 की अपराह्म से संभाल रहे हैं।

सं० 15—श्री एन० एस० दीक्षित ने, जो पिछले दिनों सहायक समाहर्ता (लेखा परीक्षा) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता नागपुर का कार्यभार संभाल रहें थे, उनका स्थानान्तरण होने पर सहायक (छुट्टी श्रवकाश) समाहर्तालय नागपुर का कार्यभार दिनांक 31-5-77 को श्रवराह्न से संभाल रहें हैं।

> मनजीत सिंह, बिन्द्रा समाहर्ती

# (सीमा णुल्क/मिब्बंदी)

### मद्रास-1, दिनाँक 11 जुलाई 1977

सं० 9/77—श्री श्रीनिवास एग्यंगार, श्रार कृष्णामाचारी, टि० एल० कृष्णमूर्ति, के० वि० वरदन श्रीर जे०, ए० तंगस्य। श्रीर सोनाधिर मद्राम सीमाणुल्क घर के वरिष्ठ ग्रेड निवारण श्रिधिकारी 2-5-77 श्रपराह्म श्रीर 1-7-77 पूर्वाह्म से ऋमणः श्रमणा श्रादेश मिलने तक मीमा गुल्क घर के ग्रधीक्षक पद में स्थानापन्न कृप से पदोन्नत हुए हैं।

# यिनांक 16 जुलाई 1977

सं० 10/77—श्री पी० बालसुन्दरम परीक्षक (श्रां० जी०) श्रीर श्री टी० मोविन्दरवामी उप वर्ग्यालय अधीक्षक मद्राम सीमा-णुल्क घर, की पदोन्नित स्थानापन्न मृत्य निर्धारक के पद पर मद्राम सीमाशुक्त घर के आदेश सं० 113/77 ता० 2-5-77 श्रौर सं० 127/77 तारीख 7-5-77 के अनुसार की गयी। उन्होंने तारीख 2-5-77 श्रौर तारीख 7-5-77 के श्रपराह्न को अपने कार्य भार संभाल लिया।

सं० 11/77—श्री सी० एस० श्रीनिवासन, श्री श्रो० पी० पलगूनन श्रीर श्री एस० लक्षमणन, परीक्षक (एस० जी०) मद्रास सीमाणुल्क घर की पदोन्नित, स्थानापक्ष मूल्य निर्धारक के पद पर मद्रास सीमाणुल्क घर के श्रादेण सं० 128/77 तारीख 7-5-77, सं० 137/77 नारीख 16-5-77 श्रीर सं० 143/77 नारीख 24-5-77, के श्रनुसार की गयी । उच्होंने तारीख 7-5-77, 16-5-77 के अपराह्म और 25-5-77 के पूर्वाह्म को अपना कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० 8/77--श्री डी॰ बालसुबरमियम को 29 अप्रैल 1977 के पूर्वाह्म से प्रगले प्रादेश तक ग्रस्थ।ई रूप से सीमाणुल्क घर में सीधी भर्ती प्रप्रेंसर (बिगेषज्ञ) नियुक्त किया जाता है।

> एम० जी० वैद्या, सीमाशुल्क समाहर्ता,

## केन्द्रीय जल श्रायोग

# नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई 1977

मं० 19012 5.16/75-प्रशासन-पांच--ग्रध्यक्षा नेन्द्रीय जल श्रायोग श्रुपने प्रसाद से श्री नथ्थी सिंह, सहायक श्रनुसंधान श्रधिकारी (भौतिकी विज्ञान) केन्द्रीय जल श्रायोग का त्यागपत्र दिनांक 29 जून, 1977 (श्रपराह्म) से स्वीकृत करते हैं।

> वी० जी० मेनोन, ग्रवर मचिब **फ़**ते श्रध्यक्ष केन्द्रीय जल श्रायोग

पूर्वीत्तर गीमा रेलवे महाप्रबन्धक का कार्यालय

(कामिक णाखा)

पाँडू, दिनांक 8 जुलाई 1977

स० ई/55/JII/95-भाग II(0)--भंडार विभाग के एक अवर वेतनमान अधिकारी श्री आर० के० अवस्थी, को जो

इस समय अधर प्रशासनिक ग्रेड में स्थानापन्न रूप से काम कर रहे हैं, दिनांक 18-3-76 से प्रवर वेतनमान में स्थायी किया जाता है।

# कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई, 1977

मं० ई/ 55/ 91/भाग-III (ग्रंग)---निम्नलिखिन ग्रधिकारियों को परिचालन ग्रधीक्षक/महायक वाणिज्य ग्रधीक्षक के रूप में, उनके नाम के सामने दी गयी विश्विग्रों से द्वितीय श्रेणी में स्थायी किया जाता है।

<b></b>	श्रधिकारी का नाम	दिनांक जिससे स्थायी किया गया
	श्री जे० एम० चौधुरी श्री एस० एन० गांगुली	4-11-70 13-12-71
	श्री एस० सी० दे श्री ग्रार० पी० सेनगुप्ता	29-1-76 1-6-7 <b>6</b>

जी० एस० केसवानी, महाप्रबन्धक

# कलकत्ता, दिनांक 16 जुलाई 1977

सं० ए० सी० 190/एडमिनि०—श्री एस० के० बनर्जी को सिविल इंजीनियरी विभाग के संवर्ग के लिए श्रावंटित सहायक उप महा प्रवन्धक के श्रवर वेतनमान पद पर 2-5-77 से विशेष मामले के रूप में द्वितीय श्रेणी सेवा में स्थायी किया जाता है। प्राधिकार बोर्ड का पत्न सं० 77ई (जी० सी०) 1-8, दिनांक 2-5-77।

बी० सी० ए० पद्मनाभन, महा प्रबन्धक

# दिनांक 1 जुलाई 1977

सं० 9---उत्तर रेलवं यांत्रिक इंजीनियरिंग विभाग के निम्न-लिखित श्रिधिकारी रेल सेवा में ग्रांतिम रूप से उनके सामने दी गई तिथि से निवृत हो गये हैं:---

- 1. श्री श्रनूप सिंह, सहायक निर्माण प्रबन्धक श्रमृतसर— 30-4-77 ।
- 2. श्री भगत सिंह, सहायक यांत्रिक प्रिभयन्ता प० का०— 30-6-77 ।
- 3. श्री एच० एस० चौधरी, मंडल यांत्रिक श्रिभयन्ता मुरादाबाद— 30-6-77 ।
- 4. श्री एस० एल० श्रीवास्तव, निर्माण प्रबन्धक, चारवाग लखनऊ--30-6-77 ।

अ० एल० कोहली, महाप्रबंधक

विधि, न्याय श्रीर कम्पनी कार्य मंझालय कम्पनी कार्य विभाग (कम्पनी विधि बोर्ड) कम्पनी रजिस्ट्रार

श्रहमदाबाद, दिनांक 12 जुलाई 1977

सं०/1651/लीक्वीडेशन कम्पनी श्रिधनियम 1956 की धारा 445(ई) के श्रिधीन सूचना मैसर्स शीतले बेयरेजीस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कम्पनी श्ररजी नं० 66/1976 में श्रहमदाबाद स्थित उच्च न्यायासय के तारीख 7-3-1977 के श्रादेश द्वारा मैसर्स शीतले बेवरेजीस प्राइवेट लिमिटेड का परिसमाप का श्रादेश दिया गया है।

> जें० गो० गाया, प्रमंडल पंजीयक, गुजरात, अहमदाबाद

कम्पनी श्रधिनियम 1956 धीर पंजाब, हिमाचल प्रदेश श्रौर काणमीर पाइप डीलर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में :---चन्डीगढ़, दिनांक 14 जुलाई 1977

सं० जी ०/स्टेटीकल/ 560/2376—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि पंजाब, हिमाचल प्रदेश एण्ड काशमीर पाइप डीलर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम ख्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रौर जनरल फाईनेंस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में :---

# दिनांक 15 जुलाई 1977

सं० जी०स्टेट/560/2778/—कम्पनी श्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि जनरल फाईनेंस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> सत्य प्रकाश तायला, कंपनियों का रजिस्ट्रार पंजाब, हिमाचल-प्रदेश श्रौर चन्डीगढ

नई दिल्ली-110001, दिनाँक जुलाई 1977

मैससं नार्दन इण्डिया लैण्ड एण्ड फाइनेन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में, कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के ब्रन्तर्गत नोटिस ।

माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली के दिनांक 1-12-1975 के ब्रादेश से मैसर्स नार्दन इण्डिया लैण्ड एण्ड फाइनेन्स प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापित होना, ब्रादेशित हुम्बा है।

> भार० के० भ्ररोड़ा सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार दिल्ली एवं हरियाणा

सं० 3984/लीक्वी ०/सी ०एल ०ए०/सेक० 560/टी ०ए०/77 यतः दिनस्यदी लिमिटेड (इन लिकुडेशन) 101, पुरसवाक्कम हैरोड, मद्रास (इन लिकुडिशन) जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय झुमरी तिलेया, हजारीबाग, कोडरमा में है, का समापन किया जा रहा है। और यतः श्रधोहस्ताक्षरित यह विण्वास करने का युक्ति-युक्त हेतुक रखता है कि कोई अमापक द्वारा कार्य नहीं कर रहा है और यह कि लेखा विश्वरणियों से समापक द्वारा कार्य नहीं कर रहा है और यह कि लेखा विश्वरणियों से समापक द्वारा कार्य नहीं कर रहा है अपेश्वत है, यह क्रमवयता मास के लिए नहीं हो गई है, श्रतः जब कम्पनी श्रधिनियम 1956 (1956 का) की धारा 560 की की उपधारा (4) के उपबंधों के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के श्रवसान पर दिनस्यदी लिमिटेड (इन लिकुडेशन) का नाम यदि इसके प्रतिकृत हेतुक दिशत नहीं किया जातः है तो, रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ह्० अपठनीय कम्पनी रजिस्ट्रार मद्रास कार्यालय श्रायकर श्रायुक्त,

कार्यालय, आयकर आयुक्त

इलाहाबाद, दिनांक 26 मई 1977

आंध्र

श्रधिकार क्षेत्र--श्रायकर मधिनियम, 1961 की धारा 124(1) श्रौर (2) श्रायकर सर्वित की रचना।

सं० 81(सी) संत्मा०--|गाजी|नक|77-78---इस म्रादेश के द्वारा 'म्रायकर कार्यालय' गाजीपुर' के नाम से एक नये म्रायकर सर्किल की रचना दिनांक 1-6-1977 से की जाती हैं।

### दिनांक 4 मई 1977

प्रायकर अधिनियम, 1961—धारा 123(1) श्रौर (2) श्रायकर श्रायुक्त इलाहाबाद के कार्य क्षेत्र के निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्तों के श्रिधिकार क्षेत्र —

सं० 284 | तक | अ० आ० | अधि० क्षेत्र | 77-78 — आयकर आधि-नियम, 1961 की धारा 123 की उप-धारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त मिन्तियों के प्रयोग करते हुए और इस विषय -से सम्बन्धित सभी पिछले आदेशों को रह करते हुए, मैं आयकर आयुक्त, इलाहांबाद इस अधिसूचना के द्वारा निदेश देता हूं कि इसके साथ संलग्न अनुसूची के कालम 2 में विनिर्दिष्ट रेंजों में तैनात आयकर के निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त दिनांक 9-5-1977 से उक्त अनुसूची के सम्बन्धित कालम 3 में विनिर्दिष्ट आयकर सिकलों में शामिल क्षेत्रों के सभी व्यक्तियों और सभी श्रेणियों के व्यक्तियों तथा नभी आयों और आय की श्रेणियों के सम्बन्ध में अपना कार्य करेंगे।

	ग्र <b>नु</b> सूची		1 2	3
			2. गोरखपुर	1. गोरखपुर
——– क्रम	ਰਿਨ ਸਨ ਬਾਨ ਸਾਨ ਐਰ	क्षेत्र में ग्राने वाले		2. बस्ती
ল (এত প্ৰত আহে আহে বাবে	व्यक्तियों की संख्या		3. गोंडा	
		ज्यानराया यस सख्या		4. बहराइच
				5. श्राजमगढ़
1	2	3		7. बलिया
	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·			7. देवरिया
1. इल	गहाबाद ।	. इलाहाबाद	<ol> <li>वाराणसी</li> </ol>	1. वाराणसी
	2	८ मुल्तानपुर		2. मिरजापुर
	3	३. फैजाबाद		₃. जौनपुर <sup>*</sup>

प्रकप माई० टी० एन० एस०--

मायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर मामुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 15 जुलाई 1977

निदेश पं० 610/एक्वी०/मेरठ/76-77/2115---श्रतः, मुझे, श्रार० पी० भार्गव,

धायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ध्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ध्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, मेरठ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 के 15) के अधीन, नारीख 1-11-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोव्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिभात से भ्रधिक है भीर मन्तरिक से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिभात से भ्रधिक है भीर मन्तरिक (अन्तरकां) भार अन्तरिक्षी (अन्तरितयों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त शिधिनियम, के शिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे गचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किती धन या धन्य ब्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर ब्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत ब्रधिनियम, या धन-कर ब्रिधिनियम, 1957 (195? का 27) के प्रयोजनार्थ ब्रन्सिरिटी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: धव, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अमुसरण में, में, अन्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती उरवेण लधैनी पत्नी मुसदी लाल लहौनी निवासी 18 मिसन कम्पाउण्ड मेरठ।

(अन्तरक)

(2) श्री जोग धियां साहनी पुत्र श्री देवदत्त मल निवासी 114 थापर नगर मेर्ट सिटी ।

( ग्रन्तरिती )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति जिसका नं ० 114 है जो कि थापर नगर मेरेठ में स्थित है ६० 68,000/- में बेची गयी ।

आर॰ पी॰ भार्गव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन¦रेंज, कानपुर

तारीखः : 15 जुलाई 1977।

प्रस्प प्राई० टी० एन० एस०---

द्यायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवस (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 जुलाई, 1977

निदेश सं० 847/ग्रर्जन/ग्रागरा/77-78, — श्रतः मुझे, श्रार० पी० भागव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ ६० से ग्रिधिक है

स्रौर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, श्रागरा में, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 8-12-76 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) आर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाधत, 'उक्त अधिनियम' के अग्रीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियस, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रधिनियस' या धन-कर भ्रधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं; उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—— (1) श्रीमती सरला देवी पत्नी श्री रघुबीर प्रसाद अग्रवाल निवासी 3-21 ए सिविल लाइन्स, ग्रागरा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती लज्जावती पत्नी श्री श्रर्जुन लाल, गीता देवी पत्नी श्री विशन, श्रीमती सुषमा पत्नी श्री भगवान ग्रीर ग्रोम प्रकाश पुत्र ग्रर्जुन लाल निवासी नाला भैंख, वेलनगंज ग्रागरा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उबत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गट्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनयम', के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दियागया है।

#### अनु सुखी

श्रचल सम्पत्ति कोठी नं० 3/21ए, ष्लाट नं०12, नगर महापालिका, श्रागरा सिविल लाइन्स, श्रागरा में स्थित 48000/— के विकय मूल्य में बेची गई ।

ग्रार० पी० भार्गव, सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 15 जुलाई, 1977

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 15 जुलाई, 1977

निदेश सं० 93/म्रर्जन/नापुर/77-78/2119:---म्रतः, मुझे, म्रार० पी० भागव,

द्यायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो
में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नाफुर में, रजिस्ट्रीकरण
श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख
13-12-76 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से घिषक है घौर प्रन्तरक (धन्तरकों) घौर घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठ-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिम्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, द्विपाने में सुविधा के लिए;

मतः भव, उक्त भिक्षितियम की धारा 269ग के भनुसरण में, मैं उक्त भिक्षितियम की धारा 269 च की उपधारा (1)के भिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः ---

- (1) श्री गुरदीप सिंह पुत्र हजारा सिंह, श्रौर मलगार सिंह, पुत्र सन्त सिंह निवासी सककलापुर पोस्ट–सरसक परगना सुलतानपुर त० नाकुर जिला सहारनपुर । (श्रन्तरक)
- (2) श्री केहर सिंह पुत्र श्रर्जुन सिंह, सुख्खा सिंह पुत्र श्रीतम सिंह श्रीर मान सिंह पुत्र हजूर सिंह नि० सककलापुर परंगना सुलतानपुर तहसील नाकुर, जिला—सहारन-पुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पर्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पक्षों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही शर्थ होगा को उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति कृषि भूमि ग्राम सक्षकलापुर परगना सुलतानपुर तहसील नरकुर जिला सहारनपुर में स्थित 45000 में विकृय मूल्य में बेची गयी।

> म्रार० पी० भार्गव, सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 15 जुलाई, 1977।

प्र≛प आई०टी०एस० ए४०-------

श्रायकर <mark>स्रधिनियम, 1</mark>961 (1961 का 43) की धारा 269**घ** (1) के सुधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, महायक शायकर गाय्क्त (निरीक्षण)

**ग्र**जन रोज, कलपूर

कानपुर, दिनांक 19 ज्लाई, 1977

निदेण मं० 50/एक्बी०/मेरठ/77-78/2116—---थ्रनः, मुझे, ग्रार० पी० भार्गम,

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका जिल्ला बाजार मृत्य 25,000/- २० से अधिक है

श्रीर जिसकीं सं० है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबत अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 6-1-77

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधि है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निधिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई फिसी ग्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी औ करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख्) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायक्षर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिर्ता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में मृथिधा के लिए;

श्रत: ग्रब, उस्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीत निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत् .---3---186GI/77 (1) श्री भवानी प्रभाद पुत्र गौरी सहाय निवासी, पटेलसगर थापर नगर गली नं ० ७ मेर्ठ मौजूदा नं ० हजारी प्रांक 288 बलेमेस्ट स्ट्रीट मेरठ और श्री मदन पोहर पुत्र लाला गोमती प्रसाद गुप्ता 236 पटेल नगर थापर नगर मेरठ।

(अन् (स्वः)

(2) श्री सङ्ग जाल पुत्र भगवान दान निषामी बीम्कुआं मेरठ श्रीर सरवत कुमार पुत्र श्री बद्रीन थ 285, थापर नगर मेरठ सिटी। (अन्तरिती)

को यह सुना नारी हरक पूर्वीका पालि हे स्रर्जन है लिए कार्थयाहियां करता हू।

उक्त संपत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, वे भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख़ से 45 दिल के भीतर उक्त नथावर संपत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में विष् जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:-इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसर्चा

श्रचल सम्पत्ति मकान तथा माथ में जमीन जो कि गली नं ० 7 थापर नगर मेरठ में स्थित है विक्रय मूल्य क० 80000/- में बेची गयी।

> श्रार० पी० भागंव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायक<sup>ः</sup> श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज, कानपुर

नारीख: 19-7-77

प्ररूप ग्राई० टी०एन०एस०———— आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

**ग्र**र्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 जुलाई 1977

निदेश सं० 91-ए/म्र्जन/देहरादून/77-78/2117:— म्रतः, मुझे, म्रार०पी० भागव,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 14-12-76 को

14-12-76 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह
प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं कियागया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियागया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्मात् :--- (1) श्री जवंडा मल भूसरे पुत्र श्री मोहन लाल भूसरे 16, सरकुलर रोड़, देहरादून ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुभाष चन्द्र पुत्र विशन दास 12, डिस्पेन्सरी रोड, देहरादून ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राधीप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की श्रवधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविष्ठ, जो भी श्रविष्ठ बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इस में प्रयुक्त मब्दों का, जो श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43)के श्रध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं भर्षे होगा, जो उस श्रध्याय में दिया है।

#### अनुसूची

श्रवल सम्पत्ति नं० 16 सर्कुलर रोड़, देहरादून में स्थित 32,000/- के विक्रय मृल्य में बेची गयी।

> श्चार० पी ० भागंव सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजंन रेंज, कानपुर

तारीख: 18 जुलाई, 1977

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 19 जुलाई, 1977

निदेश सं० 89-ए/ग्रर्जन/देहरादुन/77-78/2128:-- ग्रतः, मुझे, फ्रार० पी० भार्गव, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके

पश्चात 'उन्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ब्रधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६०

से अधिक है

है तथा जो भ्रौर जिसकी सं० में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 14-12-76

पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित को बाजार कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है भौर भन्तरक (मन्तरकों) मौर मन्तरिती (भन्त-रतियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक उप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उबत ग्रध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; थौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रम्थ प्रास्तियों को. जिन्हें भारतीय मायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भक्षिनियम या धन-कर ग्रिध-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना माहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

मतः घन, उन्त अधिनियम की धारा 269ग के प्रनुसरण में, में, उक्स प्रश्विनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री जवंडामल भूमरे पूस मोहन लाल भूसरे 16, सर्कुलर रोड़, देहरादून ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विशन दास पुन्न तुलसी दास 12, डिस्पेंन्सरी देहरादुन ।

(भ्रन्तरिती)

को यहसूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाद्यियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पच्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उक्त भधिनियम, के भध्याय 20-क में परिभाषित, है, वही धर्व होगा जो उस घ्रष्ट्याय में दिया गया है।

# भ्रनुसूची

श्रचल सम्पत्ति नं० 16 सर्कुलर रोड़, देहरादून का भाग 17000-रु० के विक्रय मृत्य पर बेची गयी।

> श्रार० पी० भार्गव, सक्षम अधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 19 जुलाई, 1977

### प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 जुलाई 1977

निदेश सं० एक्वी०/कन्नोज/77-78/2126:—→ ग्रतः, मुझे. ग्रार०पी० भार्गव,

श्रार० पा० भागव,
आयकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के श्रधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से श्रधिक है
और जिसकी सं० है तथा जो
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत
है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कन्नौज में, रजिस्ट्रीकरण
श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं ग्रीधिक है और अन्तरका (अन्तरकों) भीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के भ्रधीन कर देते के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, किपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: अब, उत्तत ग्रधितियम की धारा 269 ग क अनुनरफ में, मैं, उक्त ग्रधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:-- (1) श्री बाबूराम पुत्र नेकराम निवासी ग्राम बेहरा. परगना तिरखा तहसील कन्नौज सो० थाथिया. जिला फर्रुखा-बाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राम सिंह, शिव सिंह, नेपाल सिंह (वयस्क) ग्रौर विनोद सिंह, श्रवयस्क पुत्र राम किशन ग्रौर श्रीमती सावित्री स्त्री बाबूराम निवासी बेहरा पो० थाथिया जिला फर्रुखावाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ब्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी ग्रविध बाद
  में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से
  किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रिधिः नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

श्रवल सम्पत्ति जिसमें खेती की भूमि जिसका खाता नं । 130 व माप 4.18 एकड़ है श्रीर जो ग्राम बेहरा परगना तिरवा नहसील कञ्जीज जिला फर्मखाबाद में स्थित है 32000/-रुपये में बेची गरी।

> श्चार० पी० भागंव, स**क्षम प्राधिकारी,** सहायक **श्रायकर श्चामुक्त (निरीक्षण),** ग्रर्जन रोंन, कानपुर),

নাণীয়া : 20 স্পরে, 1977

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

**ग्रजन रेंज-1** मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1977

निदेश सं० 11/नवम्बर/76–77:—यतः मुझे, एस० राजरत्नम ,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घं के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 66 है, जो बीग स्ट्रीट तिच्वन्नामलें में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, तिख्वन्नामलें (पत्न मं० 1370/76) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 4-11-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उचत श्रिधिनियम, के भ्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269ग के ग्रनुसरण में, में, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:--- (1) श्री बी० दुरैमामी रेड्डीयार।

(平平下五)

(2) श्री ए० चेगनमल सोकार।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संग्रीत के गर्जन व लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी याक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तार्राख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की कारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदां का, जो 'उक्त श्रधिनियम' के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

तिरुवन्नामले बीग स्ट्रीट, डोर सं० 66 (टी० एस० 1167/1, वार्ड I, ब्लाक 19) में मकान की उपर भाग I

्रस० राजारत्नम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास ।

नारीख : 12 जुलाई, 1977

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

### 269 घ (1) के प्रधीन सूपना

भारत सरकार

# कार्वालय, सङ्घायक धायकर धायुक्त (निरीशक)

ग्रर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1977

निदेश सं० 12/नवम्बर/76-77:--यतः, मुझे, एस० राजारतम्,

द्यायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से श्रिधक है

श्रौर जिसकी सं० ब्लाक सं० 19, वार्ड I, तिरुवन्नामले है, जो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्भूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, तिवन्ना-मले (पन्न सं० 137/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 4-11-1976

को पूर्बोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से प्रधिक है ग्रीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त ग्रन्तरण लिखित में वास्त्रविक अप से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी घाय की बाबस, उक्त ग्रधिनियम, के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या मन्य घास्तियों को जिन्हें भारतीय घाय-कर घिष्टिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टिनयम या धन-कर घिष्टिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः ग्रब, उपत ग्रधिनियम की धारा 269ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्निक्षित्वत व्यक्तियों, ग्रथीत्:--- (1) श्री बी० दुरैसामि रेड्डीयार,

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सी० मांगीवाई।

(अन्तरिती)

को मह सूचना थारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हूं।

उस्त सम्पत्ति के घर्षन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीच में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा:
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, धक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त गम्बों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

तिस्वन्नामलें, I वार्ड, ब्लाक सं० 19 में 3110 स्कुयर फीट की भूमि (मकान के साथ), (डी० एस० सं० 1167/1)।

एम० राजारत्नम, सक्षम प्राधिकारी, 54, रफीश्चहमद किदवाई रोड श्चर्जन रेज-I, मद्रास ।

तारीख : 12 जुलाई, 1977

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एम० ----

श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961वा 43) की धारा

26 ध (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

वार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 18 जुलाई, 1977

निदेश सं० 28/नवम्बर $\sqrt{76}$ ---77:-----यतः, मुझे, एस० राजा-----रत्नम,

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत ग्रिधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 97 है, जो नैनियप्प नामकन स्ट्रीट मद्रास-1, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूषी में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्न सं० 4393/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नवम्बर, 1976 का

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ध्रन्तिति की गई है ध्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापृथोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है ध्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) ध्रौर श्रन्तिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कियागया है:—

- (कः) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्री के० एम० एम० द्यार० कप्पुमामि अयर दर्मम टिरस्ट ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सी० ईन्दरचन्द मेता।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिये कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसंबंधी व्यवितयो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथें होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मद्रास-1, नैनियप्प नामकन स्ट्रीट डोर सं० 97 (नयी एस० सं० 9164) में 1790 स्कुयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

एस० राजारत्नम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास-1

तारीखाः 18 जूलाई 1977

प्रस्प श्राई० टी० एन० एस०----

आगरूर ऋ**धिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्राम, दिनांक 18 जुलाई, 1977

निदेश गं० 41/नवम्बर/76-77:— यतः, मुझे, एम० राज-रत्नम, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की

इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख़ के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 22/2 श्रीर 3, 77 बी०-2 श्रीर 77 बी 1 बी अबदुल्ला पुरम है, जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूण रूप से वणित है), राजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दूसी (पत्र सं० 1430/76) में भारतीय राजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नवम्बर, 1976

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का वारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) एंसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छित्तने में सुविधा के लिए;

अतः, श्रव उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री एम० वेंकटाचारी एम० वेदान्तम ।
  - (ग्रन्तरक)
- (3) श्री के० रामसामि नायवर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में विये जा सकेंगे।

स्पटिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्राधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अमुसूची

श्रबदुल्लापुरम गांव, एस० सं० 22/2 (0.35 एकड़), 22/3 (.0.05 एकड़), 77बी 2(0.29 एकड़) श्रौर 77 बी 01 बी (0.61)एकड़ में 1.30 एकड़ की भूमि (मकान के साथ)।

एस० राजारत्नम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज ।, मद्रास

तारीख: 18 जुलाई, 1977

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर ग्रिघिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज $-{f I}$ , मद्रास

मदास, दिनांक 18 जुलाई, 1977

निदेश सं० 42/नवम्बर/76-77:—-यतः, मूझे, एस० राजरत्नम,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० वार्ड  $I^{I}$ , सालै स्ट्रीट, वेडसन्दूर है, जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रींकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, वेडसन्दूर (पत्न सं० 984/76), में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नवम्बर, 1976।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है घौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त भ्रिधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घन्य ग्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रम्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनसरण में, में उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के श्रधीम, निम्नलिखित, व्यक्तियों, श्रर्थात् → 4—186GI/77

(1) श्री एस० मोहमद ईस पेल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० भ्रब्दूल कादर, ए० भ्रब्दूल सात्नर । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की धविधिया तत्सम्बन्धी ब्यिवतयो पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी
  धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुवत शब्दों स्त्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथापिशाधित है, वही स्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### श्रनुसूची

मदूरै जिल्ला, वेडसन्दूर, सालै स्ट्रीट डोर सं० 29 में 6774 स्कुथर फीट की भूमि (मकान के साथ) ।

> एस० राजरत्नम, सक्षम प्राधिकारी, स**हायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)**, श्रर्जन रेंज <sup>I</sup>, मद्रास

तारीख: 18 जुलाई, 1977

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

### श्रर्जन रेंज-II

मद्रास-600006, दिनांक 19 जुलाई, 1977

निदेश सं० 4112/76-77:—यतः, मुझे, एस० राजग्टन प भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पण्चात् 'उक्त भिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/— रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं निल्गिसिरस, ऊटकमण्ड, "सैयिण्ट क्लौडस" में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रौर पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ऊटी (डाकुमेन्ट 1296/76), में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26-11-1976

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत के पन्दर प्रतिशत के पन्द्रह प्रतिशत के लिए स्वया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनयम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य ग्राह्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर घ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः अन, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-ग के प्रकु सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात:---

- (1) श्री डी० कुमार सित्दन्ना। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बी० मारिदेवस्वर रात;, श्रीमती एम० दनमिन ग्रीर श्रीमती ग्रार० चन्द्रमिन । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के श्रद्याय 20-क में यथापरिकाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

## अनु सूची

ऊटकमण्ड, डोर सं० 72 स्रोर 72 ए में 0.71 2/8 एकड़ की भूमि (मकान के साथ) जिसका श्रा<sup>र</sup>० एस० सं० 4172, 4173 स्रौर 4174)।

गुस० राजरटनम, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रोज  $-\Pi$ , मद्रास

तारीख: 19 जुलाई, 1977

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के भधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज=II, 123, माऊन्ट रोड मद्रास-600006, दिनांक 19 जुलाई 1977

निदेश सं० 4116/76-77:--यतः, मुझे, एस० राज-रटनम.

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० डोर सं० 27/10, ईस्ट तिरुवेंकटसामि रोड, कोयम्बलूर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार० III, कोयम्बलूर (डाकुमेण्ट 2811/76) में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिक्तिय, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्स ध्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, अब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित म्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्रीमती सी० वी० सावित्री ग्रम्माल, सकुन्तला, धौरि पट्टाबिरामन ग्रौर चन्द्रा विस्वनात ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मारि अम्माल श्रीर पलनि अम्माल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में
  हिसबद्ध किसी भ्रन्य ध्यवित द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पव्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, को उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, को उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अमुसुची

कोयम्बतूर, ईस्ट तिरुवेंकटसामि रोष्ठ, डोर सं० 27/10 (नया टी० एस० सं० 1111 भाग) में 3337 स्कुयर फीट का भूमि (मकान के साथ)।

एस० राजरटनम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 19 जुलाई, 1977

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, 123 माउन्ट रोड, मद्रास मद्रास-600006, दिनांक 19 जुलाई 1977

निदेण सं० 4116/76~77:—यतः, मुझे, एस० राज-रटनम,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/--रुपए से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० डोर सं० 27/10, ईस्ट तिरुवेंकटसामि रोड, कोयम्बतूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार०-III कोयम्बतूर (डाकुनेण्ट 28 12/76) में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 1976 को

पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रति-पल के लिए श्रन्तिरत की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर ध्रन्तिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी धन या ध्रन्य ध्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ध्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ध्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

म्रतः भ्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रभीत, निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थीत्: —

(1) श्रीमती सी० वी० सावित्रि श्रम्माल, सक्रुन्तला, धौरि पट्टाबिरामन श्रौर चन्द्रा तिस्वनात ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के॰ एम॰ रामसामि चेट्टियार।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी म्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथे होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कोयम्बतूर, ग्रार० एस० पुरम, ईस्ट तिस्वेंकटसामि रोड, डोर सं० 27/10 में 3337 स्कुयर फीट का भूमि (मकान के साथ) (नया एस० सं० 1111/भाग)।

एस० राजरटनम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज~II, 123 माऊन्ट रोड, मद्रास

तारीख: 19 जुलाई 1977

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०---

मायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के श्रधीन सूचना

भा रकार

कार्यालय, सहायक आदकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-II. माऊंट रोड

मद्रास-600006, दिनांक 19 जुलाई, 1977

निदेश सं० 4118/76-77:---यतः, मुझे, एस० राज-रटनम, षायकर पिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की द्यारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुल्य 25,000/-रुपए से श्रीर जिसकी सं० डोर सं० 3/41, बवानी बाजार स्ट्रीट, है तथा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बवानी (डाकुमेण्ट सं० 1758) में, रजिस्ट्रीकरण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 18 नवम्बर, 1976 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिशत से अधिक के हैं और मन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रीर ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से

(क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या

कथित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269ग के श्रनुसरण में; मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269घ की उपद्यारा (1) के अधीन निम्निक्षित व्यक्तियों, श्रयांत:— (1) श्री एस० इरासु।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० एस० ग्रारुमुगम।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्बो का, जो उक्त भिधिनियम, के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही भ्रषे होगा, जो उस भ्रध्याय में विया गया है।

### भ्रनुसूची

बवानी बाजार स्ट्रीट, डोर सं० 3/41 में भूमि श्रीर मकान (डाकुमेण्ट 1758)।

एस० राजरटनम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

ुतारीख : 19 जुलाई 1977

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के धधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज—II, 123, माऊंद रोड ुमद्रास~600006, दिनांक 19 जुलाई 1977

निदेश सं० 4118/76-77--यतः, मुझे, एस० राज-रटनम,

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० डोर सं० 3/41 बाजार स्ट्रीट, बवानी में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, बवानी (डाक्नुमेण्ट 1759/ 76) में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख नवम्बर, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों की जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धम, उक्त धिविनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त धिविनयम की धारा 269-थ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु:---

- \_(1) श्री पी० एस० मूर्तियप्प गौण्डर भ्रौर वेंकटाचलम ृ(श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती ए० ग्रन्जिल देवी । \_(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
  श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रौर पदों का, जो उक्त स्रिध-नियम के स्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही सर्थ होगा जो उस स्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

बवानी, बाजार स्ट्रीट, डोर सं० 3/41 में भूमि श्रौर मकान।

एस० राजरटनम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर मायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 19 जुलाई 1977

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज-II, 123, माउंट रोड मद्राम-600006, दिनांक 19 जुलाई 1977

निदेश सं० 4125/76-77:--प्रतः, मुझे, एम० राज-रटनम,

म्नायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है।

श्रीर जिसकी सं० डोर सं० 60, गांधीजी रोड़, इरोड़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० I ईरोड़, (इ.कुमेण्ट 3521/76) में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18 नवम्बर, 1976 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रिक्षित्यम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/ या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य म्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रिधिनियम, या धन-कर म्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः प्रव, उस्त प्रधिनियम, की धारा 269-ए के धनु-सरण में, मैं, उस्त श्रिधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:---

- (1) श्री डी० श्रीनिवासन, दुरैसामि, एस० गनेश, एस० करन, (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ई० ग्नार० रंकस मि । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहि करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जी उक्त धाध-नियम के ब्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा जो उस ब्रध्याय में दिया गया है ।

### अमुसुची

हरोड, गाँधीजी रोड, डोर सं० 60 में भूमि श्रौर मकान (डाकुमेण्ट) 3521/76) ।

> एस० राजरटन्स, सक्षम प्राधिकारी, स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),** ग्रर्जन रोज-II, मद्रास

तारीख: 19 जुलाई 1977

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

(1) श्री डी० सिवकुमार।

(अन्तरक)

(2) श्री ई० प्रार० रंकसामि।

(भ्रन्तरिती)

भ्रायकर अधिनियम,1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के श्रधीन सूचना

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

भारत सरकार

मद्रास-600006, दिनांक 19 जुलाई 19<sup>5</sup>77

निदेश सं० 4125/76-77—यतः, मुझे, एस० राज-रतनम.

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपए से ग्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० डोर सं० 60, गांधीजी रोड, ईरोड में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० I ईरोड (डाकुमेण्ट 3520/76) में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-11-1976

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ओर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः श्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकोंगे।

स्पब्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों और पद्दों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20 क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

ईरोड, गांधीजी रोड, डोर सं० 60 में भूमि भ्रौर मकान (डाकु-मेण्ट) 3520/76)।

> एस० राजरतनम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–II, मद्रास

तारीख: 19 जुलाई 1977

मोहर

प्ररूप धाई • टी • एन • एस •---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर प्रायुक्त (विरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्राम, दिनांक 19 जुलाई 1977

निदेश सं० 5364/76-77--यतः, मुझे, एस० राज-रतनम,

भायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियमं कहा गया है) की धारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25000/- स्पए से प्रधिक है

ग्रीर जिन ही सं० 15, जगदाम्बाल कालिन, रायपेट्टा, मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधकारी के कार्यालय, मैलापूर (डाकुमेण्ट 1141/ 76) में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, नारीख नवम्बर 1976 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिये प्रन्तरित की गई है पौर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से प्रधिक है प्रौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) धौर प्रन्तरिती
(प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त भ्रिधिनयम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/पा
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में मुख्या के लिए;

अतः धव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अयिकायों, प्रथित् '---5—186GI/77 (1) श्रीमती कोटा बुचि लक्रमम्मा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमित एम० कल्यानसुन्दरि ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख़ से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मद्रास, रायपेट्टा, जगदाम्बाल कालनि, डोर सं० 15 में भूमि श्रीर मकान ।

> एस० राजरतनम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज्र-II, मद्रास

तारीख: 19 जुलाई, 1977

अरूप भाई० टी० एन० एस०----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के श्रश्चीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 13 जुलाई 1977

मं० श्रार० ए० सी० नं० 401—यतः, मुझे, एन० के० नागराजन.

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उकत श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर समात्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० मे श्रिधिक है

श्रीर जिसकी स० 27-23-152 गकत्रपेट है, जो विजयावाड़ा में स्थित है (श्रीर इसमे उपावद्ध शनुसूची में श्रीर भारतीय श्रीर जिसकी सं० 27-23; 152 गवर्नरपेट है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, विजयावाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, 10-11-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यसपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से शक्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम प्राया गया प्रतिफल, निम्नलिवित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:--

- (क) धन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत उक्त प्रधि-निया के ध्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तन श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

श्रतः स्रव, उनत श्रिधिनियम की धारा 269 ग के श्रतु-सरण में, में, उनत श्रिधिनियम की धारा 269 घ की उपधार। (1) के अधीन निम्निखिखन व्यक्तियों, प्रयात्:---

- (1) श्री पूरतम वेंकट सुब्रमन्यासीताराम, मीचलीपटनम । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री नोरि सीनिवासा फणीक्ष, विजयवाड़ा । (भ्रन्तरिती)

को सह सूचना जारी करके पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षप :---

- (क) इस मूचना के राजान में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध रातरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपव में पकाशन की तारी खसे 45 दिन के भीतर अवन स्थावर सम्पत्ति में हितब है किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधीहस्ताक्षरी के पास निष्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इममें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रभ्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही श्रश्चं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अ**न्युची**

विजयवाड़ा रिजिस्ट्री ग्रिक्षकारी से पाक्षिक श्रंत 15-11-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2897/76 में विगमित ग्रनुसूची संपत्ति।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 13 जुलाई, 1977

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भाग्यत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाष्टा, दिनांक 13 जुलाई 1977

मं० ग्राग्ठ एठ सीठ नं० 402---यतः, मुझे, एन० केठ नागराजन,

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिष्ठिक है

स्रोर जिनकी मं० 27-4-2 गवर्तरपेट है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (भ्रोर इससे उपावद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना स्रिधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 17-11-1976

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:~-
  - (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त ध्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिये; ग्रीर/या
  - (ख) एसी किसी घाय या किसी घन या अन्य घास्तियों की, जिन्हें भारतीय घायकर घ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, याधन-कर घिषियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए।

धतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ए के श्रनुसरण में, भैं, उक्त सिधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्थात्:—— 1. श्री गजवल्ली वेंकटेस्वरल्, विजयवाड़ा ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री गोपु राघवराव, विजयवाड़ा ।

(अन्तरिती)

- (1) इन्डिया टैर एंड रबर कं० लिमिटेड, विजयवाड़ा
  - (2) केन्करिया मेटल इन्डस्ट्रीज, विजयवाष्ट्रा ।
  - (3) श्री के० रामाराव, विजयवाड़ा ।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोगमें सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करक पूर्वीक्त सम्पत्ति के ब्रर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूनना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख हैने 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबत किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिवियम, के शध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्चा

विजयवाड़ा रिजस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 30-11-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2969/76 में निगमित ग्रनुसूची संपत्ति ।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी, महायक ऋष्यकर स्नायुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीखः : 13 जुलाई, 1977

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर भ्रधिनियग, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, काकिनाडा

काक्तिनाडा, दिनांक 13 जुलाई, 1977

सं० भ्रार० ए० सी० नं० 403~⊸यतः, मुझे, एन० के० नागराजनः

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिसकी सं० 27-4-2 गवर्नरपेटा है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 7-12-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह त्रिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, सके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिशत से श्रीधक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित गहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबा, उका अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियां कां, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

मतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थातः--

- श्रीमती गजवल्ली इत्सालु, विजयवाडा । (भ्रन्तरक)
- 2. श्री गोपु सवापवावु, विजयवाड़ा। (ग्रन्तरिती)
- (1) इन्डिया टैर ग्रीर रबर कं० लिमिटेड, विजयवाड़ा
  - (2) एन० ढनज्यराव , विजयवाङ्ग ।
  - (३) के० रामाराव, विजयवाड़ा ।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही धर्च होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 15-12-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3204/76 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, काकिनाडा

दिनांक: 13-7-1977

## प्रकप धाई॰ टी॰ एम॰ एस॰----

भागकर भिक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, काकिनाडा

क। किनाडा, दिनांक 14 जुलाई 1977

सं० घ्रार० ए० सी० नं० 404:—-यतः, मुझे, एन० के० नागराजन

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उक्त श्रधिनियम' नहा गया है), की भ्रारा 269-ख के श्रधीन रक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 26-33-221 ग्रौर 8-31-60 ए० टि० भ्रग्नहाण है, जो गुन्टूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के दार्यालय गुन्टूर में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन 8-11-1976 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशास से अधिक है भोर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, याधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: श्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--

- (¹) श्री वेंद्राप्रगडा मोहनराव, गुन्टूर । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री श्रडपा सीतारामथ्या, गुन्टूर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

गुन्दूर राजिस्ट्री आधिकारी से पाक्षिक स्रंत 15-11-76 में पंजीकृत दस्ताबेज नं० 5111/76 में निर्गामत स्रनुसूची संपत्ति।

> एन० के० न।गराजन, सक्षम प्राधिक।री, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजंन रेंज, काकिनाडा ।

तारीखः : 14 जुलाई 1977

## प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-घ (1) के मधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 15 जुलाई 1977

सं० म्रार० ए० सी० नं० 405:---यतः, मुझे, एन० के० वर्गाजन

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 या 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उपत श्रधिनियम' वहा गया है) की धारा 269-थ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६५० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी मं० 8-212 रामदासपेटा है, जो राजमन्द्री में स्थित है (श्रीर इससे उपावढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण घप से विणित है), रिजस्द्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजमन्द्री में भारतीय रिजस्द्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 16-11-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय था किसी धन या ग्रन्थ श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिताने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म क श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्णात :——

- (1) मैसर्स पेकप्रो इन्डस्ट्रीज राजमन्द्री ।
- (2) श्री एम० रामामृती, राजमन्ड्री।
- (3) श्रीमती बि० लक्ष्मी कोटेस्बरि, राजमन्द्री ।
- (4) श्रोमती जि० पुष्पलता विजयावाड़ा राजमन्ड्री ।

- (5) श्रीमित ए० राज्य लक्ष्मी राजमन्दी।
- (2) श्री वि० द्रुपदराज् राजमन्ड्री।

(भ्रन्तरक)

भैसमं लक्ष्मा लामनटम राजमन्द्री

- (1) श्री वै० र उच द्वाराय पारकोन्डपाडु ।
- (2) श्री जि० वीरराज् कोन्थमूरू ।
- (3) श्री पैका बेंकट कृष्ण वास्करराव ग्रन्डलुक्
- (4) श्री करद्री अप्पाराव नागल्लु
- (5) श्रीमती चुनकु लिति कुमारी रेपावा
- (6) श्री करदूरी लक्ष्मनराव श्रनकमपालेस
- (7) श्रीमती गोटा मनगायमा कोतमुरु
- (8) श्री दनडभूडि वीराराज् कोतम्ध
- (9) श्रीमति सीतारतसम राजमैन्हा
- (10) श्रीमती वै वरलक्ष्मी मारकोडणाड्
- (11) श्रीमती एन० ग्रन्नायुनी प्रचनटा
- (12) श्रीमति के० सत्यवित चागत्सु
- (13) श्री ग्रक्केना कोटेस्वरराव रघुदेवपुरम ।

(भ्रन्तरिती)

को बढ़ सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथापरि-भाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

राजमन्द्री राजिस्ट्री अधिरकारी से पाक्षिक श्रंत 30-11-76 से पंजीकृत दस्तावेज नं० 3892/76में निगमित श्रनुसूची संपत्ति ।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकार,

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरी**क्ष**ण)

श्चर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीखा : 15 जुलाई 1977

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

वार्यालय, सहायक भ्रायकर शायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 15 जुलाई 1977

सं० ग्रार० ए० मी० नं० ४०६—-यतः, मुझे, एन० के० नागराजन,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' नहा गया है) की धारा 26६ला के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने ना कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृह्य 25,000/- रव से श्रधिक है

श्रौर जिसकी संव 13-15-34 कोटिलिंगाल पेट है, जो राजमन्डी में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध सनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, राजमन्ड्री में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 2-11-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सें, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम से अधीन कर देने ते अन्तरक के दाक्तिब में हमी करते या उससे बच्चों में दुविधा के लिए; और/म
- (ख) ऐसी ित्सी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-नार अधिनियम, या अन-नार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्णाजनार्थ अन्तरिती क्षारा अत्र नहीं किया गया था या विभा जाना नाष्टिए था, छिपाने में स्विधा के लिये;

श्रतः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थान्:---

- (1) श्री के० रत्नकुमार, राज्यमन्द्री । मैसर्म के० श्रष्पारेड्री, श्रीर कं० राजमन्द्री । (श्रन्तरक)
- (2) (1) के० ग्रप्पारें ड्वी, राजमन्द्री :
  - (2) टि० वेंकटरेड्डी, राजमन्ड़ी।
  - (3) मत्ती सूर्य प्रभाकर रेड्डी राजमन्द्री।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्गन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविश या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की नागील में 30 दिन की श्रविश, जो भी श्रविश बाद में अवाद होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचका के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितकड़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्पब्दोकरण:—-इसमें प्रयुक्षत शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के शब्याय 20-कमें परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनु सूची

राजमन्ड्रो रिजस्ट्रो अधिकारो मे पक्षिक द्यंत 15-11-76 मे पंजीकृत दस्तावेज नं० 3732/76 मे निगमित अनुसूची संपत्ति ।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी, यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, काकिनाडा

त रीपा : 15 जुलाई <sup>1</sup>977

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रश्निनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 15 जुलाई 1977

सं० म्रार० ए० सी० नं० 407 ----यतः, मुझे, एन० के० नागराजन,

शायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उत्तित बाजार मूल्य 25,000/-द० से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० 4-9-64 बापटला है, जो बापटला में स्थित है (ग्नीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्नीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कायलिय, बापटला में रिजस्ट्री-करण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार पूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/भा
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य यास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिगाने में सुविधा के लिए;

धत: श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के प्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269ण की उपचारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत:—— (1) श्री जे० वेंकटेस्वर सर्मा बापटला।

(ग्रन्तरक)

- (2) (1) श्रीमती ग्रार० वेंकट लक्ष्मी, नैनलि।
  - (2) ऋ(र० सीनिवास सर्मा, तेनिन ।
  - (3) श्रार० सुब्रहमन्य। सर्मा तेनलि ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़
  किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधीहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं धर्य होगा जो, उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

बापटल रिजिस्ट्री अधिकारी में पाक्षिक श्रंत 15-11-76 में पंजीकृत दस्ताबेज नं० 2335/76 में निर्गामत श्रनुसूची संपत्ति।

> एन० के० नागराजन, सक्षम प्राधिकारी, स**ह**[यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रोज, काकिनाडा,

तारीख: 15 जुलाई 1977

भायकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

**बम्बई-4**00002, दिनांक 16 जुलाई 1977

निदेश सं० घ्र०ई० 2/2406-9/नव-76---ग्रतः, मुझे, वी० एस० महाजन,

भायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की द्यारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्लाट नं०44 का दंडा स्कीम है तथा जो दंडा में स्थित है (स्रोर इससे उपावद अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 29 नवम्बर 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया नया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त धांधिनियम के प्रधीन कर देने के धन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य घास्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उक्त ग्रविनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त ग्रविनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) मैंसर्स, राजेश कन्स्ट्रक्शन कं । (भ्रन्तरक)
- (2) बन्द्रा हरमुज्ड् को० हाउ० सो० लि०। (श्रन्तरिती)

- (3) 1. श्री शेख मोहम्मद वाई० उमर
  - 2. श्रीमती एस० एस० कुलकणी
  - 3. श्रीमती डी० जॅ० सलदना
  - 4. श्रीमती फर्नान्डीज्
  - श्रीमती ई० डीसूजा
  - 6. श्री भार० जी० छाबरिया
  - 7. श्रीमती पूर्णिमा बी० देसाई
  - 8. श्री बी० दोराबजी कटगरा
  - 9. श्री पी० एल० श्रार० शेनाय
  - 10. श्री एम० एम० पारेख
  - 11. श्री थामस कुरीन
  - 13. श्रीमती मीरा एस० देश पांडे
  - 14. श्रीमती मीरा एस० देश पांडे
  - 15. श्री एन० ए० नूरन्हा
  - 16. श्री भ्रसपी ए० जोखी
  - 17. श्रीमती जे० पी० फेरेरा
  - 18. श्री पी० एम० वनकाडिया
  - 19. श्रीमती मोनिका डी० मोहिन्द्र

(बह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ट संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घषित्र जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उणत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वही धर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भ्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० 486/76/बम्बई उपरजिस्ट्रार श्रिधकारी द्वारा दिनांक 29-11-1976 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> वी० एस० महाजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंप-2, बम्बई

तारीख: 16 जुलाई, 1977

#### प्ररूप द्याई० टी० एन० एस० -

## धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रिधीन सूचना मारत मरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त, (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, ब्रम्बई

बम्बई-400002, दिनांक 20 जुलाई, 1977

निदेश सं० भ्र० ई०-2/2399-2/नव०-76---- अतः, मुझे, वी० एस० महाजन,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिमकी सं० सी० एस० नं० 3/842 और फाइनल प्लांट नं० 378 शहर का प्लानिंग स्कीम (बंबई सीटी) नं० 3 माहिम है तथा जो माहिम डिवीजन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुब सूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-11-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया शया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम' के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए ग्रौर; या
- (ध) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घन्य घास्तियों को जिन्हें भारतीय घाय कर घ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ध्रिधिनियम,' या धन-कर घ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रतः भ्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

- (1) मैं मर्स, शांति भगवान दास एंड अन्य । (अन्तरक)
- (2) साधना निवास को० स्राप० हाउ० सो० लि०। (भ्रन्तरिती)

- (3) 1. श्रीमती एम० ए० गैतोन्डे
  - 2. श्री स्नार० एम० शेट्ये
  - 3. श्री ए० जीं० बाध
  - 4. श्रीमती एस० ए० तेजवानी
  - 5. श्रीमती मीजिबाई द्वारकादास
  - श्रीमती एस० एम० भट्ट,
  - 7. श्री ए० भ्रलबुक्यूरक्
  - श्रीमती जे० ए० जवेकर
  - 9. श्री एन० के० सनथूर
  - 10. श्रीमती पी० बी० देसाई
  - 11. श्रीमती एन० बी० रंगुनेकर
  - 12. श्रीमती एम० के० धिंगा
  - 13. इन्डियन स्रोवरसीज बैंक
  - 14. श्री जयसिंह तारासिंह
  - 15. श्रीमती जुनेजा
  - 16. मैसर्स रायलैंड्म पेपर बाक्स कं०

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधि-नियम,' के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही शर्थ होगा, जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० 1097/63/बंबई उपरजिस्ट्रार श्रिधकारी द्वारा दिनांक 16-11-1976 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> वी० एस० महाजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 20 जुलाई, 1977

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई-400002, दिनांक 20 जुलाई, 1977

निदेश सं० घ्र० इ०-2 2483-10/नव० 76:——ग्रतः, मुझे, वी० एस० महाजन,

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित धाजार मूल्य 25,000/- इपए से ग्रिधिक है

भीर जिसकी मं० एन० ए० नं० 53 बी०, सीटी सर्वे नं० सी०/780, सी०/781, सी०/782 भीर सी०/783 वांडा डिबीजन में जमीन का भाग जिसका सर्वे नं० 216 हिस्सा नं० 1 (ए) है। तथा जो कांत वाड़ी, दांडा में स्थित है (भ्रौर इमसे उपाबद्ध उपाबद्ध प्रमुस्त्री में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 17-11-1976 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये भ्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है भौर भन्तरक (श्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत, उक्त भ्रिष्ठितयम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः म्रव, उनत भिधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उन्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्षात्:—

- (1) एस० ए० स्ट्रोनफ एंड कं० (इंडिया) प्रा० लि० । (श्रन्तरक)
- (2) राजेन्द्र कुमार तुल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## भ्रनु<del>म</del>ूची

अनुसूची जैमा कि विलेख नं० 1028/76/बम्बई उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 17-11-1976 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> वी० एस० महाजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई 1

तारीख: 20 जुलाई, 1977

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 22 जुलाई, 77

निदेश सं० सी० एच० डी०/63/76-77:— श्रतः मुझे, रवीन्द्र नुमार पठानिया,

धायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से भिधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 2170, सेक्टर 15-सी०, है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है ), रजिस् किर्ता श्रधिक री के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 1976।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिधिनियम, के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (का) ऐसी किसी झाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उन्त ग्रधिनियम को घारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उन्त ग्रिधिनियम को धारा 269 घ को उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रयोत्:—— (1) श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र श्री नरायण सिंह, मार्फत श्री भोला सिंह निवासी मकान नं० 622 सेक्टर 11-बी०, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हरबंस सिंह जोसन पुत श्री दियाल सिंह, (2) श्रीमती रनजीत सिंह कौर पनी श्री हरबंस सिंह जीमन, निवासी गांव व डाकघर बूर्ज सिद्धवां बरासता मलौट जिला फरीदकोट (पंजाब)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविध या तत्सं मंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त भिधिनयम' के शब्याय 20क में परि-भाषित हैं, वहीं शर्थ होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

रिहायमी प्लाटनं० 2170 (पुराना नं० 5 के०) जो कि सैक्टर 15-सी०, चण्डीगढ़ में स्थित है।

( जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 641 नवम्बर, 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार पठानिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, रोहत्रक

तारीख: 22 जुलाई, 1977

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध (1) के मम्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 22 जुलाई, 1977

निदेश सं० सी० एच० डी०/64/76-77: —-श्रतः, मूझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत ऋधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 25,000/- रुपए से मधिक है

भीर जिसकी सं० मकान नं० 161 सैक्टर 18-ए० है, तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में भीर पूण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 1976।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) झन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत, उक्त मधिनियम के मधीन कर धेने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविद्या के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी द्याय या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रत: ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री किंदार नाथ मल्होत्रा पुत्र श्री गोबिन्द सहाय निवासी शालामार रोड, जन्मू (अम्मू ग्रीर काश्मीर राज्य)।

( भ्रन्तरक)

(2) श्री कून्दन लाल ग्रोवर, कर्ता हिन्दुं मुशन्द परिवार जिसके सदस्य वह स्वयं श्रविनाश ग्रोवर, श्रीर ग्रजय ग्रोवर, निवासी मकान नं० 161 सैक्टर 18 ए०, चण्डीगढ़

(म्रन्तरिती)

(3) मैं० के० एल० ग्रोवर ग्रौर कम्पनी मकान नं० 1161 सैक्टर 18 ए० चण्डीगढ़ (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबझ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के प्रध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

मकान न० 161 जो कि सैक्टर 18-ए० चण्डीगढ़ में स्थित है।

(सम्पत्ति जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 646 नवम्बर, 1976 में रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में सिखा है।

> रवीन्द्र कुमार पठानिया सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, रोहतक

तारीख: 22 जुलाई, 1977

प्ररूप धाई० टो ० एन० एन०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज , रोहतक

रोहतक, दिनांक 22 जुलाई, 1977

निवेश सं० सी० एच० डी० / 67/76-77:— अतः , मुझे, रवीन्द्र कूमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मक.न नं० 3169, सैक्टर, 21 डी० है, तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनूसूची में श्रीर पूण रूप रूप से विणित है), रिअस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनिश्म, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, तारीख दिसम्बर, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के मधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उन्त ध्रिधिनियम' या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उन्त धिधिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, 'उन्त ग्रिधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा(1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्: ——

- (1) श्री सर्वंजीत सिंह सुपुत्त श्री इन्द्र सिंह, उसके मुखताँर श्रामी स्काइन लीडर गुरवयाल सिंह सुपुत्र श्री इन्द्र सिंह निवासी 3169, 21-डी०, चण्डीगढ़। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती जसमेर कौर विद्धवा श्री ठाकूर सिंह निवासी मकान नं० 3169 21 डी० चण्डीगढ़ (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

ह्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रषं होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान नं० 3169 जो कि 500.5 वर्ग गज के प्लाट पर बना हुआ है श्रीर जो कि सैक्टर 21-डी० चण्डीगढ़ में स्थित है का श्राधा भाग।

( सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के दिसम्बर, 1976 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 659 में लिखी है )।

रवोन्द्र कुमार पठानियां सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 22 जुलाई, 1977

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 22 जुलाई, 1977

निदेश सं० बी० जी० ग्रार०/डी० एल० ग्राई०/77:— ग्रत:, मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानियां ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६समें ६सके पण्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की श्वारा 269-च के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- ३० से ग्रिधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 34 जो कि गांव पाला में उद्यौ-गिक कालोनी, जो कि डी० एल० एफ० उद्यौगिक एस्ट नं० II के नाम से जानी जाती है तथा जो गांव पाला तह० बल्लबगढ़ (गुड़गांव) में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नवम्बर, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित धाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भश्यक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या मन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

भतः भव, उक्त धिवितयम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त प्रधिवियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रभीन निम्नलिखिन ध्यक्तियो, अर्थात्:—

- (1) सर्वश्री
  - (1) राम सरूप
  - (2) नन्द किशोर
  - (3) भ्रमोध्या प्रसाद, सुपुत्र श्री भ्रमरताथ निवासी 37 ई० कमला नगर, सब्जी मण्डी, दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स के० एस० एम० प्रोड्क्टम ए०-I/21, सफदर-जंग डिवन्लपमेन्ट एरिया नई दिल्ली उसके पार्टनर श्री पृथ्वीपाल सिंह सुपुत्र श्री सरदार सिंह द्वारा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिये एतद्क्षारा कार्यवाहियां भुष्क करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खरें 45 दिन की श्रवधिया तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिशा गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 34 जिसका क्षेत्रफल 2100 वर्ग गज है स्रीर जो कि गांव पाला जिला गुड़गाव (हरियाणा) में स्थित उद्यौगिक कालोनी जी० डी० एल० एफ० उद्यौगिक एस्टेट नं० II के नाम से जानी जाती है में स्थित है।

(सम्पत्ति जैसे कि रिजम्ट्रीकृत विलेख नं० 471 नवम्बर, 1976 में रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी दिल्ली के कार्यालय में लिखा है)।

> रवीन्द्र कुमार पठादियां सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, रोहनक

तारीख : 22 जूलाई, 1977

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन रेंज, रोहतक सोनीपत रोड रोहतक, दिनांक 22 जुलाई 1977

निदेश सं० पी० एन० पी० / 18/76-77:—-श्रतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानियां

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से मिधिक है

श्रीर जिसकी सं० ई०-15, उद्योगिक एरिया है तथा जो पानीपत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के काीर्यालय, पानीपत म रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रक्षिक है धौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भाधि-नियम, के भाधीन कर देने के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना खाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए; ;

भाष: भाष, उन्त अधिनियम की वारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपघारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) मैं॰ रामा इंजीनियरिंग एण्ड वीविंग इण्डस्ट्रीयल को॰ भ्राप्नेटिव सोसायटी लि॰ , पानीपत । श्री श्रहम सरूप सैनो के द्वारा 260-माडल टाउन, पानीपत ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० भ्रार० के० बूलन मिल्ज यूनिट II, इण्डस्ट्रीयल, एरिया, पानीपत । श्री सिरी चन्द, पुन्न श्री तेलू राम निवासी ई० -15, इण्डस्ट्रीयल एरिया पानीपत द्वारा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पद्यों का, जो उक्त भिधिनियम, के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रथं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिवा गया है।

#### अमुसूची

कोमर्शल प्रापर्टी नं० ई०-15 जो कि इण्डस्ट्रीयल एरिया पानीपत में स्थित है का भाग।

(सम्पत्ति जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6279 दिसम्बर, 1976 में रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी पानीपत के कार्यालय में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार पठानियां सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

**तारीख:** 22 जुलाई 1977

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 ना 43) की

धारा 269-ध (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, भटिंडा कार्यालय

भटिंडा दिनांक 14 जुलाई 77

निदेश सं० ए० पी० 17/-77-78 यतः मुझे. पी० एन०-मलिक

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-थ के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृत्य 25,000/- रुपये से भाधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में दिया गया है तथा जो गढ़ एंकर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, गढ़एंकर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख 1/11/1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र हु प्रतिगत से ग्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठिनयम के श्रधीय कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भ्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयांत्:——
7—186G1/77

(1) श्रीमती कंषल जीत कौर पत्नी श्री हरशंस सिंह सेठी दुकान नं० 35 मनाज मंडी गढ़ शंकर

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रीमती बक्शीश कौर पत्नी गूरमीत सिंह बेटा प्रताप सिंह गांव पंडौरी गंगा सिंह तहसील गढ़ शंकर ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यवितयों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धिकरण:---इसमें प्रयुवत शब्दो झीर पदों का, जो उनस श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभा-वित्त है, बही धर्य होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

बुकान नं० 77 श्रानाज मंडी गढ़ शंकर में जैसा कि रुजि० नं० 2185 तारीख 1-11-76 में है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण), श्रुजंन रेंज, भटिंडा

तारी**ख** : 14-7-77

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० -

भायकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूर्जन रेंज, भंटिडा, कार्यालय

भंटिडा, दिनांक 14 जुलाई, 77

निदेश नं ० ए० पी० 16/ 77-78 :--- यतः, मुझे, पी० एन० मिलक,

ष्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिक है

श्रीर जिसकी स० जैसा कि अनूसूची में दिया गया है। तथा जो जो कोटो वाला छवखी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से दिया गया है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फाजिलका में रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 क 16) के श्रधीन, तारीख 26-11-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से भिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न- लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथति:---

- (1) श्री रामचन्त्र उर्फ रामचन्त्र बेटा श्री चमन लाल बेटा सरदारी मल बेटा मेघा मल बासी मट (ग्रन्तरक)
- (2) 1. श्री नागर सिंह बेटा जैमल सिंह बासी कोटो वाला धकली 2. श्री भार सिंह बेटा नागर सिंह दबासी कोटो वाला धकली।
  - 3. श्री दर्शन सिंह ग्रीर मंगल सिंह बेटा दिलावर सिंह वासी कोटा वाला धकली।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि न०2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में एचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पढ्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

## अनु सूची

कोटा वाला धकली गांव में 117 कनाल 8 मरले भूमि जैमा कि रजिस्ट्री न० 1937, 38 ग्रीर 39 में तारीख 26-11-76 में दिया गया है।

> पी० एन० मलिक स**क्षम प्राधिकारी** सहायक धायकर <mark>घायुक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रर्जन रेंज भटि<del>डा</del>

ता**रीख** : 14/7/77

## प्रकप धाई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज भटिंडा,

भंटिछ।, दिनांक 2 जुलाई 77

निदेश सं० ए० पी० 14/77-78:----यतः मुझे, पी० एन० मलिकः

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह घिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भीर जिसकी सं जैसा कि भ्रनूसूची में है। तथा जो जैतो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जैतो में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1976।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के भ्रष्टीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मिलिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिलिनयम, या धन-कर मिलियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः, भव उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन मिम्मलिखित व्यक्तियों, प्रयत्ः--

- (1) श्री कृष्ण कुमार पुत्र श्री कलवन्तराय जैती (ग्रन्तरक)
- (2) श्री तीर्थराम, श्री बाल मुक्कन्द पुत्त श्री कुन्दन लाल जैतो ।

(भन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ब्रिधिभोः में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबग्र है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितकक्ष किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त धिक्षित्यम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

7508 वर्गफुट श्रीर सिनेमा में 1/19 हिस्सा जो कि कुल 75085 फुट है सिनेमा की बिल्डिंग में भी जैसाकि रजि-स्ट्री नं० 938 विसम्बर, 1976 में दिया गया है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी [सहायक शायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, भटिंडा

तारीख : 2-7-77

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-च (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, भटिंडा

भंटिडा, दिनांक 2 नुलाई 77

निदेश सं० ए० पी० 15/77-78:---- यतः, मुझे, पी० एन० मंसिक,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० जैमा क्विंक अनुसूची में दिया गया है। तथा जो अवोहर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, प्रबोहर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1976।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का निष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का निष्वत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) भौर अन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रत्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (खा) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घाष्टिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घाष्टिनियम, या घन-कर घाष्टिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उनत श्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रमु-सरण में, मैं, उनत श्रिधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :----

- (1) श्री महाराज कृष्ण पुत्र श्री राम रक्खा मल मृतबला श्री तारा चन्द सुखेरा बस्ती ग्रवीहर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री वरियाम चन्द, चान्दी राम पुत्र श्री जगु राम पुत्र श्री कालू राम सुखेरा बस्ती ग्रबोहर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं ० दो में हैं, (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धनिध, जो भी धनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के घट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रव्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

32 कनाल 4 मरले भूमि जो कि श्रबोहर से 3 कि० मी० की दूरी पर है। जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1381 दिनांक 15/12/76 में दिया गया है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 2/7/77

मोहर ।

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भायकर भ्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 2 जुलाई 77

निदेश सं० ए० पी० 13/77-78:---यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के मधील सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उच्ति बाजार मूल्य 25,000/- इ० से मधिक है,

भीर जिसकी सं० जैमा कि अनूसूची में दिया गया है। तथा जो जैतो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण कृप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जैतो में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख विसम्बर, 1976 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त से श्रीयक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक क्ष्प से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के ग्रमुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :---

- (1) श्रीमती उषा रानी यत्नी श्री प्यारे लाल जैतो (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जगदीण राय पुत्रश्री भगवान दास जैसी (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं बो में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति. जिनके बारे में झधोहम्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजीन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवीं के, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भी सर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भी तर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठितियम, के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

## अनुसूची

3754 वर्ग फुट जमीन और सिनेमा में 1/20 हिस्सा जो कि कुल भाग 75085 का है और सिनेमा की बिल्डिंग में हिस्सा जैसा कि रिजस्ट्री नं० 939 तारीख दिसम्बर, 1976 में हैं।

पी० एन० मलिक ्सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भंटिडा

तारीख : 2/7/1977

मोहरः

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के धर्धीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 2 जुलाई 1977

निदेश सं० ए० पी० 12/77-78:——यतः, मुझे, पी० एन० मलिकः

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैमा कि अनुभूची में दिया गया है तथा जो जैतो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जैतो में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख दिसम्बर, 1976।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त ग्रिधिनियम' के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ग्रचमे में सुविधा के लिए ग्रीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी घन या धन्य ध्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ध्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उन्त श्रिधिनियम' या घन-कर ध्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामें में सुविधा के लिए;

धत: क्षब, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269ग के ग्रमुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम, की घारा 269 व की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्चात्:— (1) श्रीमती उथा रानी पत्नी प्यारे लास जैसो

(मन्तरक)

- (2) श्री विनोद कुमार, श्रनिल कुमार पुत्र राम सरन दास जैतो। (श्रन्तरिसी)
- (3) जैसा कि नं दो में है, (वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में कृचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के दार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रविध या सस्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारी ख से
  45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधितियम' के शब्दाय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही भर्म होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

### अनु सूची

3754 वर्ग फुट जमीन और सिनेमा में 1/20 हिस्सा और बिल्डिंग में भी जो कि बाजा सड़क पर है जैसा कि रजिस्ट्री नं॰ 940 तारीख दिसम्बर, 1976 में है।

> पी० एन० मलिक, **सक्षम प्राधिकारी,** स**हायक मासकर मायुक्त (निरीक्षण),** श्रर्जन रेंज, भटिखा

तारीख: 2-7-77

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 266-च (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज भटिंडा,

भटिंडा, दिनांक 14 जुलाई 1977

निदेश नं० ए०पी० 18/77-78:——यतः, मुझे, पी० एन० मलिकः

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त मधिनियम', कहा गया है), की धारा 269घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपए से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रन्सूची में दिया गया है तथा जो घोलिया खुर्द में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, मोगा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 3-12-1976।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ध्रान्तित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के घन्नीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उम्स श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के ग्रवीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथित् :-- (1) श्री बचित्तर मिंह, गरिदयाल मिंह, दयाल सिंह बेटा भगवान कौर विधवा पाला सिंह बेटा रतन सिंह घोलिया खुर्द।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मुखतियार सिंह, बलदेव सिंह बेटा, गुरिदयाल सिंह बेटा कपूर सिंह गांव रनमें काला ।

(श्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्मत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो धी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यंक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, क्रधोहस्सामरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याथ में दिया गया है।

#### अनुसूची

38 कनाल 4 मरले कृषि भूमि गांव घोलिया खुर्द तहसील मोगा में है जैसा कि रजिस्ट्री नं० 5354 तारीख 3-12-76 में है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी, सहायक घायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारी**ख** : 14-7-1977

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायव र प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रश्चीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज भंटिडा कार्यालय

भटिंडा, दिनांक 14 जूलाई, 77

निदेश नं० ए० पी० 20 / 77-78 :---यतः, मुझे, पी० एन० मिलक

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६पए से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में दिया गया है तथा तथा जो अबोहर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, फाजिलका में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1958 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-11-1977 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत श्रिष्ठक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बामत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देमे के मन्तरक के दायित्व में कमी करमे या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भिर्धिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः म्रव, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, भैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :---

- (1) श्री सुरेश कुमार, प्रेम प्रकाश, विजय कूमार, पुंत श्री रामचन्द्र, श्रबोहर तहसील फाजिलका (अन्तरक)
- (2) श्री लाल चन्द बेटा श्रो दुती चन्द बेटा धारिया राम वासी श्रवोहर महसील फाजिलका। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है )।
- (4) जो व्यक्ति मम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है हक वह सम्पत्ति में हितबख है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- ` (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी
  भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही गर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## **जन्** सूची

श्रबोहर में एक दुकान जैसा कि रिजस्ट्री नं० 1595 तारीख 10-1-71 और 1608 तारीख 11-1-77 में हैं।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी, सहायक घायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भंटिंडा

तारीख : 14/7/77

मोहर ;

प्ररूप धाई० टी० एत० एस० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 14 जुलाई 77

निदेश सं० ए० पी० 19/77-78 :—- यतः, मुझे, पी० एन० मिलक,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-भ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में विया गया है तथा जो श्रवोहर में स्थित है (श्रीर इससे उपावक श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फाजिलका में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 11 1-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधितियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमीकरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य पास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या भनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रथ उक्त ग्रधिनिवम की धारा 269-ग के धनृसरण में, में, 'उक्त ग्रधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. ग्रधीन्:— 8—186GI/77 (1) श्रो बालक चन्द पुत्र श्री नन्धू राम बुढ़लाडा तहसील मानसा

(ग्रन्तरक)

- (2) थी चर्णदास पुत्र श्रीराम चन्द्र ग्रबोहर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है )।
- (4) जो वाकित सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 4.5 विन की ग्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी भाग्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिष्ठितियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

#### अमुसूची

मंडी ग्रबोहर में एक दुकान में 1/4 हिस्सा जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1617 तारीख 11-1-77 में है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 14-7-77

मोहरः

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस० -----

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

त्रार्जन रेंज, ज₁लग्धर र

जालन्धर, दिनांक 16 जुलाई 77

निदेश सं० ए० पी० - 1683/:—-यनः, मुझे, बी० एस० दहिंगा

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त श्रिधिनियमं कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से ग्रीधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो वपूर-थला रोड, जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्बर, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) भन्तरण से हुई किसी धाय का बाबत, उक्त श्रीध-नियम, के श्राधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधि नियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के निए;

भतः भव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ए के यनुसरण मैं, मैं, जम्ब प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोन :--

- (1) श्री चरण सिंह पुत्र श्री देवा सिंह अपूरथला रोज जालन्धर । (अन्तरक)
- (2) श्री सतीण कुमार तथा पवन तन्द्र, पुत्र श्री णाम नाल बाहरी मनान नं० वी० XXX-278/54, कपूरथना रोड, जानस्थर,

(भ्रन्तरिनी)

- (3) थी। गाम जाल पार्टवर मैठ बाहरी सरद (बह व्यक्ति, जिसके अधिकास में समाचि है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में सित्त स्पति है ) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहरताक्षणी जानता है कि वह सम्पत्ति में डिटाबड़ हे )।

को यह सूचन। जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उनंत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप---

- (क) ६स र चना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन को श्रविध के तत्सग्तर्काः व्यवितयो पर सूचना की तामाल में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से विसी व्यवित दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति होरा धधोहरनाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों थ्रौर पदों का, जो उकत श्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कई होगा की उस श्रिथाय में दिया गया है।

## अनुसधी

जायदाद जैसा कि विकेख तंत्र 4330 सवस्तर 76 को का रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अस्तरधर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी यहापक आपकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैंग रेंज, जालन्धर

तारीख : 1 त/7/77

## प्र**रू**प आई० टी० एन० ए**स०**−

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत क्षरकार

कार्यालय, गहायक आयकर गायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन ∛ज-111,

कलकत्ता, दिनांक 16 जुलाई 77

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्दित, जिसका उचित दाजार मूल्य 25,000/— कु से श्रधिक है

ऑह जिसकी गंज 7 है, भ्या जो फार्न रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध क्षमूचों में ग्रीर पूर्ण कर में बिज हैं), राजम्हीकर्ता अधिकारी के कार्यात्म, श्रीविष्ट्री-करण अधिवियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीत, तारीख़ 17-11-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित जाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति विकास है है, अन्य मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है आर क तरक (शन्तरको) कीर अन्तरिती (शन्तरित्यो) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए का पाया का प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उन्तर शन्तरण कि लिए का पाया कि प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उन्तर शन्तरण कि खिल के नाम्यविक क्षय से कथित नहीं किया गया। है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, े श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय था किसी धन था अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, याधन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

छतः श्रव, उवत श्रिधिनियम की धारा 269-ग के स्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयति:—

- (1) 1. श्री बैदनाथ नाथ राय
  - 2. थीं शिवन य राय
  - 3. श्री मुतनाथ राय
  - 4. श्री मनिभय राय
  - 5. श्री मुधामय राय
  - श्रीमती कमलीनि राय
  - 7. श्री ध्यामल कुमार राय
  - 8. श्री सुक्रत राय
  - 9. श्री स्वपन कुम।र राय

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मनोरंजन पोद्धार और श्रीमती गीता पोद्धार 18/11/बि०, फानं रोड, कलकत्ता- 1

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्ययाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्गेत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी **क से**45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
  में किए जा सकेंगे ।

ह्पक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रथ्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

करीब 2 कट्टा 11 छटांक 30 स्को० फुट जिमन जो 7 फार्न रोड, कलकता पर श्रब स्थित और जो डिस्ट्रिकट रिजस्ट्रार श्रालिपुर द्वारा रिजस्ट्रीकृत दिलल सं० 5653 / 1976 का अनुसार है।

> किशोर सेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, फलकत्ता-16

तारीख: 16-7-77

## .प्ररूप ग्राई० टी० एम० एस०------------

ग्रायकर ग्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 18 जुलाई 77

निर्देण नं० 393/ एकुरे-III/ 77-78/कल०:—-म्रतः मुझे, किणोर सेन

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात (उन्त श्रधिनियम किंहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसवा उचित वाजार मूल्य 25,000/- रू० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं । 11 है तथा जो डोभार लेन, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सियासवह में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 ( 1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 11-11-1976 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-कल के लिये ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रहप्रतिणत से श्रक्षिक है ग्रीर शन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे शन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्सियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में सुधिधा के लिए;

द्यत: घव, उक्त ग्रह्मियम की धारा 269म के श्रनुसरण में मैं, उक्त भ्रष्टिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, मर्थात् :---

- (1) श्री झलोक कुमार घोष 2. श्री प्रदीप कुमार घोष
  - 3. श्री विपंकर घोष , सबका पता 1, बालीगंज पार्क, कलकत्ता 1

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती लेखा राय चौधरी, 15 सि०, सन्त धोप गार्डन रोड, ढाकुरिया, कलकत्ता -1

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भव्याय में विया गया है।

### अमुसूची

करीब 2 कट्ठा 6 छटांक जिमन साथ स्ट्राकचरस, आउट हउसेस और गेराज जो 11 , डोभार लेन, कलकत्ता पर अब स्थित और जो बिलल सं० 946/1976, (सब रिजस्ट्रार सियालदह) का अनुसार हैं।

किशोर सेन सक्षम प्रधिकारी, सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, III कलकत्ता

तारीख : 18-7-1977

मरूप पाई० टी० एन० एस०---

**भायकर प्रधिनिय**म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 **ष** (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जुलाई 1977

निर्वेश सं० राज० | सहा० श्रायु०] श्रर्जन | 371——यत:. मुझे, चुफी लाल

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उम्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 9 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोख 1 दिसम्बर, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) भन्सरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भ्रिधिनयम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या भ्रत्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिक्षितियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त भिक्षितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भिक्षीन निम्मलिखित व्यक्तियों, भर्षात् :--

- (1) श्रीमती सुशीला देवी विधवा डा० श्याम लाल निवासी 44, लिंटन रोड, देहरादून (यू०पी०) (मन्तरक)
- (2) सर्वश्री सुरेश चन्द, सुभाष चन्द, मनोज कुमार, पुत्रान श्री नानगराम एवं श्रीमती पुष्पा जैन, पिन श्री सोभागमल निवासी 2032, बारफवाली गली, विनारी बाजार, बिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जंन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी गाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीख से 4.8 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं सर्व होना, जो उस मध्याय में विया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० 9, होस्पिटल रोड, सी० स्कीम, जयपुर जो उपवंजीयक जयपुर द्वारा कम संख्या 2371 दिनांक 1-12-1976 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> चुन्नी लाल स**सम प्राधिकारी,** स**ह**ायक मायकर मा**युक्त (निरीक्षण)** ध्रजीन रेंज, जयपुर

नारीख : 16-7-77

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

अयपुर, दिनांक 6 अ्लाई 1977

निर्देश संख्या राज०/ सहा० ग्रायु० ग्रर्जन / 370 :~-यत । मक्षे, चन्नो लाल,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ऋधिनियम' वहा गया है) की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपए से मधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 40 कोटा है, तथा जो कोटा में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 11-3-1977

को पूर्वोक्त सम्पृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए धन्तरित की गई है ग्रीर मृझे यह विश्वास करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है ग्रीर भन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर भन्तरित (भन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देशके से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी भाय की बाबत, उक्त श्रीधिनियम, के श्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भेत: प्रेंब, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमती विमला बाई परिन विजय सिंह बैंद, श्रीमिति कंचन बाई परिन श्री रतनलाल बैंद एवं श्री पन्नालाल बैंद पुन्न श्री सोहन लाल बैंद निवासी भीमगंज मण्डी, कोटा।

(अन्तरक)

(2) श्री कन्हैया लाल पुन्न केंद्रार लाल राठौड़, 2. श्री बनवारी लाल पुन्न केणव लाल राठौड़, 3. श्रीमित नाथी बाई पत्नि श्री केंद्रार लाल राठौड़ निवासी छबड़ा जिला कोटा।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीं खंसे 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त हीती ही, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्याकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दो धौर पदो का, जो उक्त प्रधितियम, के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनु सूची

प्लाटनं ० 40, नई धान मंडी, कोटा पर निर्मित मकान जो स्रोर स्रिधिक विस्तृत रूप से उप पंजियक, कोटा द्वारा ऋम संख्या 238,239 एवं 237 पर दिनांक 11 मार्च, 77 को पंजिबद्ध विक्रय पदों में विवरणित है।

> चुनी लाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर मायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 16-7-1977

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के मधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 16 जुलाई 1977

निर्देश संख्या राज० / सहा० ग्रायुक्त ग्रर्जन / ३६९⊷स्यत: , मझे, चली लाल

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रू० में श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० ए-33, है तथा जो तिलकनगर, जयपुर में स्थित है, (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रमूची में श्रौर पूणं रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10 जन०, 1977

को पूर्वीवत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धृष्यमान प्रतिकल के लिए ग्रन्तिरत की गई है ग्रीर मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और ग्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरित्यों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उवत भ्रन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रिशिनयम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और की
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-वर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा

यत: ग्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269म के भ्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों अर्थात् —

- (1) श्री शान्ति लाल बाफना पुन्न श्री मुझा साल बाफना निवासी डी०-22, मोती इंगरी मार्ग, जयपुर
  - (भ्रन्तरक)
- (2) सर्वश्री कृष्ण ग्रवतार, सुरेन्द्र प्रताप, महेण चन्द्र एवं सुणीलकुमार पुतान श्री केदारनाथ भूत, निकासी ए०-33. तिलक नगर, जयपुर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिय**ै गुरू** करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:— े

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पड्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जी उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जी जुन श्रध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनुसूची

्लाह नं ० ए० - 33, प्रभुमार्ग, विलक नगर, जयपुर उस पर निर्माण सहित जैसा कि उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 16 दिनांक 10-1-77 को पंजिबद्ध विकय पन्न में ध्रौर ग्रधिक विस्तृत रूप से विवर्णित हैं।

> चुन्नी लाल सक्षम प्राधिकार सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण, ग्रजन रेंज, जयपुर

नारीख : ७ ज्लाई, 1977

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

**भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ(1) के** ग्रश्चीन सूचना भारत सरकार

कार्यांक्षय सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, शिलाँग

**शिलौग, विनांक 20** जुलाई 1977

निर्देश सं० ए०-133/डीबीश्र(र/77-78/294:—-श्रत:, मुझे, एगबर्ट सिंग,

प्रायकर प्रिष्ठिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य, 25,000/- रुपये से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं वाग सं 497 श्रीर 499 श्रीर पि० पि० सं 191 श्रीर 291 शार्ड पुरनन्द रोड़, दिबरुगर्ड है तथा जो नई श्रमला-पती में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधवारी के कार्यालय दिवरुगर्ड में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम, तारीख 10-12-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीम कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (च) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय माय-कर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की घारा 269ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269श की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—>

- श्री बाबूलाल खेमानी, ए० टि० रोड़, दिबरगर्ड । (भ्रन्तरक)
- 2. श्री विश्वानाथ मंदिर भ्रगरवाला, जलन नगर, दिवरुगर्छ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की श्रवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रश्चोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उक्त श्रिक्षिक नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में विका गया है।

### अनुसूची

जिमन के माप०-बि० 8--का०-17 ले० जो कि दाग सं० 497 और 499 और पि० पि० सं० 191, 291, उसके साथ में एक छ।साम टाइप मकान उसके माप 132 एस० फिट है। यह नइ अमलः पत्ति, दिवस्गई वार्ड, पुरसन्द रोड़, दिवस्गर्ड में स्थित है।

ए**गबर्ट सिंग** स**क्षम प्राधिकारी,** सहायक ग्रायकर **ग्रायुक्त (निरीक्षण),** ग्रर्जन रेंज, **ग्रिलांग** 

तारीख : 20-7-77

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION New Delhi-110011, the 30th June 77

No. P/18-Admn.I.—The President is pleased to permit Shri B. K. Lal, a permanent Grade I Officer of the Central Secretariat Service and officiating as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, after attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of 30.6.77.

P. N. MUKHERJEE Under Secy. Union Public Service Commission

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION New Delhi, the 15th July 1977

No. M-19/65-Ad.V.—Shri Puran Chand, Crime Assistant, C.B.I. is promoted as officiating Office Supdt., C.B.I., Delhi Br. with effect from 6.6.77 to 8.7.77 in the leave vacancy vice Shri M. L. Gulati proceeded on leave.

No. A-19036/4/77-Ad-V.—The Director CBI and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby promotes Shri I. N. Krishna Pillai, Inspector of Police, C.B.I. as officiating Dy. S. P. in the C.B.I. (S.P.E) with effect from the forenoon of 1.7.77 until further orders.

P. S. NIGAM Administrative Officer (E) C. B. I.

#### DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE New Delhi-110001, the 15th July 1977

No. O.II-1045/76-Fstt.—The Director General, C.R.P.F. is pleased to appoint Dr. V. Dalip Murty, as Junior Medical Officer in the C.R.P.F., on an ad-hoc basis for a period of 3 months only with effect from the forenoon of 16th June, 1977 or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is carlier.

No. O.II-1066/77-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Kapil Bhalla, as General Duty Officer, Grade-II (Dy. S. P./Coy. Commander) in the C.R.P.F. in a temporary capacity with effect from the forenoon of 7th July, 1977 until further orders.

No. O.II-1067/77-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Iagadesh Babu Jampala. as General Duty Officer, Grade-II (Dy. S.P./Coy. Commander) in the C.R.P.F. in a temporary capacity with effect from the forenoon of 5th July, 1977 until further orders.

#### The 16th July 1977

No. O.II-81/77-Est.—The President is pleased to appoint on re-employment Lt. Col. Y. G. Mathur (Retd) as commandant in the C.R.P.F. until further orders.

Lt. Col. Mathur took over charge of the bost of Commandant C.W.S., C.R.P.F., Rampur on the forenoon of 24th June 1977.

#### The 18th July 1977

No. O.II-10011/72-Estt.—On the expiry of 86 days' LPR with effect from 6-5-77 to 30-7-77 granted to him. Shri Shreedharan Nair Dy. S. P., GC (Pallipuram) CRPF will retire from this Force with effect from the afternoon of 30-7-77.

Λ. K. BANDYOPADHYAY Asstt, Director (Adm)

## OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE,

New Delhi, the 18th July 1977

No. E-16013(1)/5/74-Pers.—Shri P. P. Singh, IPS (Bihar-1956), D.I.G./CISF Durgapur Steel Plant, Durgapur, has been repatriated to the State cadre with effect from the afternoon of 2nd June, 1977.

9—186G1/77

No. E-38013(3)/17/76-Pers.—On transfer to Ghazipur, Shri Chandgi Ram assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit Govt. Opium & Alk. Works, Ghazipur with effect from the forenoon of 13th June 1977.

No. E-28013/1/77-Pers.—On attaining the age of superannuation Shri Hans Raj Asstt, Commandant, CISF HQrs, New Delhi relinquished the charge of the said post with effect from the afternoon of 30.6.1977.

> L. S. BISHT Inspector General/CISF

#### OFFICER OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhi-110011, the 19th July 1977

No. 11/5/77-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Bhatia, Investigator in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period of six months with effect from the forenoon of 5th July 1977 or till a regular officer becomes available, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri R. K. Bhatia will be at Lucknow.

R. B. CHARI Registrar General, India and ex-officlo Joint Secy.

#### New Delhi-110011, the 18th July 1977

No. P/B(23)-Ad.I.—Shri S. N. Banerjce relinquished charge of the post of Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations Uttar Pradesh, Lucknow with effect from the afternoon of 8th July 1977. His services have been replaced at the disposal of the Government of Uttar Pradesh with effect from the same date

BADRI NATH
Deputy Registrar General, India &
ex-officio Deputy Secy.

# MINISTRY OF FINANCE DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS

Dewas (MP), the 15th July 1977

F. No. BNP/C/23/77.—Shri N. G. Kibe, Accounts Officer in the office of the Accountant General-1, M. P. Gwalior, is appointed on deputation as Accounts Officer in the Office of the General Manager, Bank Note Press, Dewas, initially for a period from 30.6.77 to 31.1.78.

#### The 17th July 1977

F. No. BNP/E/8/M-8.—Shri S. K. Mathur, a permanent Inspector Control who was officiating as Deputy Control Officer on ad-hoc basis in the Bank Note Press, Dewas, is reverted to the post of Inspector Control with effect from the Afternoon of 10-7-77.

P. S. SHIVARAM General Manager

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, CENTRAL REVENUES,

New Delhi, the 18th July 1977

No. Admn.I/0.0.-286/5-8/77-78/822.—The Accountant General has ordered under 2nd proviso to F.R. 30(1) the proforma promotion of Sh. R. K. Sharma, a permanent Section Officers of this office, to the grade of Accounts Officer, in the time scale of Rs. 840—1200, retrospectively with effect from the forenoon of Ist April, 1977, until further orders,

M. L. SORTI, Sr. Dy. Accountant General (A)

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 12th July 1977

No. EB-II/8-132/77-78/134.—Shri B. V. Narasinha Chary, Accounts Officer, Office of the Accountant General, A.P.I/Hyderabad, has retired from service w.e.f. 30th June 1977 (A.N.).

#### The 16th July 1977

No. EB.I/8-312/77-78/142.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Shri P. A. Muthuswamy a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 8th July 1977 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. EB I/8-312/77-78/144.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Shri S. H. Srinivasan, a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hvderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 8th July 1977 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

S. R. MUKHERJEE Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

#### OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR, EASTERN RAILWAY

Calcutta, the 19th July 1977

No. L/8/76-IM(T)—On his attaining the age of superannuation, the name of Shri M. N. Rhattachariee, an Officiating Assistant Chief Auditor of the Office of the Chief Auditor, Eastern Railway. Calcutta is no more borne in the cadre of this office with effect from the midnight of 31st May, 1977.

S. C. MOOKFRIEE Chief Auditor, Eastern Railway, Calcutta.

#### MINISTRY OF DEFENCE D.G.O.F. HQRS. CIVIL SERVICE

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-700069, the 12th July 1977

No. 30/77/G.—On attaining the age of superannuation. Shri Nalinimohan Chatterjee, Subst. & Permt. A.S.O. retired from service with effect from 30th June 1977 (A.N.).

I. B. GHOSH
Adg/Admin. I
for Director General, Ordnance Factories.

## INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-16, the 14th July 1977

No. 31/77/G.—On attaining the age of superannuation, Shri A. P. Bagchi, offg Dv. Manager (Subst. and Permt. Asstt. Manager) retired from service with effect from 31st July, 1976 (AN).

No. 32/77/G.—On attaining the age of superannuation, Shri R. S. Sahni offg. Dy. Manager (Subst. and permt. Asstt. Manager) retired from service with effect from 30th June, 1976 (AN).

#### The 18th July 1977

No. 33/77/G.—Shri K. Ramanathan, offg Assistant Manager (Subst. & normt. Foreman), voluntarily retired from service with effect from 3rd May 1977 (A/N).

M. P. R. PILLAI Assistant Director General, Ordnance Factories.

#### MINISTRY OF COMMERCE

## OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 15th July 1977

IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL

#### (ESTABLISHMENT)

No. 6/155/54-Admn(G)/5105.—The President is pleased to appoint Shri O. N. Anand, Dy. Chief Controller of Imports and Exports (Non-CSS) as Joint Chief Controller of Imports and Exports (CLA), New Delhi purely on ad hoc and temporary basis for the period from 1st February 1977 to 31st May 1977 and as Jt. Chief Controller of Imports and Exports in this office with effect from 1st June 1977 to 30th June 1977.

No. 6/479/57-ADMN(G)/5117.—On attaining the age of superannuation Shri B, J. Handa, a permanent Section Officer of CSS relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of the 30th June, 1977.

A. S. GILL Chief Controller of Imports and Exports.

#### New Delhi, the 18th July 1977

No. 6/941/71-Admn(G)/5173.—On voluntary retirement from Government service, Shri P. V. Solanki relinquished the charge of the post of Controller of Imports and Exports in the office of the Jt. Chief Controler of Imports and Exports, Bombay on the afternoon of the 31st May, 1977.

A. T. MUKHERIEE Dy. Chief Controller of Imports & Exports for Chief Controller of Imports & Exports

## OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 12th July 1977

No. EST.I/2(500).—Shri K. Muthuswamv, Director (N.T) has been permitted to retire voluntarily from Government service with effect from the forenoon of the 16th May, 1977.

M. C. SUBARNA Addl. Textile Commissioner.

#### MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

#### SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 26th April 1977

No. 12/505/65-Admn.(G).—Shrl N. N. Puri, relinquished charge of the nost of Director (Grade II) in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi, on the afternoon of 2nd September, 1976.

2. The President is pleased to permit Shri N. N. Puri. Director (Grade II) to retire from Government service with effect from the afternoon of 31st December, 1976 on his attaining the age of superannuation.

No. 12(694)/71-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri J. B. Ramamurthy as Assistant Director (Grade I) (IMT) in the Small Industry Development Organisation with effect from the forenoon of the 29th January, 1977.

2. Consequent upon the appointment as Assistant Director (Grade I) (IMT) Shri J. B. Ramamurthy assumed charge of the post of Assistant Director (Grade I) in the Small Industries Service Institute, Hyderabad with effect from the forenoon of 29th January, 1977.

No. 12(711)/72-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri A. P. Bose, as Assistant Director (Grade I) in the Small Industry Development Organisation with effect from the forenoon of 4th March, 1977.

2. Consequent upon the appointment as Assistant Director (Grade 1) Shii A. P. Bose, assumed charge of the post of Assistant Director (Grade 1) in the Small Industries Service Institute, Calcutta with effect from the forenoon of 4th March, 1977.

#### The 15th June 1977

No. 12/517/66-Adnin.(G).—The President is pleased to appoint Shii G. Ramachandran, Deputy Director (Statistics) as Director (Grade II) (PI) in the Small Industry Development Organisation on an ad hoc basis for a period of one year with effect from the forenoon of 31st May, 1977 or till the post is encadred in Grade II of I.S.S. whichever is earlier.

2. Consequent upon the appointment as Director (Grade II) (PI) Shri G. Ramachandran relinquished charge of the post of Deputy Director (Statistics) in the office of the Development Commissioner, Small Scale Industries with effect from the forenoon of 31st May, 1977 and assumed charge of the post of Director (Grade II) (PI) in the same office with effect from the same date and time.

No. 12/555/67-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri P. N. Gupta, Deputy Director to retire from Government service with effect from the atternoon of 31st March, 1977, on his attaining the age of superannuation.

2. Shri P. N. Gupta, has accordingly relinquished charge of the post of Deputy Director, in the Small Industries Service Institute, Jaipur, on the afternoon of 31st March, 1977.

No. 12/578/68-Admn.(G).—The President is pleased to appoint on an *ad hoc* basis Shri A. Mukherjee as Assistant Director (Grade I) in the Small Industry Development Organisation with effect from the forenoon of the 4th April, 1977 to 30th June, 1977 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

2. Consequent upon the appointment as Assistant Director (Grade I) Shri A. Mukherjee relinquished charge of the post of Assistant Director (Grade II) in the Small Industries Service Institute, Calcutta on the forenoon of the 4th April, 1977 and assumed charge of the office of Assistant Director (Grade I) in the same Institute on the same date.

No. A-19018(279)/77-Admn.(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi is pleased to appoint Shri N. P. Bhatnagar, Small Industry Promotion Officer (EI) to officiate as Assistant Director (Grade II) (EI) in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi on an ad hoc basis for the period from 7th May 1977 to 31st December 1977, or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier. Consequent on his promotion as Assistant Director (Grade II) (EI) Shri N. P. Bhatnagar assumed charge of the post of Assistant Director (Grade II) (EI) in the forenoon of 7th May, 1977, in the same office.

V. VENKATRAYULU Deputy Director (Admn.).

## MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 12th June 1977

No. A-19012(87)/77-Estt.A.—Shri D. K. Kundu, permanent Senior Technical Assistant (Geo.) is promoted to the post of Asstt. Mining Geologist in Group 'B' post in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 28th May 1977, until further orders.

SURESH CHAND Head of Office.

## SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE Dehra Dun, the 11th July 1977

No. E1-5246/913-H.—In continuation of this office Notification No. E1-5147/913-H, dated 20th October, 1976, the ad hoc appointment of Shri R. K. Chamboli, Hindi-Officer of the surveyor General's Office is further extended upto 30th September 1977 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

#### The 16th July 1977

No. C 5248/594—The undermentioned Technical Assistants, Map Reproduction (Selection Grade) are appointed to officiate as Assistant Manager, Map Reproduction (GCS Group B) in the Survey of India in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1100-E. B.-40-1200 with effect from the date es stated against each until further orders:—

	Name		With effect from	Office to which posted
1.	Shri Z. Dennis .		13-6-77 (FN)	No. 101 (HLO) Printing Group (MP Dte.) Dehradun
2.	Shri Tarapada Sinha	٠	9-6-77 (FN)	No. 102 (PLO) Printing Group (EC)
3.	Shri Attar Singh	•	4-6-77 (FN)	No. 103 (PZO) Printing Group (MP Dte) Denra Dun .

No. C-5249/718-A.—Shri U. S. Srivastava, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office who was appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post) on ad hoc basis, in Map Publication Directorate, Survey of India with effect from 7th March 1977 (F.N.) vide this office Notification No. C-5197/718-A dated the 29th March 1977, will now continue to officiate as such on ad hoc basis in the same Directorate vice Shri S. D. Kararia, Establishment and Accounts Officer proceeded on leave from 20th June 1977 (F.N.).

#### The 18th July 1977

No. C-5252/707.—The undermentioned Draftsmen Division I Selection Grade are appointed to officiate as Officer Surveyor (GCS Group 'B') in the Survey of India, on ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 9th June 1977;—

Name & Office to which posted

- 1. Shri P. C. Mitra-No. 4 D.O. (SC), Bangalore.
- 2. Shri K. M. Ananthanarayanan—No. 4 D.O. (SC), Bangalore,

K. L. KHOSLA Major General Surveyor General of India (Appointing Authority).

#### ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12 the 18th July 1977

No. F. 92-131/77-Estt./1776 is P. K. Singh, Senior Zoological Assistant, Central, i. Statio Zoological Survey of India, Jabalpur, is hereby the post of Assistant Zoologist (Group B) in the Senior Calcutta in a temporary capacity on ad hoc basis with effect from 25th June, 1977 (forenoon), until further orders.

DR. T. N. ANANTHAKRISHNAN
Director,
Zoological Survey of India.

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 16th July 1977
No. 4(45)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Buddhadeb Chakrabarty as Programme Executive, All India Radio, Lucknow in a temporary capacity with effect from 30th June, 1977 and until further orders.

N. K. BHARDWAJ Deputy Director of Administration, for Director General.

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

#### New Delhi, the 13th July 1977

No. 20/1(6)/75-CGHS.I(Pt.I.).—On his transfer from S.M.E. Organisation, Bombay, Dr. Suresh Prakash, Radiologist, assumed charge of the post of General Duty Officer, Grade I under Central Government Health Scheme, Delhi on 16th June 1977.

No. A-38012/1/77-CGHSJ.—Consequent on attaining the age of superannuation Dr. Harbhajan Singh, General Duty Officer Grade I working under C.G.H.S., Delhi, relinquished charge of his post on 31st May 1977 (A.N.).

No. A-38012/2/77-CGHS.I.—On the expiry of on availing one year extension of service beyond the date of compulsory retirement, Dr. B. R. Handa, relinquished charge of post of General Duty Officer, Grade 1 under Central Government Health Scheme, Delhi on 6th June 1977 (F.N.).

R. K. JINDAL Deputy Director Admn. (CGHS).

#### New Delhi, the 11th July 1977

No. A-12026/12/77-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. K. L. Kohli to the post of Dental Surgeon under the Central Government Health Scheme for 83 days with effect from the forenoon of the 2nd May, 1977 to the 23rd July, 1977.

No. A-32014/2/77-(SJ) Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. S. Passi, Physiotherapist, Satdarjang Hospital, New Delhi, in the post of Senior Physiotherapist, at the same Hospital, with effect from the forenoon of 25th February, 1977, on a temporary basis, and until further orders.

#### The 16th July 1977

No. 26-8/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Sharanjit Singh to the post of Research Officer (Microbiology) at the Plague Surveillance Unit, National Institute of Communicable Diseases, Bangalore with effect from the forenoon of 31st May 1977, in a temporary capacity and until further orders.

#### The 18th July 1977

No. A.19019/52/77(NTI) Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Hardan Singh, Investigator in the Department of Family Welfare, New Delhi, to the post of Statistician in the National Tuberculosis Institute, Bangalore, with effect from the forenoon of the 30th May 1977, on an ad hoc basis, and until further orders.

S. P. JINDAL, Dy. Director Admn. (O&M)

#### (DRUGS SECTION)

#### New Delhi, the 13th July 1977

No. A.12026/8/77-D.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee the Director General of Health Services is pleased to appoint Shir C. S. Chavan, Senio Scientific Assistant in the Office of the Assistant Drug Controller (India), Bombay as Technical Officer in the Central Drugs Standard Control Organisation, Santacruz Airpert, Bombay on an ad hoc basis with effect from 13th June 1977 (F.N.) and until Jurther orders.

S. S. GOTHOSKAR, Drugs Controller (India) for Director General of Health Services

## MINISTRY OF AGRICULTURAL AND IRRIGATION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

### DIFECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Nagpur, the 13th June 1977

No. F.3(13)/51/75-DII.—In exercise of the powers conferred by the Ministry of Finance (Revenue Division) Customs Notification No. 48 dated the 24th May 1954 I hereby

authorise Shri S. Suba Rao, Marketing Officer, to issue Certificate of Grading from the date of issue of this notification, in respect of bristles which have been graded in accordance with the Bristles Grading and Marking (Amendment) Ruics, 1975 and export of which is subject to the provisions of the above mentioned notifications.

#### The 18th June 1977

No. F.2/8/76-DII.—For the purpose of Government of India, Ministry of Finance (D:pariment of Revenue), Ministry of Foreign Trade Ministry of Commerce, notification No. 125, 126, 127, dated 15-9-1962, No. 1131, 1132, dated 7-8-65, No. 2907, dated 5-3-7, No. 3601-A, 3601-B, 3601-C, dated 1-10-71, No. 3102, dated 3-11-73, No. 1133, 1134, 1135, dated 7-8-1965, No. 448, dated 14-3-1964, No. 1130, dated 7-8-1965 and published in the Gazette of India, I hereby authorise the following officers to issue Certificate of Grading from the date of issue of this notification in respect of Black Pepper, Chillies, Cardamom, Ginger, Turmeric Coriander, Fennelseed, Fenugicek Seed, Celery Seed, Cumin Seed, Onion, Garlic, Pulses, Table Potatoes and Tendu Leaves which have been graded in accordance with the provisions of the Grading and Narking Rules of the respective commodities and formulated under section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937):

- 1. Shri K. K. Vijayan-Asst. Marketing Officer.
- 2. Smt. R. Lalitha-Sr. Inspector.

J. S. UPPAL, Agricultural Marketing Adviser

#### Faridabad, the 13th July 1977

No. F.4-6(123)/77-A.III.—Shri S. N. Upadhyay, Sr. Inspector has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group II) in the Directorate of Marketing and Inspection at Calcutta with effect from 20th June 1977 (F.N.) until further orders.

V. P. CHAWLA,
Director of Admn.
for Agricultural Marketing Adviser

#### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

#### HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 20th July 1977

Ref. HWPs/Estt/1/C-33/3974.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Dattatraya Shriram Chine, a temporary Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Accountant of Heavy Water Project (Kota), to officiate as Assistant Accounts Officer in the same project in a temporary capacity on an ad hoc basis, from May 2, 1977 (FN) to July 2, 1977 (AN) vice Shri S. R. Shidlyali, Assistant Accounts Officer, granted leave.

T. C. SATHYAKEERTHY, Senior Administrative Officer

## REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam-6031(2, the 1st June 1977

No. A 32013/3/76/R-9497—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints the following temporary officials of the Centre as Scientific Officers Grade-SB in the Scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-E. B. -35-880-40-1000-E. B. 40-1200 in the same Centre in 1 temporary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1977 until further orders:—

- . Shri S. Krishnamurthy . Draughtmans 'C'
- 2. Shri K. Ravindran . Scientific Assistant 'C'
- 3. Shri V. Nirmal Gandhi . Scientific Assistant 'B'

K. SANKARANARAYANAN,
Senior Administrative Officer
for Project Director,
Reactor Research

#### DEPARTMENT OF SPACE VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE Triyandrum-695022, the 28th June 1977

No. VSSC/ESI/01-37—The Director, VSSC hereby appoints the folloing Officers in VSSC, Department of Space, as Scientist/Engineer SB in the officiating capacity with effect from the forenoon of the dates shown against each and until further orders:—

SI. No.	NAME	Designation	Date
1	2	3	4
1. Shri A yaya	K. Chattopadh-	Scientist/Engi-	1-1-1976
2. Shri A	lok Banerjee .	ncer SB Scientist/Engi- ncer SB	1-1-1976
3. Shri Vi	shau Beharilal .	er i i i i i i i i i i i i i i i i i i i	1-1-1976
4. Shrl P.	C. Thomas	Scientist/Engi- neer SB	1-1-197 <b>6</b>
5. Shri T. Nair	N. Vijayagopalan	Scientist/Engi-	1-1-1976
6. Shri P.	R. Pathasarthi	neer SB Scientist/Engi- neor SB	1-1-1976
7. Shri Su	ibhish Bhagwat .	Scientist/Engi- neer SB	1-1-1976
8. Shri K	. Sarasan	Scientist/Engi- neer SB	1-1-1976
9. Shri N	. Chockalingam	Scientist/Engi- neer SB	1-1-1976
10. Shri T	homas Mathew .	Scientist/Engi- neer SB	1-1-1976
11. Shri M	I. Sasidharan Nair	Scientist/Engi- neer SB	1-1-1976
12. Shri K	. G. Ramachandra	n Scientist/Engi- beer SB	1-1-1976
	Krishankumar .	Scientist/Engi- neor SB	1-1-1976
	4. Y. Sathyanarc- rasad	. Scientist/Engi- neer SB	1-1-1976
15. Shri 1	N. Ajith	Scientist/Engi- necr SB	1-1-1976
16. Shri R	aikrishna Kumar	Scientist/Engi- neer SB	1-1-1976
17. Shri S	yed Mahmood .	Scientist-Fngi-	1-1-1976
18. Shri K maniar	. N. Balasubra-	. Scientist/Engi-	1-1-1970
19. Shri S	. Velayudhan Nair	neer SB Scientist/Engi-	1-1-1976
20. Shri S	. Swaminathan	ncer SB - Scientist/Engi- neer SB	1-1-1976
21. Shri A lecha	nand Mall M. Gu-		1-1-1976
22. Shri R Pillai	. Radhakrishna	Scientist/Engi-	4-2-1976
23. Shri N	l. Gopalakrishna	neer SB  Scientist/Engi- neer SB	1-3-1970
24. Shri R	Rajachandra	. Scientist/Engi- neer SH	29-3-1976
25. Shri S	. Padmakumar	Scientist/Engi- neer SB	1-7-1970
26. Shri U	J. P. Prakash	. Scientist/Engi- neer SB	1-9-1976
27. Shti K	. Unnikrishnan	Scientist/Engi- neer SB	15-9-1976
28. Shri l dhari	Deb Kumar Chou		1-1-1977

RAJAN V. GEORGE, Admn. Officer-II (EST) for Director

## MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 16th July 1977

No. E (1) 01008—The Director General of Observatories hereby appoints the undermentioned Professional Assistants, to officiate as Assistant Meteorologist as follows:—

S.	Namo	Pe	riod	Office to which
No	Name O.	From	То	posted
1. 5	Shri N. V. Parameswatan	4-6-77	31-8-77	Dy. Director General of Ob- servatories C i- matology), Pune
2. 3	Shri G. S. Prakesa Rao	16-6-77	19-8-77	Dy. Director (Forecasting), Pune.
3. :	Shri R. V. Kelkar .	16-6-77	19-8-77	do
4.	Shri S. K. Das .	6-5-77	2-8-77	Regional Meteorological Centre, New Delhi.
5.	Shri A. K. Mehra .	1-6-77	28-8-77	do
6.	Shri B. Sankaraiya .	16-6-77	31-8-77	Regional Me- teorological Ce- ntre, Nagpur.
	Shri K. Narasimha-			
	murthy	18-6-77	19-8-77	Director, Agri- culturel Meteo- rology, Pune.
8.	Shri S. Venkataramani .	16-6-77	19-8-77	—do—
9.	Shri A. N. Rao	16-6-77	19-8-77	Director, (Instruments), Pune.

No. E(I)05859.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri K. Jayaraman, Professional Assistant, office of the Director (Instruments), Pune, India Meteorological Department, as Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in an officiating capacity with effect from the forenoon of 9th May 1977 until further orders.

Shri Jayaraman remains posted to the office of the Director Instruments, Pune.

#### The 20th July 1977

No. E(I)06560.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri H. C. Mehra, Professional Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of 58 days with effect from the forenoon of 5th July 1977 to 31st August 1977.

Shri Mehra, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

M. R. N. MANIAN,
Meteorologist
for Director General of Observatorics

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

#### New Delhi, the 4th July 1977

No. A 32013/6/76-ES (i)— The President is pleased to appoint the undermentioned officers to the grade of aircraft Inspector on an ad-hoc basis w. c. f. the dates noted against each upto 28-2-1977:—

S. No	Name	 Date of appointmen	Stattion of post- ing
	Shri Anupam Bagchi Shri R. C. Gupta.		R. D. Office, Delhi. Inspection office Hyderabad.
3.	Shri S <sup>1</sup> Majumdar	28-12-76	R. D. office, Calcutta.
4.	Shri H. M. Phull .	3-1-77	R. D. office, Calcutta.

(1)	(2)			(3)	(4)
5.	Shri L. A. Muha	lingam.	30-12-1976	Inspect Bangale	
6.	Shri A. K Ray		31-1-77 (AN)	R. D. ras.	Office, Mad-
7.	Shri S. P. Singh		28-12-76	R. D. bay.	Office, Bom-
8.	Shri D. P Ghose		23-12-76	R. D	Office, Delhi
9,	Shri M. Mustafa		29-12-76	R, D. bay.	Office, Bom-

No. A 32013/6/76/ES (ii)--The President is pleased to appoint the undermentioned officers to officiate as Senior Aircraft Inspector on an ad hoc basis w. e. f. the dates noted against each upto 28-2-1977:—

Date

Station of

Name

No.			of appoint- ment	posting		
1.	Shri S. L. Srivastava		27-1-77	Inspection Office, Patna.		
2.	Shri Phillip Mathew	•	31-1-77 (AN)	R. D. Office, Mad-		

#### The 12th July 1977

No. A.12025/6/77-ES.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri H. S. Khosla to the grade of Deputy Director Airsafety (Engg.)/Regional Controller of Air safety (Engg.) and to post him as Regional Controller of Airsafety (Engineering) in the office of the Regional Director, Delhi w.e.f. the 29th April 1977 (FN).

#### The 13th July 1977

No. A.40012/3/76-ES.—The President is pleased to retire Shrl A. K. Banerjee, Aircraft Inspector in the office of the Regional Director, Bombay under F.R. 56(j) w.e.f. the afternoon of the 2nd April 1977.

#### The 16th July 1977

No. A12025/7/75-ES—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint the undermentioned officers as Aircraft Inspectors in the Civil Aviation Department in an officiating capacity with effect from the date noted against each and until further orders:—

S.	Name ).	Date of appoint- ment	Station of posting		
1.	Shri Sukhvinder Singh Nat	17 <b>-</b> 6-77	C/o the Regional Dir., Delhi.		
2.	Shri Surja Prakash Sen- gupta	28-6-77	C/o the Regional, Dir., Bombay.		

V. V. JOHRI, Assistant Director of Administration

#### New Delhi, the 20th April 977

No. A 32014/1/76-EC—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following two Communication Asistants to the grade of Assistant Communication Officer on a regular basis with effect from the date indicated against

cach and until further orders and to post them at the station indicated against each :—

S. No.	Nam <sub>e</sub>		Date from which ppointed	Station of posting	
1. Shri S. A	Arokiam .		21-3-77 (FN)	A. C. S., Calcutta	
2. Shri A.	S. Katdaro		30-3-77 (FN)	A. C. S., Lucknow	

#### The 7th July 1977

No. A.32013/11/76-EC.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Maheshwari, Communication Officer in the office of the Regional Director, Delhi Region, Safdarjung, Airport, New Delhi to the grade of Senior Communication Officer on a regular basis with effect from the 21st June 1977 (FN) and until further orders and to post him in the office of the Director General of Civil Aviation, R. K. Puram, New Delhi.

#### The 15th July 1977

No. A.32013/17/76-EC.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Das, Assistant Director of Communication (Headquarters), Civil Aviation Department as Regional Controller of Communication on ad hoc basis with effect from the 29th June 1977 (FN) and upto the 30th April 1978 or till regular appointments are made to the grade whichever is earlier and to post him at Calcutta Airport, Dum Dum, Calcutta-52.

P. C. JAIN, Asstt. Director (Admn.)

#### OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 14th July 1977

No. 1/359/77-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri V. S. N. Murthy, Technical Assistant, Switching Complex, Bombay, as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 6th May 1977 to 10th June 1977 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

P. K. G. NAYAR, Dy. Director (Admn.) for Director General

## COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

#### Allahabad, the 4th July 1977

No. 21/1977,—Shri R. C. Malhotra, confirmed Inspector (S.G.) of Central Excise, posted on deputation to Statistics and Intelligence Branch, New Delhi and appointed to officiate as Superintendent Central Excise Group 'B' until further orders, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, vtde Collector of Central Excise, Allahabad Establishment Order 52/1977, dated 11th March 1977 issued under endorsement C. No. II (3)93-ET/77/6838, dated 11th March 1977 and subsequently medificia vide Collector of Central Excise, Allahabad's Establishment order No. 81/1977, dated 31st March 1977 issued vide C. No. II (3)93-ET/77/8182, dated 1st April 1977 took over charge of the office of the Superintendent Group 'B' in the Central Excise, Integrated Divisional Office, Lucknow in the F.N. of 30th April 1977.

K. S. DILIPSINGHJI, Collector

### Nagpur, the 13th July 1977

No. 11,—Shri S. L. Tiwari, Assistant Collector (L.R.) Central Excise Collectorate, Nagpur, lately holding the charge of Assistant Collector, Central Excise Division-II, Nagpur, has assumed the charge of the Assistant Collector, Central Excise Division, Gwalior in the forenoon of 25th April 1977.

No. 12.—Consequent upon his posting as Assistant Collector, Central Excise Division-II, Nagpur, Shri B. L. Ganjapure, has assumed the charge of Assistant Collector, Central Excise, Division-II, Nagpur in the forenoon of 28th April 1977.

No. 13.—Consequent upon his transfer, Shri H. S. Brar, lately posted as Assistant Collector, Central Excise Division, Bhopal, has assumed the charge of Assistant Collector, Central Excise Division, Gwalior in the afternoon of 6th May

No. 14.—Consequent upon his transfer, Shri S. L. Tiwari, lately posted as Assistant Collector (L.R.), Hqrs. Office, Nagpur, has assumed the charge of Assistant Collector, Central Excise Division, Bhopal in the forenoon of 9th May

No. 15.—Consequent upon his posting, Shri N. S. Dixit, lately posted as Assistant Collector (Audit), Central Excise Hqrs. Office, Nagpur has assumed the charge of Assistant Collector (L.R.) Central Excise, Hqrs. Office, Nagpur in the afternoon of 31st May 1977.

> M. S. BINDRA. Collector

#### Madras-1, the 11th July 1977 CUSTOMS/ESTABLISHMENT

No. 9/77.—S/Shri A. Srinivasa Iyengar, R. Krishnama-chari, T. L. Krishnamurthy, K. V. Varadhan and J. A. Tangiah, and T. M. Sonadri, Senior Grade Preventive Officers, Madras Custom House are promoted to officiate as Superintendents of Customs (Preventive) in the Madras Custom House with effect from 2nd May 1977 afternoon and let by 1077 forence treatment of the superintendents of Custom House with effect from 2nd May 1977 afternoon and let by 1077 forence treatment of the superintendents of Custom House with effect from 2nd May 1977 afternoon and let by 1077 forence treatment of the superintendents of Custom House with effect from 2nd May 1977 afternoon and let by 1077 forence treatment of the superintendents of Custom House with the superintendents of Custom House with the superintendents of Custom Superintenden 1st July 1977 forenoon respectively and until further orders.

#### The 16th July 1977

No. 10/77.—S/Shri P. Balasundaram, Examiner (OG), and T. Govindaswamy, Deputy Office Superintendent Madras Custom House, promoted to officiate as Appraisers—vide Madras Custom House order Nos. 113/77, dated 2nd May 1977 and 127/77, dated 7th May 1977 assumed charge as Appraisers on the afternoon of 2nd May 1977 and 7th May 1977 respectively at Madras Custom House,

No. 11/77.-S/Shri C. S. Srinivasan, O. P. Phalgunan and No. 11/77.—S/Shri C. S. Sriniyasan, O. P. Phalgunan and S. Lakshmanan, Examiners (SG), Madras Customs House, promoted to officiate as Appraisers—vide Madras Custom House order No. 128/77, dated 7th May 1977, 137/77, dated 16th May 1977 and 143/77, dated 24th May 1977 assumed charge as Appraisers on the afternoon of 7th May 1977, 16th May 1977 and 25th May 1977 foremoon respectively at Madras Custom House.

### The 19th July 1977

No. 8/77.—Shri D. Balasubramaniam is appointed as Direct Recruit Appraiser (Expert) in this Custom House with effect from 29th April 1977 forenoon in a temporary capacity and until further orders,

> M. G. VAIDYA, Collector of Customs

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 18th July 1977

No. 19012/546/75-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission, is pleased to accept the resignation of Shri Nathl Singh, Assistant Research Officer, (Scientific-Physics). Central Water Commission with effect from the afternoon of 29th June 1977.

> MEHNGA RAM, Under Secv. for Chairman, C.W. Commission

#### NORTHEAST FRONTIER RAILWAY

GENERAL MANAGER'S OFFICE (PERSONNEL BRANCH)

Pandu, the 8th July 1977

No. F/55/III/95 Pt. II(0).—Shrl R. K. Awasthi a Junior Scale Officer of the Stores Department now Offg, in the JA Grade is confirmed in the Senior Scale with effect from 18th March 1976.

#### Calcutta, the 11th July, 1977

No. E/55/91/Pt. III (O)—The following officers are confirmed in Class II service as Assistant Operating Supdt./Assistant Commercial Superintendent with effect from the date noted against each :-

Sr. No.	Name of the Officer					Date of from which confirmed		
1.	Shri J. M. Chowdhu	ry				٠.	4-11-70	
2.	Shri S. N. Ganguly				,		13-12-71	
3.	Shri S. C. Dey						29- 1-76	
4.	Shri R. P. Sengupta				•		1- 6-76	

G. H. KESWANI, General Manager

#### Calcutta, the 16th July 1977

No. AC 190/Admn.—Shri S. K. Banerjee is confirmed in class II service as a special case w.e.f. 2nd May 1977 against the Junior scale post of Asstt. Deputy General Manager allotted to the cadre of Civil Engineering Department, Authority Board's letter No. 77E(GC)1-8, dated 2nd May 1977.

> V. C. A. PADMANABHAN, General Manager

#### NORTHERN RAILWAY HEADQUARTERS OFFICE

New Delhi, the

1977

No. 9.—The following officers of Mechanical Engineer Departments, have finally retired from Rly. Service from the dates noted against each.

- Shri Anoop Singh, AWM/ASR—30-4-77 A.N.
   Shri Bhagat Singh, AME/ID/Hd. Qrs. 30-6-77 A.N.
   Shri H. L. Chaudhari, DME/MB. 30-6-77 A.N.
   Shri S. L. Srivastava, WM/CB-LKO, 30-6-77 A.N.

J. N. KOHLI, General Manager

#### MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) (COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES NOTICE UNDER SECTION 445 (2)

In the matter of the Companies Act, 1956 M/S Shital Beverages Pvt., Ltd.

Ahmedabad-380009, the 12th July 1977

No. 1651/Liquidation.—By an order dated 7th March 1977 of the High Court of Gujarat at Ahmedabad in Company Petition No. 66/1976, it has been ordered to wind up M/S Shital Beverages Pvt. Ltd.

> J. G. GATHA, Registrar of Companies, Gujarat

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Punjubi, Himachal Pradesh and Kashmir Pipe Dealers Private Limited.

#### Jullundur, the 15th July 1977

No. G/Stat/560/2376.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Punjab Himachal Pradesh and Kashmir Pipe dealers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of General Finance Private Limited

#### Jullundur, the 15th July 1977

No. G/Stat/560/2228/4328.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of General Finance Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. TAYAL, Registrar of Companies, Punjab, H.P. & Chandigarh

## NOTICE UNDER SECTION 445(2) OF THE COMPANIES ACT, 1956

In the matter of M/s Northern India Land and Finance Private Limited

Delhi, the 14th July 1977

No. Co. Liqn/2983/1273.—By an order dated the 1st December 1975 of the Hon'ble High Court of Delhi M/s Northern India Land and Finance Private Limited has been ordered to be wound up.

R. K. ARORA, Asstt. Registrar of Companies, Delhi and Haryana

#### Madras-600006, the 15th July 1977

No. 3984/Liqn./CLA/S.560/TA/77.—Whereas Dinaseithi Limited, (In Liquidation) having its registered office at 101, Purasawalkum High Road, Madras is being wound up;

AND WHEREAS the undersigned has reasonable cause to believe that no Liquidator is acting the affairs of the company have been completely wound up and that the statement of accounts required to be made by the Liquidator have not been made for a period of six consequitive months;

NOW THEREFORE, in pursuance of the provisions of subsection (4) of Section 560 of The Companies Act 1956 notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of Dinaseith Limited, (In Liquidation) will unless cause is shown to the contrary be struck off the register and the company will be dissolved.

C. ACHUTHAN, Asstt. Registrar of Companies, Tamil Nadu, Madras

## OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-ŢAX, ORDER

## Allahabad, the 4th May 1977

Income-tax Act, 1961—Section 123(1)&(2) Jurisdiction of IACs of Income-tax in C.I.T. Allahabad Charge—

C. No. 284/Tech/CIT-Jurs/77-78.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) and (2) of Section 123 of the I.T. Act, 1961 and in supersession of all previous orders on the subject, I the Commissioner of Income-tax, Allahabad hereby direct that w.e.f. 9th May 1977 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax posted to the ranges, specified in column 2 of the schedule annexed hereto, shall perform their functions in respect of all persons and classes of persons and of all incomes and classes of income in the area comprised in the Incometax Circles specified in the corresponding entries in column 3 of the said schedule.

#### The 26th May 1977

Jurisdiction section 124(1)&(2) of Income-tax Act, 1961—Income-tax Circle-Creation of

F. No. 81(c)GL/GZP/Tech/77-78.—A new Income-tax circle to be known as "Income-tax Officer Ghazipur" is hereby created with effect from 1st June 1977.

#### SCHEDULE:

SI. No	I. A. C. ]	Range		Number of Circle or sub- charge included in the Range
1.	Allahabad	-	. I. 2. 3. 4.	Allahabad. Sultanpur. Faizabad. Fatchpur
2.	Gorakhpur		. 1. 2. 3. 4. 5. 6. 7.	Gorakhpur. Basti Gonda Bahraich Azamgarh Ballia Daoria.
3.	Varanasi	. ,	. 1. 2. 3.	Varanasi Mirzapur Jaunpur.

SHEIKH ABDULLAH Commissioner of Income tax, Allakabad

(1) Shri Babulal Khemani A.T. Road, Dibrugarh.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 19th July 1977

Ref. No. A-133/DBR/77-78/294.—Whereas I, EGBERT SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag No. 497 and 499 and P.P. No. 191 & 291 situated at New Amolapatty word on Purnanda Road, Dibrugarh

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer

at Dibrugarh on 10-12-1977

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

10---186GI/77

(2) Shri Biswanath Modi (Agarwala), Jalannagar, Dibrugarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring OB-4K-17L covered by Dag No. 497 and 499 and P.P. No. 191, 291 along with an Assam Type building measure 132 Sq. m situated at New Amolapatty, Word on Purnananda Road, Dibrugarh, Assam.

EGBERT SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date: 19-7-1977

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Urvesh Lughiani, Wife of Musaddi Lal Lughiani, Resident of 18, Mission Compound, Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Jog Dhian Sahni, Son of Shri Devi Ditta Mal, Resident of 114, Thapar Nagar, Mecrut City.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th July 1977

ef. No. 610/Acq/Meerut/76-77/2115.—Whereas R. P. BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut on 1-11-1976

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of house property bearing No. 114, Thapar Nagar, Mccrut, transferred for an apparent consideration of Rs. 68,000/-,

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 15-7-1977

(1) Smt. Sarla Devi, W/o Raghubir Pd. Agarwal, R/o 3/21-A, Civil Lines, Agra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S/Shr; Smt. Lajjawati, W/o Arjun Lal, Smt. Geeta Devi W/o Shri Bishan, Smt. Sushma W/o Shri Bhagwan, and Om Prakash S/o Arjun Lal, R/o Nala Bhairon, Belanganj, Agra.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

KANPUR

Kanpur, the 15th July 1977

Ref. No. 84-Λ/Λcq/Agra/77-78/2118.—Whereas, IR. P. BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

As per schedule, situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 9-12-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections ,if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Kothi No. 3/21-A, Plot No. 12, Nagar Mahapalika, Agra, situated at Civil Lines, Agra transferred for an apparent consideration of Rs. 48,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 15-7-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th July 1977

93-A/Acq/Nakur/77-78/2119.--Wherens. Ref. No. R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the oflice of the Registering Offleer at Nakur on 13-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Gurdeep Singh S/o Hazara Singh and Malagar Singh S/o Santa Singh, Resident of Vill. Sakrullapur, P.O. Sarsawa, Parg. Sultanpur, Tch. Nakur, Distt. Saharanpur.

(Transferce)

(2) S/Shri Kaher Singh S/o Arjun Singh, Sukkha Singh S/o Preetam Singh, and Man Singh S/o Hajoor Singh, Resident of Vill. Sakrullapur, Parg. Sultanpur, Teh. Nakur, Distt. Saharanpur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used .herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Agricultural land, situated at Vill, Sakrullapur, Parg. Sultanpur, Teh. Nakur, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 45,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpul

Date ; 15-7-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 16th July 1977

Ref. No. 50/Acq/Mcerut/77-78/2116.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. As per schedule

situated at per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Meetut on 6-1-1977

ior an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Bhawani Prasad S/o Gauri Sahai, R/o Patel Nagar, Thapar Nagar, Gali No. 7, Meerut Present No. Hajari Ki Pyau, 299 Clement Street, Meerut and Shri Madan Mohan S/o Lala Gomati Pd. Gupta, 236, Patel Nagar, Thapar Nagar, Meerut.

(Transferor)

(2) S/Shri Sarup Lal S/o Bhagwan Das, R/o Beerukuwan, Mcciut, and Sarwan Kumar S/o Shri Badri Nath, 295, Thapar Nagar, Meerut City.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of house property with land situated at Street No. 7. Thapar Nagar, Mecrut, transferred for an apparent consideration of Rs. 90,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 16-7-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 19th July 1977

Ref No 91 A/Acq/Dehradun, 77 78/2117 — Whereas I, R P BHARGAVA,

being the Competent authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/ and bearing No As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 14-12-1976

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shii Jawandamal Bhusry S/o
 Shri Mohan I al Bhusry,
 Circulai Road, Dehradun

(Transferor)

(2) Shri Subhash Chandra S/o Vishan Das, 12, Dispensary Road, Dehradun

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Part of Property No 16, Circular Road, Dehradun, transferred for an apparent const detation of Rs 32,000/-.

R P BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date 19-7 1977

#### FORM ITNS———

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OI TH! INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 19th July 1977

Ref No 89-A/Acq/Dehradun/77-78/2128.—Whereas I, R P BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing

As per schedule, situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dehradun on 14-12-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moome arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:—

(1) Jawandamal Bhusiy S/o Mohan Lal Bhusiy, 16, Circular Road, Dehradun

(Transferor)

(2) Shri Vishan Dass S/o Tulsi Das,12, Dispensary Road, Dehradun

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Part of Property No. 16, Circular Road, Dehradun, transferred for an apparent consideration of Rs. 17,000/-

R P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date · 19 7 1977

#### FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th July 1977

Acq/1/Kannauj/77-78/2126,---Whereas T. No. R. P. BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule, situated As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kannaui on 19-11-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

 Shri Baburam S/o Nekram, Resident of Vill. Behra, Pargana Tirwa, Teh. Kannauj, P.O. Thathiya, Distt. Farrukhabad.

(Transferor)

(2) S/Shri Ram Singh, Shiv Singh, Nepal Singh (Majors) and Vinod Singh (Minor) Sons of Ram Krishan, and Smt. Savitri W/o Babu Ram, R/o Behra, P.O. Thathiya, Distt, Farrukhabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land comprised in Khata No. 130 measuring 4.19 acres situated at Vill. Behra, Parg. Tirwa, Teh. Kannauj, Distt. Farrukhabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 32,000/-.

> R. P. BHARGAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 20-7-1977

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

#### MADRAS-6

Madras-6, the 12th July 1977

Ref. No. 11/NOV/76-77.—Whereas I, S. RAJARATNAM, 66, Ward I, Block 19,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Big Street, Thiruvannamalai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thiruvannamalai (Doc. No. 1370/76) on 4th November, 1976.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

11-186G1/77

(1) Shri B. Doraisamy Reddiar, No. 66, Big Street, Thiruvannamalai.

(Transferor)

(2) Shri A. Cheganmul Sowear, No. 66, Big Street, Thiruvannamalai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

First and second floors of the property situated at No. 66 (T.S. No. 1167/1, Ward 1, Block No. 19), Big Street, Thiruvannamalai.

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madrus-6

Date: 12-7-1977

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 12th July 1977

Ref. No. 12/NOV/76-77.—Whereas I, S. RAJARATNAM, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 19, Ward I, situated at Thiruvannamalai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thiruvannamalai (Doc. No. 137/76) on 4th Noovember 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

 Shri B. Doraisamy Reddiar, S/o Balakrishna Reddiar, No. 66, Big Street, Thiruvannamalai.

(Transferor)

(2) Smt. C. Manghibui, W/o Cheganmul Sowcar, No. 33, Sannadhi Street, Thiruyannamalai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 3,110 sq. ft. with building thereon at Block No. 19, I Ward, Thiruvannamalai. (T.S. No. 1167/1).

S. RAJARATNAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 12-7-1977

(1) Shri K. M. S. R. Kuppusamy Iyer Dharmam Trust, No. 87, South Masi Street, Madurai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri C. Indarchand Metha, No. 97, Nynaippa Naicken Street, Madras-1.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

MADRAS-6

Madras-6, the 18th July 1977

Ref. No. 28/NOV/76-77.—Whereas I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

97, situated at Nyniappa Naicken Street, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Madras (Doc. No. 4393/76) on November, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under Sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 1,790 sq. ft. with building thereon at door No. 97 (New Survey No. 9164), Nyniappa Naicken Street, Madras-1.

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 18-7-1977

#### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. S. Venkatachari & S. Vedantham, Doosi village.

(Transferor)

 Shri K. Ramaswami Naicker, Pallavaram, Nathakollai, Doosi P.O.

(Transferec)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 18th July 1977

Ref. No. 41/NOV/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

22/2&3, 77B2 & 77B1B, situated at Abdullapuram Village, near Doosi Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Doosi (Doc. No. 1430/76) on November, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 1 acre and 30 cents in survey Nos. 22/2 (0.35 acres), 22/3 (0.05 acres), 77B2 (0.29 acres) and 77B 1B (0.61 acres) (with one 15 HP motor, one 3 HP motor and one well) at Abdullapuram village (near Doosi village) on Kancheepuram-Cheyyar Bus route.

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 18-7-1977

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

GOVERNMENT OF INDIA

## OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,

#### MADRAS-6

Madras-6, the 18th July 1977

Ref. No. 42/NOV/76-77.—Whereas I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

II Ward, Salai Street, situated at Vedasandhur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vedasandur (Doc. No. 984/76) on November, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. Mohamed Ismail, S/o Shri Sahul Hameed, Vedasandur.

(Transferor)

(2) M/s. A. Abdul Kuder & A. Abdul Sathar, Sons of K. Abdul Salam, Salai Street, Vedasandur, Dindigul taluk,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 6,774 sft. with building thereon at door No. 29 Salai Street, Vedasandur, Madurai district.

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 18-7-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II,

#### MADRAS-6

Madras-6, the 19th July 1977

Rcf. No. F. 4112/76-77.—Whereas I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No R.S. Nos. 4172, 4173 & 4174, situated at Ootacamund ('St. Clouds', Ooty)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ootacamund (Doc. No. 1296/76) on 26-11-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inlitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri D. Kumar Siddanna 19/1 Grant Road, Bangalore (Karnataka).

(Transferor)

Shri B. Marideswara Rao,
 Smt. M. Dhanamani, and
 Smt R. Chandramani
 Partners of M/s. B. Marideswara Rao & Co.
 Rashtrapathi Road,
 Secunderabad-500 003.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 0-71 2/8 acres (with building) and bearing Door Nos. 72 and 72-A, Ootacamund. ('St. Clouds', Ootacamund)
(R. S. No. 4172; 4173; and 4174).

S. RAJARATNAM
Competent Authorky
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 19-7-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 19th July 1977

Ref. No. F. No. 4116/76-77.—Wherens I, S. RAJA-RATNAM.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 27/10, situated at East Venkatasami Road, R.S. Puram, Combatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III Coimbatore (Doc. No. 2811/76) on November 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent to such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said inscrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. C. V. Savithri Ammal
  Sakunthala
  Gowri Pattabiraman
  Chandra Viswanath (Power Agent: C. V.
  Savithri Ammal) D. No. 27/10 East Thiruvenkataswami Road, R.S. Puram, Coimbatore.
  (Transferor)
- Smt. Mariammal W/o Shri Ramaswami Chettiar Palani ammal D/o Marimuthu Chettiar Kollupalayam, Thippampatti Pollachi Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 3327 Sq. ft. (with building) and bearing Door No. 27/10 East Thiruvenkataswamy Road, R. S. Puram, Coimbatore (Doc. No. 2811/76).

S. RAJARATNAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 19-7-1977

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 19th July 1977

Ref. No. F. 4116/76-77.—Whereas I, S. RAJARATNAM. being the Competent Authority under Section 269B of the Income.tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 27/10, situated at East Thiruvenkataswami Road, R.S. Puram, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSR III, Coimbatore (Doc. No. 2812/76 in November 1976 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair

market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt C. V. Savithri Ammal
 Sakunthala
 Gowri Pattabiraman
 Chandra Viswannath (Power Agent: C. V
 Savithri Ammal)
 D. No. 27/10 Fast Thiruvenkataswami Road,
 R. S. Puram, Coimbatore

(Transferor)

 Shri K. M. Ramasami Chettiar S/o Shri Marimuthu Chettiar, No. 82 N.H. Road, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 3337 Sq. ft. (with building) and bearing D. No. 27/10 East Thiruvenkatswami Road, Coimbatore (New R.S. No. 1111/Part) (Doc. No. 2812/76).

S. RAJARATNAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 19-7-1977

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-UNX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 19th July 1977

Ref. No. 4118/76-77.—Whereas I. S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3/41 Bazar St., situated at Bhavani

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavani (Doc. No. 1758) on 18-11-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. Rasu \$/o Shri Chellappa Gounder Perumpalayam Elavamalai v llage Frede Taluk.

(Transferor)

(2) Shri K. S. Arumugam S/o late Shri Chenniappa Gounder D. No. 3/41 Bazaar St. Bhavani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by a\_, \_\_\_\_ person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & building bearing Door No. 3/41 Bazaar Street, Bhavani (Doc. No. 1758/76).

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 19-7-1977

Scal :

12—186GI/77

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 19th July 1977

Ref. No. F. 4118/76-77.—Whereas I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 3/41, situated at Bazaar Street, Bhavani (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhavani (Doc. No. 1759.76) in November 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 (i) Shri P. S. Muniyappa Gounder S/o Shri Chellappa Gounder
 (ii) Minor Venukatachalam Perumapalayam Elavamalai village Erode Taluk.

(Transferor)

(2) Smt. A. Anjali Devi W/o Shri K. S. Arumugam Door No. 3/41 Bazaar St. Bhavani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 3/41 Bazaar Street, Bhavani (Doc. No. 1759/76).

S. RAJARATNAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 19-7-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 19th July 1977

Ref. No. F. 4125/76-77.--Whereas I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 60, Gandhiji Road, situated at Erode. (and more fully described in the Schedul annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at JSR I Erode (Doc. No. 3521/76) on 18-11-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: –

Shri D. Srinivasan
 S/o late Shri A. R. Duraiswami Jyer
 No. 1479 Lakshmibai Nagar,
 New Delhi-23.
 Shri Duraiswami;
 S. Sankaran (Minor)
 Shri Duraiswami;
 S. Sankaran (Minor)
 Shri D.
 Srinivasan.

(2) Shri E. R. Rengaswami S/o Shri Ramasami Gounder No. 160 Brough Road, Erode.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXITANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & building bearing D. No. 60 (T.S. No. 609) Gandhiji Road, Erode (Building on the Southern side).

S. RAJARATNAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-5.

Date: 19-7-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 19th July 1977

Ref. No. F. No. 4125/76-77.—Whereas I, S. RAJA-RATNAM, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

60, Gandhiji Road, situate at Erode

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSR I, Erode (Doc. No. 3520/76) on 18-11-1976

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Shri D. Sivakumar
 S o late Shri A. R. Duraisami Iyer
 No. 58 Park Road, Érode Town.

(2) Shri E. R. Rengaswami 5/o Shri Ramasami Gounder No. 160 Brough Road, Ercele (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & building bearing D. No. 60 (T. S. No. 609) Gandhiji Road, Erode (Building on the Northern side).

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 19-7-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 19th July 1977

Ref. No. F. 5364/76-77.—Whereas I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

15, Jagadambal Colony, situated at Royapettah, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore, Madras (Doc. No. 1141/76) on November 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kota Butchi Lakshmamma, W/o late Kota Venkateswaralu, No. 15, Jagadambal Colony, Royapettah, Madras.

(Transferor)

(2) Smt. M. Kalyanasundari W/o Shri V. D. Muthu No. 133 Dr. Natesan Road, Triplicane, Madras-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 1 ground & 1329 Sq. ft. (with building) and bearing Door No. 15 Jagadambal Colony, Royapettah, Madras. (Now R.S. No. 1096/21; C.C. No. 281).

S. RAJARATNAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 19-7-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 13th July 1977

Ref. No. Acadille No. 401.—Whereas, I.N. K. NAGARA-JAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27-23-152 situated at Governorpet, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed herto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Vijayawada on 10-11-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Puranam Venkata Subrahmanyaseethaqam, M/G Mother Smt. P. Meenakshi Puranam Street, Godugupeta, Machilipatnam.

(Transferor)

(2) Shri Nori Srinivasa Phanindra, M/g Father Dr. N. Venkateswara Sastry Kothapeta, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

The schedule property as per registered document No. 2897/76 registered before the sub-registrar, Vijayawada during the fortuight ended on 15-11-1976.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 13-7-1977

FORM TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 13th July 1977

Ref. No. Acq. File No. 402.—Whereas, I, N. K. NAGARA-JAN,

being the Competent Authority under Sction 269·B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 27-4-2 situated at Governorpeta Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 17-11-1976

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gajavalli Venkoteswarlu, S'o Guravayya, Canal Road, Vijayawada.

(Transferer)

(2) Sri Gopu Raghavarao S.o Subbarao, C/o Sudha Mafatlal Show room Main Bazar, Vijayawada-1.

(Transferee)

- (3) (1) The Branch Manager, India Tyre and Rubber Co., (P) Ltd., Viiayawada.
  - (2) Konkaria Metal Industries, Vijayawada,
  - (3) Sri K. Ramarao, Vijayawada.
    (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2969/76 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 30-11-1976.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 13-7-1977

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 13th July 1977

JAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the

Ref. No. Acq. File No. 403.—Whereas, I, N. K. NAGARA-

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 27-4-2 situated at Governorpeta, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 7-12-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shrimati Gajavalli Ratnalu, W/o Venkateswarlu Canal Road, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Gopu Subash Babu, S/o Subbarao Sudha Mafatlal Show Room, Main Bazar, Vijayawada.

(Transferee)

(3) (1) India Tyre & Rubber Co., India (P) Ltd., Vijayawada.
(2) N. Dhanjayarao, Vijayawada.

Sri K. Ramarao, Vijayawada. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3204/76 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada during the fortnight ended 15-12-1976.

> N. K. NAGARAJAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada

Date: 13-7-1977

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 14th July 1977

Ref. No. Acq. File No. 404.—Whereas, I, N. K. NAGARA-JAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26-34-221 and 8-31-60 situated at  $\Lambda$ . T. Agraharam Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 8-11-1976

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

13—186GI/77

- (1) Shri Ventrapragada Mohanrao S/o Chalapati Rao, A. T. Agraharam Guntur.
  - (Transferor)
- (2) Shri Adapa Sitaramaiah, Door No. 26-34-221, S/o Nurasaiah, A. T. Agraharam Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 5111/76 registered before the Sub-Registrar, Guntur during the fortnight ended on 15-11-1976

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 14 7 1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 15th July 1977

Ref. No. Acq. File No. 405.—Whereas, I, N. K. NAGARA-JAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 8-212 situated at Ramadaspeta Rajahmundry

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Rajahmundry on 16-11-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Pacpro Industries by its partners.
  - (1) Vudimudi Drupadaraju, Rajahmundry.
  - (2) M. Ramarao, Rajahmundry.
  - Smt. Bommareddy Laxmikoteswari, Rajahmundry.
  - (4) Smt. G. Puspalatha, Vijayawada.
  - (5) Smt. I. Rajyalaxmi, Rajahmundry.
    (Transferors)
- (2) M/s. Laxmi Laminates by its partners.
  - (1) Yadavalli Ramachnedrarao, S/o Veerraju, Markondapadu, Kovvur Tq.,
  - (2) Cherukuri Veerraju, S/o Subbarao Konthamuru.
  - (3) Meka Venkata Krishna Bhaskararao, S/o Venkatarayudu, Andaluru, Bhimavaram Taluk.
  - (4) Karuturi Apparao. S/o Venkataratnam, Chagallu.
  - (5) Chundru Lalitha Kumari W/o Krishnamurty, Repaka.
  - (6) Karuturi Lakshmanarao S/o Somanna, Ankampalem,
  - Ganta Mangayamma W/o Abbulu, Konthamuru.
  - (8) Dandamudi Veerraju S/o China Venkanna, Konthamuru.
  - Duddupudi Sitharatnam W/o Nageswararao, Rajahmundry.
  - (10) Yadavilli Varalakshmi W/o Ramachandrarao, Markondapadu.
  - (11) Monavarthi Annapurna W/o Suryanarayana, Achanta.
  - (12) Karuturi Sathyavathi W/o Apparao, Chagallu,
  - (13) Akkena Koteswararao S/o Subbarao, Raghude-vapuram.

(Transferees

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule of property as per registered document No. 3892/76 registered before the Sub-Registrar, Rajahmundty during the fortnight ended on 30-11-1976.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 15-7-1977

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 15th July 1977

Ref. No. Acq. File No. 406.—Whereas, I, N. K. NAGARA-JAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 13-15-34 situated at Kotilingalapeta Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajahmundry on 2-11-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri K. Ratnakumar S/o K. V. Narayana Laxmivarapupeta, Rajahmundry.

(Transferor)

- (2) M/s. Karri Appareddi & Co., represented by its partners.
  - (I) Karri Appareddi.
  - (2) Tadi Venkata Reddi.
  - (3) Sathi Surva Prabhakarareddi. Kotilingalpeta, Rajahmundry

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3732/76 registered before the Sub-Registrar, Rajahmundry during the fortnight ended on 15-11-1976.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 15-7-1977

(1) Shri Jammalamadaka Venkateswara Sarma, Vallabaipatelnagar, Bapatla.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 15th July 1977

Ref. No. Acq. File No. 407.—Whereas, I, N. K. NAGARA-JAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-9-64 situated at Bapatla

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bapatla on 4-11-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(2) (1) Rallabandi Venkata Laxmi W/o Venkatappayya.

- (2) R. Sreenivasa Sarma.
- (3) R. Subrahmanya Sarma M/G mother (Smt. Venkata Laxmi, Nazarupeta, Tenali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2335/76 registered before the Sub-Registrar, Bapatla during the fortnight ended on 15-11-76.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 15-7-1977

(1) M/s. Rajesh Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bandra Hormuzd Cooperative Housing Society Limited.

#### GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee) (3) (1) Mr. Shaikh Mohammed Y. Omar.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, SMT, KGMP AYURVED HOSPITAL BLDG, 5TH FLOOR,

NETAJI SUBASH ROAD, BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 16th July 1977

Mrs. S. S. Kulkarni. Mrs. D. J. Saldana.

(4) Mrs. Fernandes.

Mrs. E. Dsouza. Mr. R. G. Chabria. (6)

(7)Mrs. Purnima B. Desai. (8) Mr. B. Dorabji Katgara.

Mr. P. L. R. Shenoy. Mr. M. M. Parekh. (10)

Mr. Thomas Kurien. Mr. Thomas Kurien. (11)

Mrs. Meera S. Deshpande. Mrs. Meera S. Deshpande.

Mr. N. A. Noronha.

(16) Mr. Aspi A. Jokhi (17) Mrs. J. P. Ferrcira. (18) Mr. P. M. Vankadia.

(19) Mrs. Monica D. Mohindru. (Persons in occupation of the property).

No. A.R.11/2406-9/Nov.76.--Whereas, I, V. S. MAHAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Piot No. 44 of Danda Scheme situated at Danda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 29-11-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to the disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in Registered Deed No. 486/76, registered on 29-11-1976 with the Sub-Registrar of Bombay.

> V. S. MAHAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 16-7-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II,

SMT. KGMP AYURVED HOSPITAL BLDG. 5TH FLOOR, NETAJI SUBASH ROAD, BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 20th July 1977

Ref. No. A.R.Π/2399-2/Nov.76.—Whereas, I, V. S. MAHAJAN.

being the Competent Authority under section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. No. 3/842 and Final Plot No. 378 of Town Planning Scheme (Bombay City) No. III Mahim situated at Mahim Division

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-11-1976

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :-

(1) M/s. Shanti Bhagwandas & Others.

(Transferor)

(2) Sadhana Nivas Cooperative Housing Society Limited. (Transferce)

(3) (1) Mrs. M. A. Gaitonde (2) Shri R. M. Shetye (3) Shri A. G. Wagh (4) Smt. S. A. Tejwani

(3) Shri A. G. Yran. (4) Smt. S. A. Tejwani (5) Mrs. Bhijibal Dwarkadas S. M. Bhatte

Mrs. S. M. Bhatte Mr. A. Albuquerque

(8) Mrs. J. A. Jawekar (9) Mr. S. K. Santhoor 10) Mrs. P. V. Desai (10)

Mrs. N. V. Rangnekar Mrs. S. K. Dhinga

(13) Indian Overseas Bank

(14) Mr. Jaisingh Tarasingh

(15) Mrs. Juneja

(16) M/s. Rylands Paper Box Co. (Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in Registered Deed No. 1097/63 registered on 16-11-1976 with the Sub-Registrar at Bombay.

> V. S. MAHAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II, Bombay

Date 20-7-1977

(1) L. A. Stronach & Co. (India) Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajendrakumar Tulli.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-II,

SMT. KGMP AYURVED HOSPITAL BLDG. 5TH FLOOR, NETAJI SUBASH ROAD, BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 20th July 1977

Ref. No. A.R.II/2483-10/Nov.76.—Whereas. I, V. S. MAHAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. N.A. No. 53B, City Survey Nos. C/780, C/781, C/782 and C/783 in Danda Division and portion of land bearing Survey No. 216 Hissa No. 1(A) situated at Kantwadi Danda (and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 17-11-1976

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesadi property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in registered deed No. 1028/76 registered on 17-11-1976 with the Sub-Registrar of Bombay.

V. S. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Bombay

Date 20-7-1977 Seal;

#### FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 22nd July 1977

Ref. No. CHD/63/76-77.—Whereas, J. R. K. PATHANIA, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Rohtak.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 2170, Sector 15-C, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in November 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Joginder Singh S/o Narain Singh, c/o Shri Bhola Singh r/o H. No. 622 Sector 11-B, Chandigarn (2) Shri Harbans Singh Josan s/o Shri Dayal Singh.

(Transferor)

(2) Smt. Ranjit Kaur W/o Shri Harbans Singh Josan R/o village and Post Office, Burajar Sidhwan Via. Malant Distt. Faridkot (Panjab).

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Residential plot No. 2170 (old No. 5-K) situated in Sector 15-C, Chandigarh.

(Property as mentioned in Registered deed No. 641 of November, 1976 of Registering Authority, Chandigarh).

R. K. PATHANIA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Date: 22-7-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 22nd July 1977

Ref. No. CHD/64/76-77.—Whereas, I, R. K. PATHANIA, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 161 Sector 18-A, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of (1908) in the office of the Registering officer at Chandigarh in November, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
14—186GI/77

(1) Shri Kidar Nath Malhotra S/o Shri Gobind Sahai R/o Shalamar Road, Jammu (J&K).

(Transferors)

(2) Shri Kundan Lal Grover. Karta of HUF known as Kundan Lal Malhotra & Sons comprising of himself, Avinash Grover and Ajay Grover as coparceners.

(Transferee)

(3) M/S. K. L. Grover and Co., R/o House No. 161, Sector 18-A, Chandigarh,

(Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 161 situated in Sector 18-A, Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 646 of November, 1976 of Registering Authority, Chandigarh.

R. K. PATHANIA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Date: 22-7-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 22nd July 1977

Ref. No. CHD/67/76-77.—Whereas, I, R. K. PATHANIA, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

House No. 3169, Sector 21-D, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Sarvjit Singh S/o Shri Inder Singh through his General Attorney Sqn. Ldr. Gurdial Singh S/o Shri S, Inder Singh, R/o H. No. 3169, Sector 21-D, Chandigarh.
- (2) Smt. Jasmair Kaur W/o Late S. Thakar Singh R/o H. No. 3169, Sector 21-D, Chandigarh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Half share in House No. 3169, built on Plot measuring 500.5 sq. yds. in Sector 21-D. Chandigarh.

(Property as shown in the Registered Deed No. 659 of December, 1976 of the Registering Authority, Chandigarh.

R. K. PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 22-7-1977

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 22nd July 1977

Ref. No. HGR/(DLI/17/76-77.—Whereas, I, R. K. PATHANIA, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Industrial Estate No. II, Village Palla, situated at Village Palla, Tch. Ballabgarh, (Gurgaon)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Plot No. 34 situated in Industrial Colony known as D.L.F. at Delhi in November, 1976

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (i) S/Shri (i) Ram Sarup

(ii) Nand Kishore

(iii) Ayodhya Parshad S/o Amar Nath, R/o 37-E, Kamla Nagar Subzi Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. K. S. F. Products, A-I/21, Sufdarjang Development Area New Delhi. through its partner Shri Prithipal Singh S/o Shri Sardar Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days fron the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 34 measuring 2100 sq. yds, in Industrial Colony known as DLF Industrial Estate No. II, Village Palla, Haryana Distt. Gurgaon.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 471 of November, 1976 of the Registering Authority, Delhi).

R. K. PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 22-7-1977

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 22nd July 1977

Ref. No. PNP/18/76-77.—Whereas, I, R. K. PATHANIA, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. E-15, Industrial Area, situated at Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Panipat in December, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/S Rama Engineering and Weaving Industrial Co-operative Society Ltd. Panipat through Snri Brahm Vir Saini, R/o 260-Model Town, Panipat.

(Transferor)

(2) M/s. R. K. Woollen Mills, Unit-II, Industrial Area Panipat through Shri Siri Chand s/o Shri Telu Ram, R/o E-15, Indl. Area, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of Commercial property known as E-15, situated in Indl. Area, Panipat,

(Property as shown in the Registered Deed No. 6279 of December, 1976 of the Registering Authority, Panipat.)

R. K. PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 22-7-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE BHATINDA

Bhatinda, the 14th July 1977

Ref. No. AP 17/77-78.—Whercas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Garhshanker (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Garhshanker on 1-11-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kanwaljit Kaur w/o Shri Harbans Singh Sethi, Shop No. 35, Grain Market, Garh Shanker (Jullundur).

(Transferor)

(2) Smt. Bakshish Kaur w/o Shri Gurmit Singh s/o Shri Partap Singh, V. Pandori Ganga Singh, Teh. Garh Shanker.

(Transferee)

[Person in occupation of the property]

- (3) As per S. No. 2.
- (4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 77 in Grain Market, Garh Shanker Distt, Jullundur as mentioned in registration deed No. 2185 dated 1-11-1976.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 14-7-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHATINDA.

Bhatinda, the 14th July 1977

Ref. No. AP 16/77-78.—Whereas I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. As per schedule situated at V. Kotowala Dakhli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka on 26-11-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Ram Chander Urf Sh. Ram Chand s/o Sh. Chaman Lal s/o Sh. Sardari Mal, r/o Muktar through Sh. Chaman Lal s/o Shi Sardari Mal, r/o Mut, Teh. Fazilka, Distt. Ferozepur.
  - (Transferor)
- (2) 1, Sh. Nagar Singh s/o Sh. Jaimal Singh r/o Koto Wala Dhakli. 2. Sh. Bhar Singh s/o Sh. Nagar Singh, V. Kotowala Dhakli. 3. Sh. Darshan Singh and Mangel Singh s/o Sh. Delawar Singh, r/o Koto Wala Dhakli. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2. [Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

117 Kanal 8 Marlas of agricultural land situated in village Koto Wala Dhakli as mentioned in the registration deed Nos. 1937, 1938 and 1939 dated 26-11-1976.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 14-7-1977

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 2nd July 1977

Rcf. No. A. P. 14/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As p∈r schedule situated at Jaitu

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jaitu on December 1976

for an apparent consideration which is less than the fakt market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Krishan Kumar s/o Sh. Kulwant Rai, Jaitu Mandi.

(Transferor)

(2) Shri Tirath Ram, Shri Bal Mukand, sons of Shri Kundan Lal, Jaitu.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2.
[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 7508 sq. ft alongwith share of cinema building 1/10th share of the total land measuring 75085 sq. ft. alongwith cinema building situated at Baja Road, Jaitu. Registration deed No. 938 dated Dec. 1976.

P. N. MALJK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ehatinda.

Date: 2-7-1977

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA.

Bhatinda, the 2nd July 1977

Ref. No. A. P. 15/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Abohar on 15-12-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initial proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Maharaj Krishan s/o Shri Ram Rakhanoaga adopted son of Shri Tara Chand, Sukhera Basti, Abohar.

(Transferor)

(2) Shri Wariam Chand, Shri Chandi Ram sons of Shri Jaggu Ram s/o Shri Kalu Ram, Sukhera Basti, Abohar.

(Transferce)

- (3) As per S. No. 2. [Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

32 Kanals and 4 Marlas of agricultural land situated at 3 k.m. away from Abohar as mentioned in the Registration Deed No. 1381 dated 15-12-1976 of S. R. Abohar.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 2-7-1977

(1) Smt. Usha Rani w/o Sh. Pyare Lal, Jaitu Mandi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Shri Jagdish Rai s/o Shri Bhagwan Dass, Jaitu

# (Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(3) As per S. No. 2. [Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 2nd July 1977

Ref. No. A. P. 13/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Jaitu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaitu on Dec., 1976

for an apparent consideration

15-186GI/77

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# (b) facilitating the concealment of any income or any

# THE SCHEDULE

Land measuring 3754 sq. ft. along with building of cinema 1/20th share of land 75085 sq. ft. along with cinema building situated at Baja Road, Jaitu. Registration deed No. in this case is 939 dated Dec., 1976.

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. MALIK Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 2-7-1977

(1) Smt. Usha Rani w/o Sh. Pyare Lal, Jaitu Mandia (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Vinod Kumar, Sh. Anil Kumar sons of Sh. Ram Saran Dass, Jaitu.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

# OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA.

Bhatinda, the 2nd July 1977

Rcf. No. A. P. 12/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per schedule situated at Jaitu, situated at Sabji Mandi, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jaitu on Dec., 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- \*(3) As per S. No. 2.
- \*(4) Anybody interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 3754 sq. ft. alongwith building of cinema 1/20th share of land 75085 sq. ft. alongwith cinema building situated at Baja Road, Jaitu. Registration deed No. 940 dated Dec., 1976.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dato: 2-7-1977

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA.

Bhatinda, the 14th July 1977

Ref. No. A. P. 18/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated Gholia Khurd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on 3-12-1196

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this hotice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Bacbittar Singh, Gurdial Singh, Dial Singh ss/o Shrimati Bhagwan Kaur wd/o Sh. Pala Singh r/o Gholia Khurd (Moga).
- (2) Sh. Mukhtiar Singh, Baldev Singh s/o Sh. Gurdial Singh s/o Sh. Kapur Singh, Vill. Ranse Ke Kalan.
- \*(3) As per S. No. 2.
- \*(4) Anybody interested in the property.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land measuring 38 Kanals and 4 Marlas situated in village Gholia Khurd, Teh. Moga as mentioned in the registration deed No. 5354 dated 3-12-1976.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 14-7-1977

(1) S/Sh. Suresh Kumar, Prem Parkash, Vijay Kumar sons of Sh. Ram Chand, r/o Abohar, Teh. Failkar

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Lal Chand s'o Sh. Duni Chand s/o Sh. Dhirta Ram, r/o Abohar.

#### GOVERNMENT OF INDIA

\*(3) As per S. No. 2.

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

\*(4) Anybody interested in the property.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bhatinda, the 14th July 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. A. P. 20/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

publication of this notice in the Official Gazette.

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. As per schedule situated at Abohar.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Falika on Jan., 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

# THE SCHEDULE

 $\Lambda$  shop in Mandi Abohar as mentioned in registration deed No. 1595 dated 10-1-1977 and 1608 dated 11-1-1977.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. MALIK

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-7-1977

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA.

Bhatinda, the 14th July 1977

Ref. No. A. P. 19/77-78.—Whereas, I. P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at Abohar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Falika on 11-1-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Balak Chand s/o Sh. Nathu Ram resident of Budhlada, Teh. Mansa.
- (2) Sh. Charan Dass s/o Sh. Ram Chand, r/o Abohar.
- \*(3) As per S. No. 2.
- \*(4) Anybody interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/4th share of a shop in Mandi Abohar as mentioned in registration deed No. 1617 dated 11-1-1977.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 14-7-1977

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR,

Julhindur, the 16th July 1977

Ref. No. 1683.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Kapurthala Road, Jullundur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the obice of the Registering Officer at JuliunJur on Nov, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, [hereb/ initial erroccedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Charan Singh s/o Sh. Deva Singh, Kapurthala Road, Jullundur city.

(Transferor)

(2) S/Sh. Satish Kumar & Pawan Chand ss/o Sh. Sham I.al Bahri, H. No. B. xxx—278/54, Kapurthala Road, Jullundur.

(Transferee)

- \*(3) Shri Sham Lal p/o M/s Bahri Sons, Jullundur [Person in occupation of the property]
- \*(4) Any other person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration sale deed no. 4340 of November, 76 of the Registering Authority, Juliundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 16-7-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, 54 RAFI AHEMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 16th July 77

Ref. No. 392/Acq. R-III/77-78/Cal.--Whereas, I, Kishote Sen,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 7, situated at Fern Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Alipore on 17-11-76

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Sri Baidya Nath Roy, 2. Sti Shib Nath Roy
 Sri Bhut Nath Roy, 4. Sri Monimoy Roy, 5. Sri Sudhamoy Roy, 6. Smt. Kamalini Debi, 7. Sri Shyamal Kumar Roy, 8. Sri Subrata Roy, 9. Sri Swapan Kumar Roy.

(Transferor)

(2) Sri Manoranjan Poddar & Smt. Gecta Poddar, 18/11/B, Fern Road, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 day<sub>δ</sub> from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring two cottahs eleven chittacks and thirty eight sq. ft. at 7, Fern Road, Calcutta registered under Deed No. 5653 of 1976 before the District Registrar, Alipore.

KISHORE SEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta-16

Date: 16-7-77.

Scal:

-.<u>-</u> -= -

# FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER.
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 18th July 77

Ref. No. 393/Acq. R-III/77-78/Cal.—Whereas, I, Kishore Scn, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11,

situated at Dover Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah on 11.11.76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Aloke Kumar Ghosh Pratip Kumar Ortosn Diponkar Ghosh 1, Ballygune Park, Calcutta.

(Transferor)

(2) \$mt. Lekha Roy Chowdhury 15/C, Sarat Ghosh Garden Road, Dhakuria, Calcutta-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring two cottahs and six chittacks together with sructures of out houses and garages at the premises No. 11, Dover Lane, Calcutta under deed No. 946 of 1976 before the Sub-Registrar at Sealdah.

KISHORE SEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta-16.

Date: 18-7-77.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR.

Jaipur, the 16th July 1977

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/371.—Whereas, I, CHUNNI LAL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 9 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Jaipur on 1.12.1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Sushila Devi Wd/o Dr. Shyam Lal R/o 44, Linton Road, Dehradun (U.P.).
- (2) Svs. Suresh Chand, Subhash Chand, Manoj Kumar Sons of Nangram and Smt. Pushpa Jain W/o Sobhagmal E/o 2032 A, Barphwali Gali, Kinari Bazar, Delhi.

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 9, Hospital Road, C-Scheme, Jaipur more fully described in the conveyance deed registered by Sub-Registrar Jaipur at S, No. 2371 dated 1.12.1976.

CHUNNI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 16th July, 1977.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR.

Jaipur, the 16th July 77

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/370,—Whereas, I, CHUNNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 40, Kota situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kota on 11.3.77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Vimla bai W/o Vijay Singh Vaid, Smt. Kamerchan Bai W/o Ratan Lal Vaid. & Shri Panna Lal Vaid S/o Sohan Lal Vaid, R/o Bhimganj Mandi, Kota.

(Transferor)

(2) Shri Kanhiya Lul S/o Kedar Lul Rathore, 2. Shri Banwari Lul S/o Keshav Lul Rathore, 3. Smt. Nathi bai W/o Kedar Lul Rathore, R/o Chhabara Distt. Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Constructed house on Plot No. 40, New Grain mandi, Kota. More fully described in the conveyance deeds registered by Sub-Registrar Kota at S. No. 238, 239, 237 dated 11 3.77.

CHUNNI LAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 16th July, 1977.

### FORM ITNS ...

# (1) Shri Shanti Lal Baphana s/o Shri Munna Lal Baphana R/o D-22, Moti Dungri, Road Jaipur. (Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Shri Krishan Awatar, Surendra Pratap, Mahesh Chand and Sushil Kumar S/o Sh. Kedarnath Bhoot, R/o A-33, Tilak Nagar, Jaipur. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR.

Jaipur, the 7th July 1977

Ref. No. Raj/IAC(Acq) 369.—Whereas, I, CHUNNI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-33 situated at Tilak Nagar, Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Jaipur on 10th Jan., 1977 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. A-33 Prabhu Marg, Tilak Nagar, Jaipur alongwith construction thereon more fully described in the sale-deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur at S. No. 16 dated 10th Jan., 1977.

> CHUNNI LAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur.

Date: 7th July 1977